UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

4 सर्जनात्मक जिद् के महामानव डा०...

5 पुराना आरटीओ भवन टूटेगा बनेगी...

6 धरातल पर उतरने के साथ चंद कदम...

● वर्ष : 09 ● अंक : 38 ● लखनऊ, सोमवार 14 अप्रैल 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

पंजीकृत किसान बिन सत्यापन बेच सकते हैं 100 कुंतल गेहूं

लखनऊ। अन्नदाता किसानों के हित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम के निर्देश पर एक तरफ अन्नदाता किसानों के हित में एक और कदम बढ़ाते हुए खाद्य व रसद विभाग ने सत्यापन प्रक्रिया को सरल बना दिया है तो वहीं दूसरी तरफ 100 कुंतल से ऊपर गेहूं विक्रय पर किसानों को सत्यापन से छूट दे दी गई है।

किसान अनुमानित उत्पादन के 3 गुने तक बिक्री कर सकेंगे, जिससे कि अभिलेखों में त्रुटि इत्यादि से गेहूं बेचने में उन्हें परेशानी न हो।

योगी सरकार ने व्यवस्था की है कि पंजीकृत किसान सत्यापन के बिना भी 100 कुंतल तक गेहूं बेच सकते हैं। सत्यापन के बाद कुल उत्पादकता के आधार पर अगेंस्ट उत्पादन क्षमता के तीन गुना तक गेहूं बेचने की सुविधा है,

करणी सेना का रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में कार्यकर्ताओं ने लहराए तलवार-डंडे

एजेंसी

आगरा। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान के बाद करणी सेना लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में करणी सेना ने 12 अप्रैल को राणा सांगा की जयंती पर आगरा में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन का ऐलान किया है। एत्मादपुर तहसील के कुबेरपुर के पास स्थित गढ़ी रामी में होने वाले सम्मेलन में करणी सेना के कार्यकर्ता और क्षत्रिय समाज के लोग पहुंचने लगे हैं।सपा सांसद रामजीलाल सुमन और उनके आवास की आवास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान रैली के चलते रैली की समाप्ति तक एमजी रोड पर सूरसदन चौराहा से सेंट जोंस चौराहे

तक वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है।

गौरतलब है कि सम्मेलन में कई प्रदेशों से क्षत्रिय समाज के लोग, करणी सेना समेत अन्य संगठनों से जुड़ों लोगों के अलावा ब्रज भूषण सिंह, राजा भैया, वीर प्रताप सिंह, सनी सिंह आ सकते हैं। इसे देखते हुए इसके लिए हेलिपैड की अनुमति मांगी गई है। जिसको देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। वहीं, सपा सांसद रामजीलाल सुमन और शहर में त्रिस्तीय सुरक्षा का प्लान बनाया गया

सांसद आवास की बढ़ाई गई सुरक्षा

दोपहर में कार्यक्रम स्थल पर पुलिस के पहुंचने पर युवा आक्रोशित हो गए और रामजीलाल सुमन को लेकर जमकर की नारेबाजी की। पुलिस के सामने क्षत्रिय समाज के लोगों ने तलवार और डंडे भी लहराए। इसके बाद कार्यक्रम स्थल से पुलिस आक्रोशित भीड़ को देखकर वापस हो गई। एडिशनल कमिश्नर के साथ मौके पर अधिकारी पहुंचे थे।

सरकार को दिया पांच बजे का समय

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने बताया कि लोकतांत्रिक ढंग से आपत्ति बताने और अपेक्षाओं को लेकर कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को पांच बजे का समय दिया है। जिला प्रशासन और सरकार का प्रतिनिधि मंडल उनकी मांग सुनें और समाधान करे। हम अनुशासन में आए हैं, अनुशासन में ही रहेंगे। आयोजन समिति के सदस्य धीरज सिकरवार ने बताया कि ये ऐतिहासिक दिन है, जो गढ़ी रामी से एक संदेश जाएगा। यहां पर कोई डंडे लेकर नहीं आएगा। आयोजन समिति के आदित्य सिकरवार ने कहा कि हमने इसके लिए गांव-गांव जाकर संपर्क किया है। शिवम परमार ने बताया कि ये कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा।

एम4 राइफल और अन्य हथियार बरामद- सेना

मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकवादी

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में चल रही मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया है। सेना ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी।

असम राइफल्स मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेना की 5 सेक्टर असम राइफल्स के कमांडर ब्रिगेडियर जे.बी.एस. राठी और किश्तवाड़-डोडा-रामबन रेंज के उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद 9 अप्रैल को खोजी अभियान शुरू हुआ था। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर और जम्मू-कश्मीर पुलिस का

संयुक्त अभियान कठिन भूभाग और मौसम की स्थिति के बावजूद तलाशी जारी रहा। तलाशी दलों ने 11 अप्रैल की सायंकाल को एक आतंकवादी और 12 अप्रैल की सुबह को दो और आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि बरामद हथियारों में एक एके राइफल और एक एम4 राइफल के अलावा अन्य हथियार व गोला बारूद शामिल है। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तलाशी अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई और इसमें शामिल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। डीआईजी पाटिल ने कहा कि सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों में निगरानी और क्षेत्र में गस्त बढ़ा दी है। आतंकवादियों की घुसपैठ और आने-जाने का पता लगाने और घुसपैठ को रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षाबलों को देने का भी आग्रह किया।

सरकार ने 2 रुपये बढ़ाई एक्साइज ड्यूटी

पेट्रोल-डीजल होगा महंगा!

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 2-2 रुपये की वृद्धि की है। बढ़ी हुई एक्साइज ड्यूटी के लागू होते ही तेल कंपनियां इसे ग्राहकों तक पास ऑन कर सकती हैं। इससे पेट्रोल और डीजल के रिटेल प्राइस में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस बढ़ोतरी के बोझ को ग्राहकों पर नहीं डालेगी। बता दें कि इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बता दें कि यह फैसला ग्लोबल तेल कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव और ट्रंप के टैरिफ के बीच लिया गया है।वित्त मंत्रालय के रेवेन्यू डिपार्टमेंट की लेटेस्ट नोटिफिकेशन के अनुसार, यह बदलाव 8 अप्रैल, 2025 से लागू होगा।झ हालांकि, आम आदमी पर इसका कोई बोझ नहीं पड़ेगा क्योंकि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को सूचित किया है कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार है-

दिल्ली 94.72 - 87.62

मुंबई 104.21 - 92.15

चेन्नई 100.75 - 92.34

कोलकाता 103.94 -90.76

वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 6.92 प्रतिशत लुढ़ककर 62.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयरों के हाल

बता दें कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में प्रमुख ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज 1170.95 रुपये (2.80त्न की गिरावट), इंडियन ऑयल 128 रुपये (1.65त्न की गिरावट), हिंदुस्तान पेट्रोलियम 348.20 रुपये (2.75त्न की गिरावट) और भारत पेट्रोलियम 275.65 रुपये (1.34त्न की गिरावट) पर बंद हुआ।

एलपीजी गैस सिलेंडर में 50 रुपये की वृद्धि

आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों बढ़ गईं हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है।सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी।

पेट्रोल-डीजल के लेटेस्ट रेट

बता दें कि घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार स्थिर हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। ऑयल मार्केटिंग करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

बीजेपी बोली- कट्टरपंथियों को शह दे रही ममता सरकार

घर छोड़कर भागे 400 से ज्यादा हिंदू

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के धुलियान में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। पश्चिम बंगाल के डीजीपी का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है। वहीं यहां रविवार सुबह भी फायरिंग की खबरें आई थीं। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह बीएसएफ की टीमों को निशाना बनाकर फायरिंग की गई थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का दावा है कि धुलियान में कम से कम 400 हिंदुओं को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करना पड़ गया है।

बता दें कि इस हिंसा में कम से कम तीन लोगों की जान गई है।अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार को जिम्मेदार

ठहराते हुए कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति कि वजह से कट्टरपंथियों को छूट और बढ़ावा दिया जाता है। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 400 से ज्यादा हिंदुओं को धुलियान छोड़ना पड़ गया है। कट्टरपंथियों के डर के मारे उन्हें पार लालपुर हाई स्कूल, देवनाकुप-सोवापुर जीपी, बैसनाबनगर मालदा में शरण लेनी पड़ी है। इसके अलावा अधिकारी ने वीडियो और फोटो भी शेयर किए।बताया गया कि पार लालपुर हाई स्कूल में कम से कम 500 लोग पलायन करके पहुंचे हैं। वहीं मालदा के स्थानीय लोग उनकी मदद कर रहे हैं। बताया गया कि दो दिनों से लोग पलायन कर रहे हैं। वहां के लोगों ने बताया कि वे जान बचाकर भागे हैं। महिलाओं ने कहा कि पानी में भी जहर मिलाने की धमकी दी गई और इसलिए वे जान बचाकर भाग आए। अधिकारी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एक शख्स ने कहा कि उसके घर को जला दिया गया है और पुलिस अधिकारियों ने उसकी मदद के लिए कुछ नहीं किया। उसने कहा कि बीएसएफ, पुलिस और जिला प्रशासन को मिलकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि वे अपने घरों को लौट सकें।अधिकारी ने कहा, हम केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, पुलिस और जिला प्रशासन से निवेदन करते हैं कि वे घर से भागे हिंदुओं को वापस घर पहुंचाने में मदद करे। जिहादी आतंकियों से उनकी रक्षा की जाए। बंगाल जल रहा है। सामाजिक तानाबाना बिगड़ चुका है। अब बहुत हो चुका है। बता दें कि मुर्शिदाबाद की हिंसा में कई वाहनों को भी आग लगा दी गई।

महाराष्ट्र में नागपुर की फैक्ट्री में एक बड़ा विस्फोट

फैक्ट्री में विस्फोट, पांच की मौत

एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित एक एल्युमिनियम फॉयल फैक्ट्री भयावह घटना सामने आई है। शुक्रवार की शाम को उमरेड में स्थिल इस फैक्ट्री मे भयानक विस्फोट हो गया। इसमें पांच लोगों की मौत हे गई। यह घटना फैक्ट्री की पॉलिश ट्यूबिंग यूनिट में हुई, जहां उस समय 87 लोग मौजूद थे। अस्पताल में इलाज के दौरान दो पीड़ितों की मौत हो गई, जबकि तीन लापता व्यक्तियों की बाद में मौत की पुष्टि हुई। एमआईडीसी में स्थित फैक्ट्री में विस्फोट की जांच चल रही है।नागपुर जिले के उमरेड एमआईडीसी में शुक्रवार शाम को एक एल्युमिनियम फॉयल निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, दो पीड़ितों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि तीन अन्य की मौत की पुष्टि शनिवार को हुई, जिनके बारे में शुरू में बताया गया था कि वे लापता हैं। विस्फोट शाम करीब 7 बजे उमरेड एमआईडीसी में एमएमपी एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज में हुआ। सभी मृतक कर्मचारी 20 से 25 वर्ष की आयु के थे और नागपुर जिले के निवासी थे। पांच अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कहां पर हुआ विस्फोट?

एसपी हर्ष पोद्दार ने बताया कि उमरेड़ में एल्युमिनियम फॉयल फैक्ट्री में हुए विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई, दो लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन लापता लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। नागपुर ग्रामीण एसपी हर्ष पोद्दार ने अपने बयान में बताया कि विस्फोट उमरेड़ तालुका में स्थित फैक्ट्री की पॉलिश्ड ट्यूबिंग यूनिट में हुआ। उस समय फैक्ट्री के अंदर 87 लोग मौजूद थे। नागपुर ग्रामीण एसपी हर्ष पोद्दार ने शुक्रवार रात को बताया कि यह फैक्ट्री नागपुर के उमरेड तालुका में स्थित है।

कुर्क संपत्तियों पर कब्जा लेने के लिए नोटिस जारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति पर कब्जे के लिए नोटिस जारी किया है, जिसे उसने कांग्रेस नियंत्रित 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच में कुर्क किया था। संघीय जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित परिसर और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ मार्ग स्थित एजेएल बिल्डिंग पर ये नोटिस चस्पा किए हैं। नोटिस में परिसर खाली करने या मुंबई की संपत्ति के मामले में किराए को ईडी को सौंपने के लिए कहा गया है। धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत यह कार्रवाई की गई है, जो ईडी की ओर से कुर्क की गई और अथॉरिटी से पुष्टि की गई संपत्तियों पर कब्जे की प्रक्रिया का प्रावधान करता है।

बीजापुर मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ शनिवार सुबह शुरू हुई थी। जिले के इंद्रावती क्षेत्र में जंगल में माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने एंटी नक्सल अभियान चलाया था।बीजापुर और दंतेवाड़ा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), और कोबरा बटालियन 210 व 202 की संयुक्त टीमों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने घटनास्थल की तलाशी ली, जिसमें तीन वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई। बरामद हथियारों में बंदूकें, गोला-बारूद और अन्य खतरनाक सामान

शामिल हैं, जो माओवादियों की बड़ी साजिश की ओर इशारा करते हैं। अभी तक मारे गए माओवादियों की पहचान नहीं हो सकी है।सुरक्षा बलों का कहना है कि यह मुठभेड़ इंद्रावती के घने जंगलों में हुई, जहां माओवादी अक्सर छिपकर अपनी गतिविधियां चलाते हैं। इस इलाके में माओवादियों के खिलाफ अभियान को और तेज करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया था।सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ में माओवादी गतिविधियों पर नकेल कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के अभियान से क्षेत्र में शांति बहाली की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि जंगल और ग्रामीण इलाकों में अभी भी माओवादी खतरा बना हुआ है।अधिकारियों ने बताया कि अभियान अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। मुठभेड़ से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभियान के समाप्त होने के बाद अलग से साझा की जाएगी। आम लोगों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा बलों को दें, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

15 अप्रैल से बदल जाएगा तत्काल टिकट बुकिंग का नियम

▸▸ एसी क्लास बुकिंग सुबह 11 बजे से होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे 15 अप्रैल से तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रहा है, जिससे यात्रियों को अंतिम समय की परेशानी से बचाया जा सके।यात्रियों को रेलवे द्वारा जारी किए गए नए नियमों को जरूर समझना चाहिए, जिससे उन्हें यात्रा में किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।रेलवे के अनुसार, एसी क्लास के तत्काल टिकटों की बुकिंग, जो पहले सुबह 10 बजे शुरू होती थी, अब 11 बजे शुरू होगी। इसके अलावा स्लीपर और प्रीमियम तत्काल टिकटों के समय में भी बदलाव किया गया है।यह योजना उन यात्रियों के लिए शुरू की गई थी, जिन्हें कम समय में

यात्रा करने की आवश्यकता होती है। हालांकि, इस प्रणाली में कुछ कमियां भी हैं, जैसे एजेंटों द्वारा दुरुपयोग।

वहीं, तत्काल यात्रा के लिए, फर्स्ट, सेकंड, थर्ड एसी और चेयर कार के लिए बुकिंग यात्रा के एक दिन पहले सुबह 10 बजे शुरू होती थी। अब एसी यात्री सुबह 11 बजे टिकट बुक कर सकेंगे।स्लीपर क्लास में सफर करने वाले यात्री अब एक दिन पहले सुबह 12 बजे अपनी बुकिंग करा पाएंगे, जो पहले 11 बजे होती थी।बता दें कि प्रीमियम तत्काल बुकिंग, जो हवाई जहाज की बुकिंग की तरह है, जिसमें सीटें कम होने पर किराया बढ़ता है, अब सुबह 10÷30 बजे शुरू होगी।

कैलासपटट्नम जिले की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

आठ लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है।राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने अनिता और जिला अधिकारियों को निर्देश

दिया है कि घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। वहीं आंध्र प्रदेश सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों की मदद करे। उन्होंने अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि घायल श्रमिकों में से दो की हालत गंभीर है।

संक्षिप्त खबरें

हनुमान जयंती के अवसर मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने हनुमान जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। सीएम योगी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ट्वीट कर लिखा श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये श्री हनुमान जयंती की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को मंगलमय शुभकामनाएं! प्रभु श्री राम के परम भक्त, संकटमोचन श्री हनुमान जी की कृपा सभी पर बनी रहे। बल, बुद्धि, विद्या के दाता भगवान महाबीर की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता का वास हो, यही प्रार्थना है। आप को बता दें कि पूरे देश में हनुमान जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई जा रही है वही संगम नगरी प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है, लोग यहां आकर अपने और अपने परिवार के सुख शांति की कामना कर रहे हैं। पूरे देश में यही इकलौता मंदिर है जहां पर हनुमान जी लेटी हुई अवस्था में विराजमान है। हनुमान जयंती के दिन संगम के लेटे हनुमान मंदिर को फूलों से सजाया गया है,हनुमान जी की मूर्ति का विधिवत तरीके से श्रृंगार और पूजन किया गया, भक्त यहां आकर हनुमान जी के दर्शन कर रहे हैं हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

बंद मकान से 7 लाख के गहने और 3 लाख नकद ले गए चोर

लखनऊ। लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। मकान से 7 लाख रुपए के गहने और 3 लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। घटना हाइडिल स्थित सरोजनीनगर पोस्ट ऑफिस के पास की है। मकान मालिक विशाल शर्मा कार चालक हैं। अपनी मां रूपा शर्मा के साथ रहते हैं। मकान की दूसरी मंजिल पर एक किराएदार परिवार रहता है। रूपा शर्मा 7 अप्रैल को बहराइच गई थीं। विशाल 9 अप्रैल की रात 8 बजे घर में ताला लगाकर एक परिवार को नोएडा छोड़ने गए थे। लौटने पर उन्हें घर का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा, तो दो अलमारियों के ताले टूटे थे। सारा सामान कमरों में बिखरा था। अलमारियों से सोने-चांदी के गहने और नकदी गायब थी। पुलिस ने रूपा शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

अम्बेडकर जयंती से चलेगा रालोद का सदस्यता अभियान

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी के निर्देशानुसार पार्टी का सदस्यता अभियान 14 अप्रैल भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर जयन्ती से आरम्भ होगा। आज दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी ने बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर के विचारों का स्मरण करते हुये पार्टी द्वारा डॉ अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारम्भ करने की घोषणा की। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी लखनऊ में मुख्यालय से पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे तथा प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय पूर्वांचल के गोरखपुर से सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। सदस्यता अभियान 6 माह तक अनवरत चलता रहेगा।

सांसद खेल महाकुम्भ को लेकर डीएम ने केडी सिंह स्टेडियम का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

लखनऊ। राजधानी मे सांसद खेल महाकुम्भ के जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 19 से 22 अप्रैल तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम हो रहा है। उद्घाटन समारोह के आयोजन की तैयारी के तहत डीएम विशाख जी द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान डीएम द्वारा संपूर्ण स्टेडियम परिसर का भ्रमण करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया आयोजन से पहले जोन स्तर के विजय प्रतिभागियों द्वारा मार्च पास्ट किया जाएगा। मार्च पास्ट के बाद सांसद खेल महाकुम्भ की औपचारिक घोषणा मुख्य अतिथि द्वारा की जाएगी। उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, मलखम की प्रस्तुति, उद्बोधन और ओलंपिक व एशियाड स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित होंगे। जिलाधिकारी कहा 16 अप्रैल और 17 अप्रैल को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मार्च पास्ट का फुलड्रेस रिहर्सल किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टेडियम की हर दीर्घा में पेयजल और ओआर एस की व्यवस्था को करने को कहा है। साथ ही पीडी ग्राम्य विकास को निर्देश दिए आने वाले प्रतिभागियों की सुविधा हेतु पेयजल, शौचालय, पार्किंग और एंट्री एग्जिट से संबंधित साइनेज लगवाना सुनिश्चित किया जाए। स्टेडियम परिसर के भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा अपर नगर आयुक्त को स्टेडियम परिसर, दीर्घा के गेट, डारमेट्री व हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर और शौचालय साफसफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि डारमेट्री व हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर में टेबल लगा कर पेयजल की व्यवस्था को सुनिश्चित हो। निरीक्षण में उपस्थित लोक निर्माण विभाग, अग्निशमन विभाग और विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को स्ट्रक्चरल सेफ्टी, अग्निशमन सुरक्षा और विद्युत सुरक्षा का ऑडिट करके प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा है। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति, उप जिलाधिकारी सरोजनी नगर, जिला विकास अधिकारी, पीडी ग्राम्य विकास, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मिथाइल एल्कोहल भरा टैंकर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ। आबकारी विभाग और एसटीएफ ने शुक्रवार देर रात छापा मारकर एक टैंकर से 40 हजार लीटर मिथाइल एल्कोहलयुक्त केमिकल बरामद किया है। यह टैंकर कर्नाटक के कोलार से लखनऊ लाया जा रहा था। टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर एवं जिला आबकारी अधिकारी के निर्देश पर कानपुर रोड पर छापा मारकर टैंकर पकड़ा। टैंकर से मिथाइल एल्कोहलयुक्त 40 हजार लीटर केमिकल बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि टैंकर कोलार (कर्नाटक) से बिना वैध दस्तावेजों के लाया गया था। इसका इस्तेमाल अवैध व जहरीली शराब बनाने में किए जाने की आशंका है। टीम ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के जुगनाथ निवासी अग्रेज सिंह और राजाजीपुरम सपना कॉलोनी निवासी गौरव गुप्ता को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए वाहन, केमिकल और आरोपियों के खिलाफ सरोजनी नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

प्रमुख सचिव सिंचाई की फर्जी आईडी बना अभियंताओं को भेजे मैसेज

लखनऊ। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग के नाम से फर्जी आईडी बना कर अभियंता और अधिकारियों को मैसेज भेजे गए। नए नम्बर से आईएएस का मैसेज आने पर अधिकारी और इंजीनियर भी सकपका गए। जांच कराने पर पता चला कि आईएएस के नाम का दुरुपयोग हो रहा है। इस आधार पर विशेष सचिव ने हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। विशेष सचिव भाष्कर पाण्डेय के मुताबिक प्रमुख सचिव अनिल गर्ग का नाम इस्तेमाल करते हुए एक आईडी बनाई गई। मोबाइल नम्बर के जरिए बनाई गई आईडी से धोखाधड़ी का प्रयास किया गया। फर्जी आईडी से मुख्य अभियंता अवधेश कुमार, रिटायर मुख्य अभियंता राकेश कुमार, रिटायर प्रमुख अभियंता संजय खंडूजा, रिटायर मुख्य अभियंता केबी लाल और यूपीपीसीएल के रिटायर प्रबंध निदेशक नवीन कपूर को मैसेज भेजे गए। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि विशेष सचिव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

डीफार्मा छात्र समेत दो ने लगाई फांसी

लखनऊ। फैजुल्लागंज में शुक्रवार रात डीफार्मा छात्र सुशील मौर्य (19) ने फांसी लगा ली। शव फंदे से लटका देख परिवार वालों के होश उड़ गए। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, पारा के अशोक विहार में मुस्कान शर्मा (19) ने फांसी लगा ली। फैजुल्लागंज निवासी फैब्रिक्रेटर संजय कुमार परिवार के साथ रहते हैं। संजय कुमार के मुताबिक बेटा सुशील मौर्य (19) महर्षि विश्वविद्यालय से डीफार्मा की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद सुशील अपने कमरे में सोन चला गया। परिवार वाले सुबह उठे तो वह अपने कमरे में नहीं था। परिवार वाले बेटे को खोजते हुए दूसरे मंजिल पर गए तो वह किचन में पंखे के लिए लगे कुंडे से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका हुआ था। आनन-फानन में उसे फंदे से उतारकर ट्रामा सेंटर ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार में मां व बड़ा भाई सुधीर है। पारा के अशोक विहार कॉलोनी में मुस्कान शर्मा (19) ने फांसी लगा ली। इस समय वह 12वीं की परीक्षा पास कर घर पर रही थी।

भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को लेकर बवाल

करण वाणी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के महिंगवा के खंतारी गांव में शनिवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सरकारी जमीन पर रखने को लेकर विवाद हो गया। इसे हटाने के विरोध में लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष एकत्र होकर नारेबाजी करने लगीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया। इसमें चार पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। इसके बाद बीकेटी, इटौंजा, महिंगवा, मड़ियांव थाने के साथ पीएसी और महिला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के पथराव के बाद पुलिस लाठीचार्ज व आसूं गैस के गोले दागे हैं। हालात को काबू में करने के लिए अन्य जोन पुलिस बल मौके पर पहुंचा है।

यह पुलिसकर्मी हुए घायल: महिंगवा थाने के दारोगा रामेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल जय प्रकाश, लाल मोहम्मद, बीकेटी थाने के दारोगा शेष मणि मिश्रा घायल हुए हैं। जबकि पथराव करने वालों में शामिल सावित्री, पूजा, कोमल, रूबी, मुन्नी होलिका भी चोटिल हुई हैं। उपजिलाधिकारी बख्शी का तालाब सतीश चंद्र त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचे हैं।

बिना प्रशासनिक अनुमति के ग्राम समाज की जमीन पर लगाई गई मूर्ति को हटाने पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को ग्रामीणों के भारी विरोध और हिंसा का सामना करना पड़ा। मामला उस समय बिगड़ गया जब प्रशासन की टीम मूर्ति हटाने पहुंची और ग्रामीणों ने विरोध करते हुए पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हालात काबू से बाहर होते देख, पुलिस की तरफ से हवाई फायरिंग की भी सूचना मिली है।

प्रशासन का कहना है, बिना अनुमति के मूर्ति स्थापित करना कानून का उल्लंघन है, इसे नहीं रहने दिया जा सकता। भीड़ ने कानून अपने हाथ में लिया है।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है, मूर्ति हमारी आस्था से जुड़ी है, इसे हटाना स्वीकार नहीं। पुलिसबल दिखाकर हमारी भावनाओं को कुचला जा रहा है।÷ सैकड़ों ग्रामीण पहाड़पुर चौराहे पर धरने पर बैठ गए थे, बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग भी प्रदर्शन में शामिल थी तीन दिन पहले ग्राम प्रधान के प्रस्ताव पर यह मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने प्रधान प्रतिनिधि को हिरासत में ले लिया। लेकिन ग्रामीणों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा था और एक का एक ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव के बाद स्थिति तनाव पूर्ण हो गई बड़ी संख्या में पुलिस बल को बुलाया गया लेकिन पथराव में कई पुलिस कर्मी भी घायल हो गए जिनको इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया और प्रशासन हालात पर काबू पाने की कोशिशों में जुटा है।

सोशल वर्कर का ऐलान

हमारे जीते जी प्रतिमा नहीं हटेगी देवराज कुमार ने प्रशासन से सवाल किया कि जब सभी को सूचित करके ग्राम सभा की सहमति से प्रतिमा स्थापित की गई थी, तो अब इसे हटाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? उन्होंने दो टूक कहा कि हमारे जीते जी ये प्रतिमा नहीं हटेगी, चाहे जो भी हो जाए। वहीं, प्रशासन और पुलिस का कहना है कि यह प्रतिमा ग्राम समाज की भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के लगाई गई है। नियमों का उल्लंघन होने के कारण प्रतिमा को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारी मानते हैं कि कुछ स्थानीय कार्यकर्ता और ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई है।

दो बिल्डरों ने पास करा लिया 80 करोड़ की सरकारी जमीन पर नक्शा

रेरा की जांच में हुआ खुलासा, एलडीए से मांगी रिपोर्ट

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ के दो बिल्डरों ने ग्राम समाज और ऊसर भूमि अपनी दिखाकर उसपर नक्शा पास करा लिया। करीब 80 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन पर नक्शा पास कराने की बात सामने आयी है। मामला हसनपुर खेवली व अहमामऊ गांव में सरकारी जमीन पर नक्शा पास कराने का है। बिल्डरों ने जिस जमीन पर नक्शा पास कराया है वह भूमि सरकारी है। यूपी रेरा यानि उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी की बिल्डर्स के प्रोजेक्ट की जांच में सरकारी जमीन पर नक्शा पास कराने की जानकारी हुई। तहसील से दस्तावेज मंगाया तो पता चला कि अहमामऊ गांव की जिस तीन खसरे की भूमि को बिल्डर ने नक्शा पास कराया है उसमें से एक नंबर ऊसर दर्ज है। जिसपर किसी प्रकार का निजी निर्माण अवैध है। यूपी रेरा के सचिव प्रमोद कुमार उपाध्याय ने सात अप्रैल को एलडीए उपाध्यक्ष को भी पत्र लिखा है,जिसमें उन्होंने नक्शा पास करने के बाद रिपोर्ट मांगी है। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव कहते हैं कि सर्वे में नगर निगम की जमीन मिली है। जरूरी कार्रवाई नगर निगम के स्तर से होगी।लखनऊ के मोहनलालगंज में प्लाट बेचने के आठ साल बाद भी कब्जा न देने पर एचके इन्फ्रा विजन के मालिक के खिलाफ मोहनलालगंज कोतवाली में प्लाट खरीदने वाले ने मुकदमा दर्ज कराया है। निलमथा के देव बिहार कालोनी में रहने वाले चन्द्रसेन चौबे ने एचके इन्फ्रा विजन प्रालि.के मालिक विनोद कुमार उपाध्याय से प्लाट मऊ कस्बे में खरीदा था। बैनामें के आठ साल बीत जाने के बावजूद उन्हें कब्जा नही मिला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।लखनऊ के हसनपुर खेवली गांव में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। यहां एक अन्य बिल्डर ने प्रोजेक्ट के लिए सरकारी जमीन को निजी दिखाकर नक्शा पास कराया। प्रशासनिक दस्तावेजों की जांच में यह जमीन भी सरकारी निकली, लेकिन तब तक नक्शा पास हो चुका था। अब इस मामले में भी यूपी रेरा ने एलडीए से उन दस्तावेजों को मांगा है जिसके आधार पर बिल्डर ने नक्शा पास कराया है।

पानी समझकर मरीज पी गया सेनेटाइजर

बीपी व घबराहट की शिकायत पर पहुंचा था बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी में शनिवार दोपहर इलाज के लिए पहुंचा मरीज पानी समझकर सेनेटाइजर गटक गया। इंटर्न डॉक्टर की नजर बोतल पर पड़ी तो वह खाली दिखी। इंटर्न डॉक्टरों ने बोतल खाली होने की बात वहां खड़े मरीजों से पूछी। इसी बीच स्टूल पर बैठे मरीज ने सेनेटाइजर पीने की बात कही। इससे वहां पर हड़कंप मच गया। डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया है।

मड़ियांव के रहने वाले छोटे लाल 55 शनिवार दोपहर इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ओपीडी गए थे। ओपीडी हॉफ डे होने की वजह से साढ़े बारह बजे बंद हो गई। इसके बाद वह इलाज के लिए इमरजेंसी ओपीडी में गए। तीखी धूप व प्यास से बिलबिलाएं मरीज इंटर्न डॉक्टरों की टेबल सामने लगे स्टूल पर बैठ गया। इमरजेंसी ओपीडी में काफी भीड़ उमड़ आई। इस दौरान पानी की बोतल में भरा रखा सेनेटाइजर पानी समझकर पी गए। कुछ देर में इंटर्न की नजर बोतल पर पड़ी तो वह खाली थी। इंटर्न ने वहां खड़े मरीजों से पूछा तब छोटे लाल ने सेनेटाइजर पीने की बात कबूली। आनन फानन में मरीज को उल्टी कराया गया। इसके बाद उसे भर्ती करके इलाज मुहैया कराया गया।

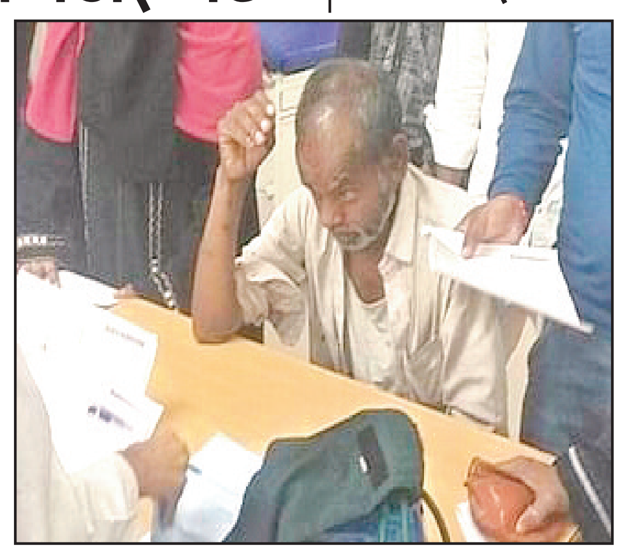

राधा स्वामी सत्संग ब्यास में 10 राज्यों से लोग आए

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राधा स्वामी सत्संग ब्यास में शनिवार सुबह बाबा गुरविंदर सिंह ने प्रवचन किया। इस दौरान उन्होंने अनुयायियों के सवालों के जवाब दिए। सवालों में जीवन, मृत्यु, आत्मा, सेवा और समर्पण जैसे विषयों पर बात की। इस दौरान एक महिला अनुयायी भावुक होकर बोली अब मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं आपके साथ शरीर छोड़ना चाहती हूं।

इस पर बाबा गुरविंदर मुस्कराते हुए बोले शरीर छोड़कर मेरे साथ क्यों जाना चाहती हैं। महिला ने जवाब दिया क्योंकि आप हर जगह हैं। आपके साथ जाऊंगी तो दर्शन होते रहेंगे। बाबा ने इस पर कहा कि आत्मा की शुद्धता और जीवन की सामाजिक जिम्मेदारियां भी अहम हैं। लखनऊ में बाबा गुरविंदर सिंह रविवार को भी मोहनलालगंज स्थित राधा स्वामी सत्संग ब्यास में प्रवचन करेंगे। पहले दिन समागम में जैसे ही बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों पंडाल पहुंचे, हजारों अनुयायी उनके दर्शन के लिए खड़े हो गए। कई अनुयायी तो जमीन पर लेटकर दंडवत प्रणाम करते नजर आए। इस दौरान बाबा ने उनसे हालचाल पूछे और मुस्कराकर आशीर्वाद दिए। शनिवार सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ प्रवचन 10.30 बजे समाप्त हो गया। इसके बाद लंगर शुरू हो गया। इससे पहले रास्ते में बाबा ने गाड़ी का शीशा खोलकर अनुयायियों को दर्शन दिए। बाबा के सेवादारों ने ट्रैफिक व्यवस्था को संभाला। कुछ अनुयायी प्रसाद ग्रहण करने के बाद घर वापस जा रहे हैं। हालांकि दूरदराज से आने वाले अनुयायियों के लिए रुकने की भी व्यवस्था की गई है। वहीं, बाबा गुरविंदर सिंह आज सीएम योगी से भी मिल सकते हैं।

बिजली उपभोग से पहले बिल जमा कर रहे 32 हजार उपभोक्ता

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 32 हजार से ज्यादा उपभोक्ता बिजली उपभोग से पहले बिल जमा कर रहे हैं। इनमें करीब 11 हजार तो सिर्फ वृंदावन खंड के उपभोक्ता हैं। फिर भी ऐसे उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर रिचार्ज कराने के लिए कई कार्यालय के चक्कर काटने पड़ते हैं। इसकी वजह उपभोक्ताओं के मुकाबले मीटर रिचार्ज करने वाले काउंटर कम हैं।

उपभोक्ताओं की इस समस्या का निराकरण एवं सुविधा के लिए और रिचार्ज काउंटर खुलने जा रहे हैं। हालांकि, प्रत्येक खंड में एक विभागीय कर्मचारी को प्रीपेड मीटरों को रिचार्ज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। मगर, ये समय से उपस्थित नहीं रहते हैं। ऐसे में जब कर्मचारी समय से काउंटर पर उपस्थित नहीं रहते तो उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा हो जाता है। बिलिंग केंद्रों पर प्रीपेड मीटर को रिचार्ज करने का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक ही है। जिस उपभोक्ता का शाम 6 बजे रिचार्ज का समय खत्म हो जाता तो उसको उपकेंद्रों को खोजना पड़ता, जहां पर रात 8ः00 बजे तक मीटर रिचार्ज किए जाते हैं। या फिर एप और ऑनलाइन के जरिए मीटर को रिचार्ज कराया जा सकता है। गोमतीनगर के एक्सईएन धीरज यादव ने बताया कि विभूतिखंड बिलिंग केंद्र पर एक काउंटर सुबह 8 से रात 8 बजे तक 12 घंटे तक प्रीपेड मीटरों को रिचार्ज करता है। ऐशबाग के एक्सईएन एसके साहू ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के घरों एवं दुकान में सिक्योर कंपनी का मीटर लगा है, उसको सहज लिबर्टी एप से सहारे आसानी से रिचार्ज किया जा सकता है। उपभोक्ता इस एप को गूगल के प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। राजाजीपुरम के एक्सईएन अभिषेक कुमान के मुताबिक जो उपभोक्ता जीनस कंपनी के मीटर के जरिए बिजली का उपभोग कर रहे हैं, वह पोर्टल ह्वश्चश्चष्य.श्नह्द के जरिए ऑनलाइन रिचार्ज कर सकते हैं। इस पोर्टल पर जीनस के मीटर को रिचार्ज करने का लिंक उपलब्ध है।

आईटी मध्यांचल निगम के अधिशासी अभियंता नितेश मिश्र ने बताया कि प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं को रिचार्ज करने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। उपभोक्ता बिलिंग काउंटर, सहज लिबर्टी एप एवं पॉवर कॉरपोरेशन पोर्टल के जरिए ऑनलाइन मीटर को रिचार्ज कर सकते हैं।

विद्युत कर्मचारियों ने बैठक की, निजीकरण का विरोध किया

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने आज राजधानी के एक होटल में हुई मीटिंग के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और ऊर्जा विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए बयान पर तीखी प्रक्रिया व्यक्त की है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण की प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने कहा की मुख्य सचिव का यह बयान उचित नहीं है कि बिना डरे बिना रुके निजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है और किसी के दबाव के आगे नहीं झुकना है। निजीकरण की प्रक्रिया में अब तक एक बार भी विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति,उत्तर प्रदेश या किसी भी संगठन के साथ कोई वार्ता नहीं की गई है। उल्टे विद्युत कर्मचारियों को डराने की बात हो रही है। आज की मीटिंग में उड़ीसा के निजीकरण की सफलता की कहानी सुनाई जा रही है इससे ज्यादा बड़ा मजाक और कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि निजीकरण किसी भी प्रकार कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के हित में नहीं है।

सीवर सफाई को मिली नई तकनीकी ताकत

महापौर ने किया सुपर शकर मशीन का शुभारंभ

करण वाणी

लखनऊ।शनिवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने कठौता स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कठौता एवं भरवारा झीलों की सिल्ट सफाई कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इसी अवसर पर लखनऊ शहर की सीवर सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के उद्देश्य से सुएज इंडिया द्वारा लाई गई अत्याधुनिक 'सुपर शकर मशीन' का भी शुभारंभ किया गया। इस मशीन में उच्च तकनीक का समावेश है, जो सीवर लाइनों की गहराई में जाकर जमी हुई गंदगी एवं रुकावटों को तीव्र गति से साफ करने में सक्षम है। इससे सफाईकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और मानसून के समय जलभराव जैसी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहारूष्नगर निगम का निरंतर प्रयास है कि लखनऊवासियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए। सुपर शकर मशीन के माध्यम से हम सीवर सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावशाली और सुरक्षित बना पाएंगे। भविष्य में भी अत्याधुनिक तकनीक के उपकरण शामिल किए जाएंगे, जिससे नगर की सफाई व्यवस्था और अधिक सशक्त हो सके। सुएज इंडिया के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया कि यह पहल 'स्वच्छ लखनऊ, सुंदर लखनऊ' अभियान के अंतर्गत की गई है। उन्होंने कहा कि सुएज इंडिया लखनऊ में सीवर सफाई को लेकर प्रतिबद्ध है और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से इस व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह, अपर नगर आयुक्त श्री ललित कुमार, तथा सुएज इंडिया से धर्मेंद्र भारती, मयंक कुमार, संजय सिंह, सुमित सिंह, पंकज सिंह, उत्कर्ष सक्सेना, एवं अक्षत सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रेप के बाद हत्या की सूचना से मचा हड़कंप

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थानाक्षेत्र में एक महिला ने शुक्रवार देर रात करीब 12.30 बजे डॉयल-112 पर रेप के हत्या की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी तत्काल बताए गए घटना स्थल पर पहुंचे। जहां कुछ भी ऐसे नहीं मिला। मोबाइल नंबर की मदद से सूचनाकर्ती के पास पहुंचे। तब महिला के मानसिक रोगी होने की पता चला। पुलिस ने बताया कि डी-ब्लॉक इंदिरा नगर की रहने वाली आकांक्षा द्विवेदी ने शुक्रवार देर रात करीब 12.30 बजे पुलिस को कॉल की। कॉल पर इलाके के एक अन्य मकान का नंबर बताकर बोला कि नौकरानी की रेप के बाद हत्या हो गई। सूचना पर पुलिस टीम बताए गए पते पर पहुंची। जहां पूछताछ की तो घटना की कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद सूचनाकर्ता ने फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इलाके में करीब एक घंटे तक घूमकर घटना की जानकारी करते रहे। लेकिन कुछ पता नहीं चला। काफी परेशाने होने के बाद पुलिस टीम मोबाइल लोकेशन की मदद से सूचना देने वाली महिला के पास पहुंची। जहां उसके मानसिक रोगी होने की जानकारी मिली। जांच के दौरान पता चला कि रोजाना पुलिस को 8-10 कॉल करके परेशान करती है। डॉयर 112 पर अलग-अलग शिकायत करके महीने भर में करीब 150 से ज्यादा कॉल कर चुकी है। महिला मकान की दूसरी मंजिल पर मौजद थी। वहीं खड़े होकर पुलिस को उल्टा सीधा बोलने लगी। इस पर पुलिस ने बातचीत के लिए नीचे आने के लिए कहा तो कहने लगी अब सीएम या पीएम ही आएंगी महिला की मदद करने। तुम लोगों से कुछ नहीं होगा। मामले में एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि महिला मानसिक रुप से कमजोर है। घर में परिवार के अन्य लोग भी हैं, लेकिन सब लगभग उसी स्थिति में हैं। ऐसे में कार्रवाई करना उचित नहीं है। हालांकि महिला की कॉल से होने वाली समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा। गलत सूचना से पुलिस का समय भी खराब होता है।

संक्षिप्त खबरें

एसी के शॉर्ट सर्किट से लगी आग

लखनऊ। इंदिरानगर के ए-ब्लाक स्थित लाइब्रेरी में आग लग गई। एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। कोई जनहानि नहीं हुई। इंदिरानगर के ए-ब्लॉक में ए-264 में स्प्रेडिंग स्माइल डेंटल क्लिनिक के ऊपर लाइब्रेरी है। रविवार सुबह करीब 9 बजे लाइब्रेरी में आग लग गई। धुआं निकलता देखकर आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दो गाड़ियों ने हौज पाइप से आग पर काबू पाना शुरू किया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग की वजह एसी में शॉर्ट सर्किट सामने आ रही है।

इको गार्डन में बनेगा एडवेंचर पार्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में नया एडवेंचर डेस्टिनेशन बनेगा। इसे एलडीए द्वारा डवलप किया जाएगा। पार्क में बच्चों के लिए खास थीम रहेगी। इसका प्रस्ताव अप्रैल के लास्ट हफ्ते तक होने वाली स्मारक समिति बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। प्रस्ताव पास होने के बाद काम शुरू होगा। लखनऊ के लोगों को एडवेंचर पार्क घूमने के लिए अभी जनेश्वर मिश्र पार्क जाना पड़ता है। लेकिन इस पार्क के बनने से आलमबाग, कृष्णा नगर, आशियाना, तेलीबाग, कानपुर रोड, रायबरेली रोड के लोगों को सुविधाएं हो जाएगी। एलडीए द्वारा बच्चों के लिए बनाया जाने वाला यह पहला पार्क होगा। इसमें जुरासिक पार्क की तर्ज पर गेम की भी व्यवस्था होगी। इको गार्डन 112 एकड़ का है। मौजूदा समय में धरनास्थल भी इसी जगह को बनाया गया है। इलाके के लोगों को घूमने के लिए कोई खास जगह नहीं है। इसे देखते हुए पार्क में एडवेंचर और एक्टिविटी का इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का निर्णय लिया है।

पेड़ से बांधकर युवक को मार डाला

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक युवक को पेड़ से बांधकर मार डाला गया। उसका गला पेड़ के तने से गमछे के सहारे कस दिया गया। शरीर पर चोट के निशान हैं। घटना बंथरा इलाके के भदोही गांव की है। शरीर पर चोट के अलावा खूब धूल भी लगी थी। लोगों ने आशंका जाहिर की है कि उसके साथ मारपीट के बाद गला कसा गया। मृतक की पहचान भदोही गांव निवासी सुरेंद्र (35) के रूप में हुई है। पिता राधेश्याम की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। उसकी मां भी नहीं हैं। शादी न होने के चलते वह अपनी भाई-भतीजों के साथ ही रहता था। वह शनिवार की रात खाना खाने के बाद घर से निकला। रातभर घर नहीं पहुंचा। भतीजों ने काफी ढूंढा लेकिन वह नहीं मिला। सुबह घर से करीब 1 किलोमीटर दूर बरकता बाग जहांगीराबाद काकोरी में लोगों ने उसे पेड़ से बंधा देखा। स्थानीय लोगों ने उसके भतीजों को बताने के साथ इसकी सूचना पुलिस को भी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है, यह पीएम रिपोर्ट के बाद पता चल सकेगा। मृतक के भतीजे कमलेश ने कहा- हमारी किसी से लड़ाई नहीं थी। चाचा एक व्यक्ति के यहां कई महीने से काम करते थे। हो सकता है कि उसी से उनकी कुछ कहा-सुनी हुई हो। जमीन विवाद के सवाल पर कहा हमारे पास जमीन ही नहीं है तो उसके लिए लड़ाई कैसे होगी।

दो दिवसीय योग शिविर आयोजित

लखनऊ। लखनऊ के विकास नगर सेक्टर-1 में दो दिवसीय विशेष प्रांतीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इसका आयोजन भारतीय योग संस्थान द्वारा करवाया गया। योग शिविर में प्रदेश के कई जिलों से करीब 800 लोग शामिल हुए। शिविर में अखिल भारतीय प्रधान देशराज ने बताया कि भारतीय योग संस्थान निःशुल्क संचालित होता है, इसमें किसी भी प्रकार का दान या अनुदान नहीं लिया जाता है। संस्थान के देशभर के 23 प्रान्तों में 4500 से ज्यादा केंद्रों के साथ-साथ 10 से अधिक विदेशी देशों में भी योग केंद्र सक्रिय हैं, जहां हर दिन लाखों साधक योग साधना कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में योग की बारीकियों को विस्तार से सिखाया गया, ताकि योग को समाज में एक सकारात्मक, गुणात्मक और प्रेरणादायक रूप में प्रचारित किया जा सके। लखनऊ में 75 से ज्यादा केंद्रों पर निरूशुल्क योग अभ्यास कराया जाता है, जिससे सैकड़ों लोग शारीरिक व मानसिक रोगों से निजात पा चुके हैं।

जयपुर सड़क हादसे में लखनऊ के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहा था लखनऊ का परिवार मरने वालों में दंपति, उनका बेटा-बहू और पोती शामिल

करण वाणी

लखनऊ। राजस्थान के सीकर जिले के खाटू गांव में स्थित प्रतिष्ठित मंदिरमें खाटू श्याम के दर्शन को जा रहे लखनऊ के एक परिवार का वाहन जयपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में दंपति, उनका बेट-बहू और पोती हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार को दर्शन के लिए खाटू श्याम जा रहे इस परिवार की कार सुबह आठ बजे जयपुर के जमवारामगढ़ में मनोहरपुर–दौसा राजमार्ग पर नेकावाला टोल के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टक्कर के बाद ट्रेलर पलटकर 20 फीट गहरी खाई में जा गिरा और कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार सभी लोग उसमें फंस गए और उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकाला और इनकी पहचान के बाद घटना की जानकारी परिवार को दी।

रायसर थाना के प्रभारी निरीक्षक रघुवीर सिंह ने बताया कि शवों की शिनाख्त लखनऊ में थाना ठाकुरगंज क्षेत्र गऊघाट चौकी के रहने वाले सत्य प्रकाश (60), उनकी पत्नी रामा देवी (55), बेटा अभिषेक (35), बहू प्रियांशी (30) और छह माह की पोती के रूप में हुई।

यह परिवार राजस्थान घूमने के लिए आया हुआ था। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि स्थानीय लोगों ने घटना के बारे बताया कि ओवरटेक के दौरान कार ट्रेलर से टकरा गई है। पुलिस ने सभी शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पिता द्वारा बेची गई जमीन पर बेटे की नीयत डोली

करण वाणी

लखनऊ। आज के दौर में जहां एक ओर जमीन खरीदना मुश्किल है वही दूसरी ओर जमीन की रक्षा करना भी एक बड़ा चौलेंज बनता जा रहा है। नीयत में खोट आने का ताजा मामला बदायूं से सामने आया है जहां पिता द्वारा बेचे गए भूखण्ड़ों पर बेटे की नीयत 35 सालों बाद खराब हो गई है। कासगंज गांव कुंवरपुर थाना सहावर निवासी अनूप कुमार ने राजधानी में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि उनके पिता सत्यपाल सिंह ने 1995 में ग्राम कछला पुख्ता कोतवाली उझानी, बदायूं निवासी भरत सिंह से आवासीय भूखण्ड खरीदा था जिसकी रजिस्ट्री होने के बाद बाउंड्री वॉल करवा दी गई थी। इसके बाद अचानक भरत सिंह के पुत्र मनोज कुमार की निगाहें हमारी जमीन पर लग गई। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 में जब मैं अपनी भूमि पर काम करवा रहा था तभी मनोज कुमार पुलिस लेकर आया और काम बंद करवा दिया। फिर थाने में पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें थानेदार ने मेरे पेपर्स को सही बताते हुए काम जारी रखने की बात कही। इसके बाद जब मैंने पुनः काम शुरू करवा तब मनोज कुमार एसडीएम के पास पहुंचा और वहां भी उसको मुंह की खानी पड़ी और एसडीएम ने हमारी जमीन को बेदाग बताते हुए कहा जारी रखने की बात कही। लेकिन यह मामला यही समाप्त नहीं हुआ और जब मैंने तीसरी बार भूमि पर निर्माण शुरू करवाया तब फिर कोतवाली उझानी से पुलिस आई और काम रुकवा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए अनूप कुमार ने कहा कि जब एक बार स्थानीय पुलिस और तहसीलदार मेरी भूमि का निरीक्षण कर कागजात सही पा चुके हैं और भरी पंचायत में भी इसका निर्णय हो चुका है तब किसके आदेश से मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है।

जमीन खरीदने के 35 साल बाद मुझे अपनी ही जमीन से खदेड़ने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी बदायूं, मुख्यमंत्री पोर्टल, चकबंदी विभाग, राजस्व विभाग, एंटी भूमाफिया सहित सभी विभागों से अनुरोध करता हूं कि मुझे मेरी जमीन वापस दिलवाई जाए।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ने किया सुसाइड,पाइजन खाकर की आत्महत्या

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस को मौके पर सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें लिखा है कि शव घर वालों को न दिया जाए। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही ही। मूल रूप से कालीपुर सीतामढ़ी बिहार का रहने वाला सच्चिदानंद राय (28) पुत्र मनोहर कुमार राय लखनऊ में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। विश्वास खंड गोमतीनगर निवासी नरेंद्र प्रताप श्रीवास्तव के मकान में किराए पर रहता था। सच्चिदानंद दो दिन से कमरे से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक ने दरवाजा खटखटाया अंदर से कोई जवाब नहीं मिला है। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर बेसुध हालात में पड़ा मिला। पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे से सिर्फ 40 मिनट में तय होगा सफर

करण वाणी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रफ्तार की नई रेखा खिंचने जा रही है, लेकिन इस तेज सफर की कीमत भी तय हो चुकी है। लखनऊ और कानपुर को जोड़ने वाले 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली की तैयारी हो चुकी हैं।एनएचएआई ने जानकारी दी है कि इस एक्सप्रेसवे पर पांच टोल प्लाजा बनाए जाएंगे और उद्घाटन के अगले ही दिन से टोल देना शुरू करना होगा।एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार मई में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लिए टोल प्लाजा निर्माण की निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मतलब है कि प्रशासन ने एक्सप्रेसवे के साथ टोल वसूली को भी प्राथमिकता दे दी है। एक्सप्रेसवे पर पांच टोल प्लाजा बनाने की योजना है। इन टोल प्लाजा को एक्सप्रेसवे पर चढ़ने और उतरने वाले रैंप के पास स्थापित किया जाएगा। इससे सफर के दौरान वाहनों की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि मुख्य मार्ग के बीच में कोई टोल नहीं होगा।माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त में इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर सकते हैं। निर्माण कार्य 31 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा और इसके ठीक एक दिन बाद यानि 1 अगस्त को आम जनता के लिए इसे खोल दिया जाएगा।एनएचएआई के अनुसार अब तक करीब 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा है। जून तक सिविल कार्य और जुलाई में फिनिशिंग टच का लक्ष्य है, जिससे समय पर उद्घाटन संभव हो सके। लखनऊ से बनी तक 18 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जा रहा है। परियोजना के तहत 43 गांवों की जमीन का अधिग्रहण भी किया गया है। इससे आवागमन सुगम और तेज होगा।एनएचएआई की योजना के मुताबिक पांच टोल प्लाजा बनाए जाएंगे जो क्रमशरू मीरनपुर पिनवट लखनऊ से प्रवेश पर, खंडेदेव, बनी के पास, अमरसास गांव उन्नाव-लालगंज के पास, आजाद नगर कानपुर के नजदीक होगा।इस एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा मुख्य मार्ग के बीच में नहीं होंगे। अधिकतर एक्सप्रेसवे में टोल बीच में बनाए जाते हैं।

मंगेतर के सामने दबंगों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

▸▸ अश्लील वीडियो भी बनाया, आठ खिलाफ दर्ज मामला, पांच गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल में निकले अश्लील वीडियो

करण वाणी

लखनऊ। मंगेतर के साथ झाल के पुल पर घूमने आई युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया। उसके मंगेतर को बंधक बनाकर मारपीट की रूपये लूटे लिए। दो दिन पर डरी सहमी युवती ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार युवक के मोबाइल से मंगेतर के सामने युवती के कपड़े उतरवाते अश्लीलता के वीडियो भी मिले हैं।

पुलिस ने युवती का चिकित्सीय परीक्षण कराकर कार्रवाई में जुटी हुई है।शुक्रवार की चार बजे के लगभग एक युवती मंगेतर के साथ पिकनिक प्वाइंट झाल के पुल पर घूमने आई थी। घूमने के बाद दोनों एकांत में बैठे हुए थे। तभी आठ लोग आए और उन्होंने दोनों पर फब्तियां और अश्लील कमेंट करना शुरू कर दिए। बाद में उसके मंगेतर को पकड़ कर मारपीट करने लगे। कुछ लोग युवती को पकड़ कर सुनसान जगह पर ले गए। जहां युवती के साथ आठों ने बारी बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया।

दो घंटे बाद छूटी युवती और युवक दोनों घर चले गए। डर के खौफ से दोनों भयभीत हो गए। घटना की जानकारी छिपाने लगे। युवती की तबियत खराब हो गई। डरी सहमी युवती ने खुद पर बीती घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन युवती को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे। जहां 112 पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी।मामला गैंगरेप का होने के चलते कोतवाल लोकेश भाटी, सीओ आंचल चौहान भी पहुंची। युवती और उसके मंगेतर से जानकारी की। हरकत में आई पुलिस ने आठ युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पांच लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने युवती का चिकित्सीय परीक्षण कराया है।आरोपियों ने मंगेतर को बंधक ही नहीं बनाया था बल्कि उसके साथ मारपीट और नकदी भी लूट ली। वहीं युवकों ने मंगेतर के सामने भी युवती के कपड़े उतारे और अश्लील वीडियो भी बनाई , जो कि आरोपियो के मोबाइल से पुलिस को मिली है।इस दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आठ युवकों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। जिसमें पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें एक युवक भाजपा नेता का करीबी बताया गया है। उसका नाम अखिलेश उर्फ एपीएस बताया जा रहा है।जिसके खिलाफ सदर कोतवाली में विभिन्न मामले दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के मुताबिक थाना कोतवाली कासगंज की एक घटना सामने आई है। मंगेतर के साथ युवती झाल के पुल पर घूमने आई थी। वह अपने मंगेतर के साथ खेत में बैठी थी। उसके साथ बालात्कार किया है। इस मामले में त्वरित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। कठोर कार्रवाई की जा रही है।

पिपरसण्ड का नक्शा गायब होने से बढ़े भूमाफिया के हौंसले

करण वाणी

लखनऊ। कानपुर रोड थाना सरोजनी नगर स्थित पिपरसण्ड गांव में मूल नक्शा गायब होने से भूमाफिया के हौंसले बुलंद हो चुके हैं। गांव निवासी यशपाल ने बताया कि सन् 1990 में उन्होंने बड़े भाई के साथ मिलकर लगभग 32 बीघा जमीन खसरा नंबर 878 की रजिस्ट्री तथा दाखिल खारिज करवाई थी। सन् 2002 में इस भूमि के सामने जवाहर नवोदय विद्यालय आने के बाद पूरे परिवार के लिए मुसीबतें आने शुरू हो गई। सरोजनी नगर तहसील से लेखपाल और कानूनगो अचानक पिपरसण्ड गांव का दूसरा नक्शा लेकर आ गए और कहने लगे यह भूमि आपकी नहीं है। उन्होंने बताया कि इसके बाद सरोजनी नगर थाना, एसडीएम सरोजनी नगर, लखनऊ जिलाधिकारी, मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को प्रार्थनापत्र दे चुके हैं लेकिन ना तो पुराना और सही नक्शा सामने आया और ना ही कोई भी उचित कार्यवाही की गई। यशपाल की बड़ी भाभी मनजीत ने सीएम योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए कहा कि सन 2012 में राजस्व परिषद ने चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी को पिपरसण्ड गांव के अधूरे नक्शे को पूरा करने का आदेश दिया था और लगभग दो महीने पहले लखनऊ डीएम ने एसडीएम सरोजनी नगर को जांच करने का आदेश दिया था, इन दोनों आदेशों की आज तक पूर्ति नहीं हो सकी है।

उन्होंने प्रसाद मेडिकल संस्थान पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि तहसीलदार सरोजनी नगर मिलि भगत करके उनकी जमीन भूमाफिया को दिलवाने का षड्यंत्र रच रहे हैं और मुझ अपाहिज को अपने कार्यालय बुला कर अपमानित कर रहे हैं।

रेलवे से स्लीपर चोरी करके कानपुर एफसीआई का नया ट्रैक बिछाया जा रहा था, चार आरोपी गिरफ्तार

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ रेलवे से स्लीपर चोरी करके कानपुर में फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) का नया ट्रैक बिछाया जा रहा था। लखनऊ के आरपीएफ क्राइम ब्रांच ने इसका खुलासा किया है। चार आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। दो ट्रक में 8 लाख 16 हजार के 255 स्लीपर बरामद हुए हैं।

आरपीएफ लखनऊ जंक्शन की टीम ने आरपीएफडिपो चंदारी कानपुर में छापेमारी की। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है। दरअसल,चंदारी रेलवे स्टेशन से आरपीएफके गोदाम तक रेलवे लाइन बिछाने का काम आरपीएफने देवी मां शक्ति कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को दिया है। कंपनी ने खुद से बनाने की जगह रेलवे के स्लीपर को ही चोरी कर लिया। आरपीएफक्राइम ब्रांच ने दो ट्रक में 8 लाख 16 रुपए के 255 स्लीपर पकड़ा है। 2 ट्रक और स्लीपर की रिकवरी आरपीएफक्राइम ब्रांच की टीम अभी कर सकती है। इन स्लीपर का फेक चालान बनाकर पैंतीपुर स्टेशन के पास स्थित रेलवे यार्ड से चोरी किए गए थे, जिसे चंदारी कानपुर की प्राइवेट साइडिंग में लाकर निर्माण के प्रयोग में लाया जा रहा था। 4 लोगों को मौके से ही गिरफ्तार किया है। मामले में बुढ़वल में रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्जा करने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है। कंपनी के मालिक आयुष सिन्हा ने प्राइवेट साइट का काम पूरा करने के लिए बिचौलिए अमित दीक्षित से संपर्क किया। बिचौलिए ने बुढ़वल स्थित स्लीपर निर्माण फैक्ट्री पाटिल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के नाम में फेक चालान बना करके स्लीपर यार्ड से निकलाया। इसमें रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की भी मिलीभगत की बात सामने आई है। घटना के बाद आरपीएफक्राइम ब्रांच कंपनी के मालिक और बिचौलिए को पकड़ने के लिए दबिश दे रही। संदेह के घेरे में आए अधिकारियों और मैनेजर पर भी कार्रवाई की तैयारी है। त्व्थ् के अधिकारियों का कहना है कि पहली बार लखनऊ में इस तरह का मामला सामने आया है, जब प्राइवेट कंस्ट्रक्शन के लिए रेलवे का सामान चोरी किया गया है। चंदारी रेलवे स्टेशन से आरपीएफतक प्राइवेट लाइन करीब 500 मीटर से अधिक दूरी तक बिछाई जानी है। इसमें करीब 2,500 स्लीपर की जरूरत होगी। कार्रवाई के बाद आरपीएफ क्राइम ब्रांच ने ट्रक नंबर यूपी 82 एटी 3157 से 105 स्लीपर और ट्रक नंबर यूपी 25 डीटी 1320 से 150 स्लीपर बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह, एसआई प्रशांत सिंह यादव, एएसआई करुणेश मिश्र, हेड कॉन्स्टेबल आलोक विजय महेंद्र नाथ, अविनाश पासवान की टीम के साथ में आरपीएफलखनऊ के एसआई जसवीर सिंह और आरपीएफचौकी लखनऊ सीटी की टीम कार्रवाई में शामिल रही।

मौके से ट्रक चालक अरविंद निवासी ग्राम पुठिया थाना पिलुआ जिला एटा, दीपक कुमार दीक्षित निवासी ग्राम फत्तेपुर थाना लहरपुर जिला सीतापुर, क्लीनर पुरुषोत्तम निवासी ग्राम काजियापुर थाना कोतवाली खैराबाद जिला सीतापुर और कंपनी के कर्मचारी अर्जुन सिंह निवासी ग्राम धर्मापुर थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत को पकड़ा गया है। इस दौरान कंपनी के मालिक बिजोलिया अमित दीक्षित, कंपनी के मैनेजर सहित मिलीभगत करने वाले रेलवे

उत्तर प्रदेश में 14 अप्रैल से चलेगा अग्नि सुरक्षा सप्ताह

करण वाणी

लखनऊ। राज्य सरकार अग्निशमन सेवाओं को सशक्त बनाने और आमजन को फायर सेफ्टी के प्रति जागरूक करने के लिए फायर सेफ्टी वीक के तहत 14 अप्रैल से प्रदेशभर में तीन दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। पूरे प्रदेश में रैली, शिक्षा संस्थानों में निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता, व्याख्यान, मॉक ड्रिल, गोष्ठी समेत जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। सरकार ने पिछले एक वर्ष में अग्निशमन सेवा को आधुनिक संसाधनों से लैस किया है।

एडीजी फायर पद्मजा चौहान ने बताया कि प्रदेश भर में 14 अप्रैल से फायर सेफ्टी वीक मनाया जाएगा। इसके तहत 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसकी शुरुआत स्मृति दिवस परेड, पिन फ्लैग से की जाएगी। इसके बाद तीन दिनों तक सभी फायर स्टेशन से फायर रैली निकालकर जनता को जागरुक किया जाएगा। साथ ही जिला मुख्यालय और तहसील स्तर पर स्थापित फायर स्टेशनों के जरिये शिक्षा संस्थानों में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध लेखन और व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा फायर मॉक ड्रिल के साथ मल्टीप्लेक्स, मॉल, अस्पताल, औद्योगिक इकाइयों और सरकारी कार्यालयों में फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

एडीजी फायर ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट कई आधुनिक तकनीकों से लैस हुआ है।

लखनऊ के खिलाफ वापसी की तलाश में उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

करण वाणी

लखनऊ। आईपीएल 2025 में लगातार पांच मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऊपर काफी दबाव है और अब उन्हें जीत की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का सामना करना है। लखनऊ में होने जा रहे इस मैच से पहले एलएसजी का आत्मविश्वास बढ़ा होगा क्योंकि वे अपने घरेलू मैदान पर लगातार दो जीत हासिल कर चुके हैं। आइए जानते हैं इस मैच से जुड़े कुछ अहम निकोलस पूरन इस समय जबरदस्त फॉर्म में हैं और पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उन्हें विरोधी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बना दिया है। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफउनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली नहीं रहा है, खासकर कुछ गेंदबाजों के सामने। आर अश्विन, नूर अहमद और मतीशा पथिराना ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने टी20 में पूरन को कई बार परेशान किया है। अश्विन के खिलाफपूरन ने आठ पारियों में सिर्फ 40 रन बनाए हैं और वे तीन बार आउट हुए हैं। उनकी औसत 13.3 और स्ट्राइक रेट 93 रही है। वहीं नूर के खिलाफउनका रिकॉर्ड और भी खराब है। पांच पारियों में केवल 13 रन, दो बार आउट, औसत 6.5 और स्ट्राइक रेट महज 50। पथिराना की बात करें तो उन्होंने पूरन को पांच पारियों में चार बार आउट किया है, जिसमें पूरन ने सिर्फ 25 रन बनाए हैं। दिग्वेश राठी ने आईपीएल 2025 में अब तक शानदार गेंदबाजी की है। छह मैचों में उन्होंने 24 ओवर डालते हुए आठ विकेट लिए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 23.1, इकॉनमी 7.7 और स्ट्राइक रेट 18.0 रहा है, जो टी20 फॉर्मेट के लिहाज से बेहतरीन माने जाते हैं। राठी की सबसे बड़ी ताकत उनका नियंत्रण रहा है। उनका कंट्रोल 76.4: है, जो दिखाता है कि वो लगातार सटीक लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हैं और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दे रहे। सीएसके की शुरुआत इस आईपीएल में कुछ खास नहीं रही है। पावरप्ले (पहले छह ओवर) में उनकी रन रेट सबसे कम 7.5 रही है, जबकि बाकी सभी टीमों की रन रेट आठ से ऊपर है। सिर्फधीमा खेल ही नहीं, बल्कि सीएसके इस चरण में विकेट भी गंवा रही है। औसतन रन प्रति विकेट के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं, जो बताता है कि ना तो रन बन रहे हैं और ना ही विकेट बच रहे हैं। सीएसके के लिए एक और चिंता की बात यह है कि उनकी मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजी भी संघर्ष कर रही है। मैच के 7वें से 16वें ओवर तक के बीच में भी टीम तेजी से रन नहीं बना पा रही है। इस चरण में सीएसके ने अब तक सबसे कम (सिर्फ14 छक्के) लगाए हैं और हर बाउंड्री के लिए सबसे ज्यादा गेंदें खेली हैं, जो उनकी स्ट्राइक रोटेशन और फिनिशिंग की कमजोरी को दर्शाता है। इस सीजन में स्पिन के खिलाफ बल्लेबाजी के मामले में सीएसके अब तक की सबसे कमजोर टीम रही है। उन्होंने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ बाकी किसी भी टीम से छह विकेट ज्यादा गंवाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी स्पिन के खिलाफ सिर्फ 119 है, जो लीग में सबसे कम है।

बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन ने किया स्वाभिमानी नारी सम्मान समारोह का आयोजन

करण वाणी

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अन्तर्गत बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन ने महिलाओं के लिए हयात हॉस्पिटल एवं नर्सिंग इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण को समर्पित भव्य कार्यक्रम अंगार हूं मैं स्वाभिमानी नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया।'

मशहूर एंकरध् एक्टर, एवं समाजसेवी प्रदीप शुक्ला तथा एंजल सिन्हा के बेहतरीन मंच संचालन में कार्यक्रम की शुरुआत बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन की पारंपरिक विधि से हुई, जिसमें संस्था की अध्यक्ष डॉ. रूबी राज सिन्हा ने मंच पर आमंत्रित सभी विशिष्ट अतिथियों के मस्तक पर तिलक लगाकर उनका आत्मीय स्वागत किया।'इसके पश्चात दीप प्रज्वलन की रस्म संपन्न हुई, जिसमें हयात हॉस्पिटल एवं नर्सिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. मेराज अहमद, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष श्रीवास्तव मुख्य अतिथि प्रवीण सिंह चौहान संस्था की अध्यक्ष डॉ. रूबी राज सिन्हा और संस्था के सचिव इंजीनियर प्रशांत प्रवीण सिन्हा ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया।'इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीलांश ग्रुप के एम.डी संतोष श्रीवास्तव तथा एस.एस ग्रुप के प्रवीण सिंह चौहान तथा डॉव रूबी राज सिन्हा के हाथों समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 51 महिलाओं को दुशाल ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया।''सम्मानित होने वाली प्रमुख महिलाओं में गुरमीत कौर, बीना गुप्ता, अनिता चंदोक, रोशेल नाम्बियार, प्रिया मिश्रा, आकांक्षा आनंद, लुबना अख्तर, ज्योति मेहरोत्रा, अंजुल पाठक, हेमा पांडे, मिथु रॉय, नेहा सिंह, प्रतिभा बल्यान, सुमति राज गुप्ता, वंदना जायसवाल निदा फातिमा समेत कई प्रेरणादायी महिलाऐं शामिल रहीं।'साथ ही कार्यक्रम की खास बात यह रही कि समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कुछ पुरुषों को भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

सम्पादकीय

सामाजिक न्याय के पुरोधा डॉ.भीमराव आम्बेडकर

डॉ. भीमराव आम्बेडकर पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के लिए आवाज उठाई। भारतीय समाज के छुआछूत के रोग की जड़ को पहचानकर उसकी दवाई देने वाले एक डॉक्टर के रूप में जीवन भर काम किया। जिस रोग ने पूरे देश को मानसिक रोगी बना रखा था। डॉ. आम्बेडकर पहले देश के पहले नायक थे, जिन्हें अपने लोगों के बीच स्थापित होने में किसी प्रकार की प्रचार की आवश्यकता नहीं पड़ी। उनको लोगों ने खुद चुना, वे दार्शनिक की तरह अपने विचार रखते गए और उनके अनुयायी अनुसरण करते हुए उनके पीछे चल दिए। उनके विचारों से लोगों के जीवन में बदलाव आया और उन्होंने समाज को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसी प्रकार डॉ. आम्बेडकर ने हिन्दू कोड बिल विवाद होने के बाद अपना इस्तीफा दे दिया था। हिन्दू कोड बिल में महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए, जिससे हिन्दू समाज के कुछ मठाधीश नाराज हो गए। हिन्दू कोड बिल सही अर्थों में महिलाओं को आजादी देने वाला कानून था।उन्होंने लक्ष्य रखा था कि हिन्दू समाज में फैली अस्पृश्यता जैसी कुरीतियों को समाप्त कर नए मानवीय समाज की स्थापना की जाए। इसके माध्यम से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के दर्द को अच्छी तरीके से समझ पाएगा। जाति व्यवस्था केवल पृथक-पृथक असमान समूहों का ही संगठन नहीं है, अपितु इसका सबसे दूषित तथा कलंकित रूप अस्पृश्यता के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। इसका विश्व में कहीं कोई सादृश्य नहीं मिलता। इन समुदायों की इस अपवित्रता का कोई उपचार नहीं है और यह स्थाई है। डॉ. आम्बेडकर का मानना था कि अछूतों के स्पर्श से अपवित्र होने पर सवर्ण हिन्दू पवित्रकारी रस्मों या नुस्खों से पवित्र हो सकते हैं, लेकिन ऐसे किसी सेभी प्रकार के नुस्खे से अछूतों को पवित्र नहीं किया जा सकता ? इस मान्यता के अनुसार, अस्पृश्य अपवित्र ही जन्म लेता है, आजीवन अपवित्र रहते हैं, अपवित्र ही मृत्यु को प्राप्त होते हैं। यह स्थाई और वंशानुगत कलंक का मुद्दा है, जिसे कोई चीज मिटा नहीं सकती। हिन्दू दर्शन की सर्वश्रेष्ठता को डॉ. अम्बेडकर ने स्वीकारते हुए कहा था कि इतने अच्छे दर्शन में मनुष्य-मनुष्य को स्पर्श नहीं करे, यह विचार कहां से आ गया? जो हिन्दू प्राणीमात्र में ब्रह्म(ईश्वर) का अंश देखता है, वह अपने बंधुता के लिए ही अस्पृष्य क्यों हो गया? यह प्रश्न बार-बार उनके मन में आता था। वर्ष 1928 में शासकीय विधि महाविद्यालय में प्राध्यापक नियुक्त होने के बाद डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि भारतीयता के विरोधक, गो-मांस भक्षक, रामकृष्ण एवं शिव की मूर्तियों के भंजक मोहम्मद, मार्टिन, मुसलमानों और ईसाइयों को जब छुआ जा सकता है तो हिन्दू समाज का ही अपना अंग समझा जाने वाला माधव, जो गौ, गंगा, कृष्ण और शिव की उपासना करता है, वह अछूत क्यों ? अस्पृश्यता का यह कलंक क्यों?डॉ.आम्बेडकर का मत था कि प्रत्येक हिन्दू वैदिक रीति से यज्ञोपवीत धारण करने का अधिकार रखता है और इसके लिए उन्होंने ने मुंबई में 'समाज समता संघ' की स्थापना की, जिसका मुख्य कार्य अछूतों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष करना था। अछूतों को अपने अधिकारों के प्रति सचेत कर आत्माविश्वास का जागरण करना था। यह संघ बड़ा ही सक्रिय था। इसी समाज के तत्वावधान में 500 महारों को जनेऊ धारण करवाया गया, ताकि सामाजिक समता स्थापित की जा सके। यह सभा मुंबई में मार्च, 1928 में संपन्न हुई, जिसमें डॉ. आम्बेडकर भी मौजूद थे।

डॉ. आम्बेडकर के विचार से जाति व्यवस्था ने हिन्दू समाज को कमजोर किया है। जाति की वजह से हिन्दू समाज में सामुदायिक जीवन पद्धति का लोप हो गया। पृथक-पृथक जातियों की जीवन पद्धति में भिन्नता ने हिन्दू समाज में भाईचारे, सहयोग और संगठन की भावना को कमजोर किया है। इससे हिन्दुओं में असुरक्षा, भीरूता, कायरता, अलगाव और एकाकीपन की भावना का विकास हुआ। डॉ. आम्बेडकर के अनुसार, जब तक हिन्दू समाज में जातियां विद्यमान हैं, हिन्दूकरण का कोई अर्थ नहीं होगा। हिन्दू संगठित नहीं हो सकते और जब तक हिन्दुओं में संगठन का अभाव रहेगा, वे कमजोर और निरीह बने रहेंगे। उन्हें दूसरों से अपमान, अत्याचार और अन्याय को विवश होकर सहना पड़ेगा। वह कहा करते थे कि जाति व्यवस्था ने हिन्दू समाज को रूग्ण, निर्जीव व अनैतिक बना दिया है। जाति के कारण ही हिन्दुओं का जीवन निरंतर पराभव का जीवन रहा है।डॉ. आम्बेडकर जीवन भर गौतम बुद्ध, संत कबीर और ज्योतिबा फुले के जीवन से प्रभावित रहे। उनके बताए गए सिद्धांतों का पालना किया। गौतम बुद्ध के चिंतन से उन्हें वेदों और स्मृतियों में प्रतिपादित वर्ण व्यवस्था और सामाजिक असमानता के विरूद्ध विद्रोह का दर्शन प्राप्त हुआ।

सर्जनात्मक जिद्द के महामानव डा0 आंबेडकर

> "उन्होंने लक्ष्य रखा था कि हिन्दू समाज में फैली अस्पृश्यता जैसी कुरीतियों को समाप्त कर नए मानवीय समाज की स्थापना की जाए। इसके माध्यम से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के दर्द को अच्छी तरीके से समझ पाएगा। जाति व्यवस्था केवल पृथक-पृथक असमान समूहों का ही संगठन नहीं है, अपितु इसका सबसे दूषित तथा कलंकित रूप अस्पृश्यता के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। इसका विश्व में कहीं कोई सादृश्य नहीं मिलता।

डा0 आंबेडकर ने 8 अगस्त 1930 को एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा। स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना होगा और उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है। उन्होंने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की कटु आलोचना की जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रुप में देखते थे। इंग्लैंड से लौटने के बाद जब उन्होंने भारत की धरती पर कदम रखा तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रुप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की जो शीध्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक

सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डा0 आंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर दिया। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनैतिक पहचान की वकालत की जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। डा0 आंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि 'मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं।' उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डा0 अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि 'बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिण्णाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। जाति व्यवस्था को ही लें, हर कोई कहता है कि इस्लाम गुलामी और जाति से मुक्त होना चाहिए, जबकि गुलामी अस्तित्व में है और इसे इस्लाम और इस्लामी देशों से समर्थन मिला है। इस्लाम में ऐसा कुछ नहीं है जो इस अभिशाप के उन्मूलन का समर्थन करता हो। अगर गुलामी खत्म हो जाए फिर भी मुसलमानों के बीच जाति व्यवस्था रह जाएगी।' उन्होंने इस्लाम में उस कट्टरता की भी आलोचना की जिसके कारण इस्लाम की नीतियों का अक्षरशः अनुपालन की बद्धता के कारण समाज बहुत कट्टर हो गया है। उन्होंने लिखा है कि 'भारतीय मुसलमान अपने समाज का सुधार करने में विफल रहे हैं जबकि इसके विपरित तुर्की जैसे इस्लामी देशों ने अपने आपको बहुत बदल लिया।' राष्ट्रवाद के मोर्चे पर डा0 अंबेडकर बेहद मुखर थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति के लिए मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग दोनों की कटु आलोचना की। हालांकि शुरुआत में उन्होंने पाकिस्तान निर्माण का विरोध किया किंतु बाद में मान गए। इसके पीछे उनका तर्क था कि हिंदुओं और मुसलमानों को पृथक कर देना चाहिए क्योंकि एक ही देश का नेतृत्व करने के लिए जातीय राष्ट्रवाद के चलते देश के भीतर और अधिक हिंसा होगी। वे कतई नहीं चाहते थे कि भारत स्वतंत्रता के बाद हर रोज रक्त से लथपथ हो। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल आंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह आंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की। रुढ़िवादी हिंदू नेताओं, कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं तथा पंडित मदन मोहन मालवीय ने आंबेडकर और उनके समर्थकों के साथ यरवदा में संयुक्त बैठकें की।

अनशन के कारण गांधी की मृत्यु होने की स्थिति में, होने वाले सामाजिक प्रतिशोध के कारण होने वाली अछूतों की हत्याओं के डर से और गांधी के समर्थकों के भारी दबाव के चलते अंबेडकर ने अपनी पृथक निर्वाचिका की मांग वापस ले ली। इसके बदले में अछूतों को सीटों के आरक्षण, मंदिरों में प्रवेश-पूजा के अधिकार एवं छुआछुत समाप्त करने की बात स्वीकार ली गयी।

सरोकार

गांवों में आज भी मजबूत है सामाजिक रिश्तों की डोर

नाबार्ड की इस साल मार्च में जारी रिपोर्ट से जहां संतोष होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत ऋण प्रवाह का दायरा बढ़ा है, वहीं यह चिंता की बात है कि जरूरत के समय गैर संस्थागत स्रोतों से कर्ज लेने वाले ग्रामीणों में करीब साढ़े सात फीसदी लोगों को 50 फीसदी से भी अधिक ब्याज दर से कर्ज चुकाना पड़ रहा है। इससे साफ है कि एक बार गैर संस्थागत स्रोत से कर्जदार बने तो फिर कर्ज के मकड़जाल से निकलना असंभव नहीं तो बहुत मुश्किल जरूर है।नाबार्ड की रिपोर्ट को आधार मानकर चलें तो पिछले साल सितंबर में जुटाये गए आंकड़ों के अनुसार 17.6 फीसदी लोग अपनी तात्कालिक आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्रोतों पर निर्भर हैं। हालांकि इसमें करीब साढ़े तीन फीसदी का सुधार है। पहले 21.1 प्रतिशत ग्रामीण अपनी ऋण जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्रोतों पर निर्भर थे। हमारी ग्रामीण संस्कृति की इस खूबी की सराहना करनी पड़ेगी कि आज भी 31.7 प्रतिशत रिश्तेदार या परिचित ऐसे हैं जो दुःख-दर्द में भागीदार बनते हैं और ऐसे समय में उपलब्ध कराये गये धन पर किसी तरह का ब्याज नहीं लेते। रिश्तेदारों या परिचितों से इस तरह की धन की आवश्यकता कुछ समय के लिए ही होती है और समय पर लौटा दिया जाता है। यह तथ्य भी नाबार्ड द्वारा जारी रिपोर्ट से ही उभर कर आया है।

चाहे ग्रामीण हों या शहरी ऐसी आवश्यकताएं आ ही जाती हैं, जिनके लिए तत्काल धन की जरूरत होती है। अन्य कोई सहारा नहीं देखकर व्यक्ति इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिश्तेदार, परिचित, साहूकार, दोस्त, कमीशन एजेंट या रुपये उधार देने वाले लोगों के सामने हाथ पसारते हैं। अब इनमें से बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो व्यक्ति की मजबूरी का

फायदा उठाने में किसी तरह का गुरेज नहीं करते और मजबूरी का फायदा उठाते हुए 50 से 60 प्रतिशत तक ब्याज लेने में भी हिचकिचाहट नहीं दिखाते। रिपोर्ट के अनुसार ऋण लेने वाले करीब 40 फीसदी ग्रामीणों को 15 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक का ब्याज देना पड़ता है। 0.9 प्रतिशत को 60 प्रतिशत या 6.6 फीसदी को 50 प्रतिशत से अधिक की ब्याज दर पर ऋण को चुकाना पड़ता है। साफ है कि आजादी के 75 साल बाद भी सूदखोरों का बोलबाला बना हुआ है। संस्थागत ऋणों में भी यदि हम पर्सनल लोन की बात करें तो वह भी करीब 15 से 20 प्रतिशत पर बैठता है और यदि किसी कारण से कोई किस्त बकाया रह गई तो पेनल्टी दर पेनल्टी का सिलसिला काफी गंभीर व कर्ज के मकड़जाल में फंसाने वाला हो जाता है।

एक बात और, शहरों और ग्रामीण इलाकों में कुछ लोगों या संस्थाओं द्वारा दैनिक आधार पर पैसा कलेक्शन करने और दैनिक आधार पर ऋण देने का कार्य किया जाता है। इस तरह के लोगों या संस्थाओं द्वारा भले दैनिक आधार पर दस रुपये के ग्यारह रुपये शाम को देना आसान लगता हो पर इस किस्त का चूकना और मासिक आधार पर गणना की जाये तो यह बहुत मंहगा होने के साथ जरूरतमंद लोगों की मजबूरी का फायदा उठाने से कम नहीं है। रोजमर्रा का काम करने वाले वेण्डर्स इस तरह की श्रेणी में आते हैं। कहने को चाहे 40 प्रतिशत ही हो पर इनके द्वारा 20 प्रतिशत से 60 प्रतिशत की ब्याजदर से ब्याज राशि वसूलना किसी भी तरह से सभ्य समाज के लिए उचित नहीं कहा जा सकता।देश में संस्थागत ऋण उपलब्धता बढ़ी है पर ताजा रिपोर्ट के अनुसार 17.6 प्रतिशत ग्रामीणों का साहूकारों या अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना उचित नहीं माना जा सकता। यदि ब्याज दर 20, 30, 40 या 50 प्रतिशत होगी तो प्रेमचंद के गोदान या इसी तरह की साहूकारी व्यवस्था व आज की व्यवस्था में क्या अंतर रह जाएगा। इतना जरूर है कि रिश्तों की डोर आज भी मजबूत है और इसकी पुष्टि नाबार्ड की रिपोर्ट करती है कि ग्रामीण क्षेत्र में 31.7 प्रतिशत कर्जदार रिश्तेदारों और परिचितों पर निर्भर हैं। ये लोग रिश्तों का लिहाज करते हुए जरूरत के समय एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग करते हैं और बदले में किसी तरह का ब्याज नहीं लेते।

आने वाले समय में भी हमें रिश्तों की इस डोर को मजबूत बनाये रखना होगा और सरकार को आगे आकर एक सीमा से अधिक ब्याज वसूलने वालों पर सख्ती दिखानी होगी।

प्रियंका ने पीछे खींचे कदम

साबरमती तट पर हुए कांग्रेस के 84वें अधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बाकायदा एलान किया कि कांग्रेस जिस तरह से आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों और संघ के खिलाफ लड़ी थी, उसी तरह से आज भी बीजेपी संघ की सांप्रदायिक व विभाजनकारी सोच से लड़ रही है।संसद में संविधान को लेकर चर्चा चल रही थी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की तरफ से बहस की शुरुआत की गई। भाषण समाप्त होने के बाद कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांघी को बोलना था। थोड़ी ही देर में लोकसभा में बोलेने वाली हैं प्रियंका जैसी हेडलाइन तमाम न्यूज चैनलों पर फ्लैश हो रहे थे। प्रियंका का भाषण शुरू होने ही वाला था कि तभी अचानक ब्रेकिंग न्यूज चलने लग जाती है पुष्पा-2 के एक्टर अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब ऐसे में टीवी चैनल प्रियंका के स्पीच से इतर अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी की खबर को प्राथमिकता देने लग जाते हैं। जाहिर सी बात है कि अगर उस दिन ये बड़ी खबर नहीं आती तो न्यूज चैनलों पर दिन भर प्रियंका के भाषण की चर्चा होती। लेकिन इसकी जगह अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी की खबर ने ले ली। लेकिन कांग्रेस शासित तेलंगाना की सरकार के अंदर में आने वाली पुलिस द्वारा अचानक से उठाए गए गिरफ्तारी वाले कदम ने प्रियंका की लाइमलाइट को छीन लिया। गौरतलब है कि प्रियंका ने लोकसभा में पहुंचते ही हर दिन टीवी और अखबारों की हेडलाइन लूटनी शुरू कर दी। उनके बैग का रंग और उन पर छपी फोटो तक खबरें बनने लगीं और अचानक उन्होंने दिखना ही बंद कर दिया। सोनिया, प्रियंका, राहुल सभी का अपना अपना ग्रुप है। ये बात कांग्रेस के अधिवेशन में खुलकर सामने आ गई। प्रियंका अधिवेशन से गायब रहीं। जिसकी बड़ी वजह राहुल गांधी को बताया जा रहा है। पार्टी का ये अधिवेशन ऐसे वक्त में हुआ जब 2024 के लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के विधानसभा चुनावों में हार से उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में पार्टी की निगाहें बिहार विधानसभा चुनाव पर है। जहां वो अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। लेकिन कांग्रेस का जो हाल अधिवेशन में नजर आया उसे देखकर तो साफ लग रहा है कि बिहार में भी कांग्रेस को कोई खास हाथ नहीं लगने वाला है। दरअसल, गुजरात में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ और 64 साल बाद गुजरात में ये मंथन हुआ। साबरमती तट पर हुए कांग्रेस के 84वें अधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बाकायदा एलान किया कि कांग्रेस जिस तरह से आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों और संघ के खिलाफ लड़ी थी, उसी तरह से आज भी बीजेपी संघ की सांप्रदायिक व विभाजनकारी सोच से लड़ रही है। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस कार्य समिति यानी सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत 158 सदस्यों ने हिस्सा लिया। हालांकि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा गैरहाजिर रहीं। सीडब्ल्यूसी की बैठक में प्रियंका गांधी की गैरमौजूदगी पर कई सवाल उठे। बाद में इस मुद्दे पर जब पार्टी के सीनियर नेता जयराम रमेश से जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी जरूर लेकिन कुछ ऐसा जवाब नहीं दिया जिससे जो सवाल खड़े हो रहे हैं उसका एक जवाब मिल जाए। जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में 35 सदस्य गैर मौजूद थे और किसी एक शख्स को अलग से चिन्हित करके सवाल उठाना ठीक नहीं। इसी सवाल का जवाब देते हुए पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रियंका गांधी ने पार्टी से पहले ही अनुरोध किया था कि उन्हें विदेश में पूर्व व्यस्तताओं में शामिल होने के लिए एआईसीसी सत्र और संसद सत्र को छोड़ने की अनुमति दी जाए और पार्टी ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया। लेकिन ये बयान चर्चाओं को कहां रोक सकता था। प्रियंका का अधिवेशन में शामिल न होना कई सवाल खड़े करता है। अधिनेशन से ठीक पहले कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने ये कहा था कि पार्टी इस वक्त इस बात पर ध्यान दे रही है कि प्रियंका गांधी वाड्रा को कैसे और बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, खासकर जब कुछ बड़े राज्य में चुनाव होने हैं। पार्टी के कुछ अंदरूनी सूत्रों ने भी ये संकेत दिया कि उन्हें कोई अहम राज्य का प्रभारी या कोई बड़ी चुनावी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। फिलहाल प्रियंका गांधी कांग्रेस की महासचिव हैं लेकिन उनके पास कोई खास विभाग या जिम्मेदारी नहीं है। इसी वजह से कई राज्यों की ईकाई और पार्टी के सीनियर नेताओं ने ये सुझाव भी दिया था कि उनके राजनीतिक अनुभव और जनता से जुड़ने की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल किया जाना चाहिए ।

लेकिन प्रियंका तो सीडब्ल्यूसी की बैठक में ही नहीं पहुंची। जिस पर पर्दा डाला गया कि वो विदेश चली गई। कांग्रेस अधिवेशन में प्रियंका की गैरमौजूदगी के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। प्रियंका गांधी जब वायनाड लोकसभा से जीतकर संसद पहुंची थी, तब से ही उन्हें बड़ा सीमित रखा गया है। कई बार अंदरखाने से इसकी चर्चा भी हुई कि वो राहुल गांधी की राजनीति के लिए खतरा हो सकती हैं। अक्सर सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा होती रही है कि प्रियंका में राहुल से ज्यादा सियासी समझ और काबिलियत है।

नजरिया

अंबेडकर और अनुयायी

डॉ. अंबेडकर ऐसे महापुरुष हैं जिनका जन्मदिन, उनके जन्मदिन से पहले और सप्ताह और महीनों बाद तक मनाया जाता रहा है। संविधान निर्माण में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका के बारे में कौन नहीं जानता? संविधान में बहुत सारे प्रावधान हैं लेकिन अभी भी उनको अमल में लाना रह गया है। संविधान में आरक्षण का प्रावधान तो है लेकिन सरकारी नौकरी हो या शिक्षा उसमें कोटा की सीमा का निर्धारण नहीं है। संविधान की धारा 16 (2) के अनुसार किसी भी नागरिक को केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान, निवास या इनमें से किसी के आधार पर राज्य के अधीन किसी रोजगार या पद के लिए अपात्र नहीं ठहराया जाएगा या उसके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा।

अब भी संविधान वही है लेकिन जमीन-आसमान का फ़र्क़ देखने को मिल रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में दलितों और आदिवासियों को मुफ्त शिक्षा, वजीफ़ा, हॉस्टल की सुविधा मिली और वे पढ़ गए। सरकारी विभाग बने और उनका विस्तार हुआ, जहाँ उन्हें नौकरी मिली। सार्वजनिक प्रतिष्ठान खड़े किए गए और लाखों-करोड़ों नौकरियां

सृजित हुईं और रोजगार मिला। एयर इंडिया, एलआईसी, बैंक, कोयला, तेल की कंपनियां आदि के राष्ट्रीयकरण से लाखों रोजगार मिले। दलित-आदिवासी इसलिए पढ़ गए कि मुफ्त शिक्षा ही नहीं मिली, बल्कि वजीफा और हॉस्टल की सुविधा भी मिली। इस तरह से मध्यम वर्ग तैयार हुआ और वह सामाजिक न्याय को समझने लगा। कोटा-परमिट में भी आरक्षण के कारण लाखों लाभार्थी पैदा हुए जिससे उनकी आर्थिक व सामाजिक ताक़त बढ़ी। आपातकाल में इनका सबसे ज़्यादा उत्थान हुआ और 20 सूत्रीय कार्यक्रम के तहत कई लाभ मिले और उसमें भूमिहीनों को जमीन मिल सकी। सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण के कारण एक मध्यम वर्ग खड़ा हो गया और फिर उसकी आकांक्षा बढ़ने लगी। इन्होंने ही डॉ. अंबेडकर के विचार को फैलाया और 1980 के दशक से इनका नाम व विचार गांवों तक पहुँचने लगा। लेखन और मीडिया की भूमिका के कारण ऐसा नहीं हुआ बल्कि उनके अनुयायियों ने प्रचार का कार्य किया। जब डॉ. अम्बेडकर के विचार फैलने लगे तो स्वाभाविक रूप से ज्योतिबा फूले, सावित्रीबाई फूले, शाहूजी महाराज, पेरियार, नारायण गुरु, संत गाड़गे, अय्यंकाली आदि के विचार का फैलाव स्वतः होना ही था। जैसे ही हिस्सेदारी की रफ्तार बढ़ी, रुकावट आ गई। तथाकथित बहुजन मूवमेंट ने इन्हें हुक्मरान का सपना दिखा दिया और जो कुछ मिल रहा था उसके लिए भी लड़ना और माँगना छोड़ दिया। देने वाली कांग्रेस को भी छोड़ते गए।दलित समाज का मध्यम वर्ग परिपक्व होता,उसके पहले तथाकथित बहुजन मूवमेंट ने उसे भावनात्मक बनाकर झाड़ पर चढ़ा दिया। आरक्षण खत्म हो,जमीन का सवाल हो, निजीकरण का मुद्दा हो,उत्पीड़न,शिक्षा का निजीकरण और महंगी होना,संसद में सवाल उठाना,व्यक्तिगत समस्या या किसी तरह से भी अधिकार का हनन आदि सबका एक ही जवाब कि तुम्हें हुक्मरान बनना है और छोड़ो इन छोटी-छोटी बातों को। हमारी आबादी 85त्न है,हम देने वाले बनेंगे। इस तरह से बात रखी कि अब सत्ता आने वाली है और जैसे आदिवासी और पिछड़ा वर्ग इनसे कोई संधि या करार कर लिया हो। ज़ोर-ज़ोर से कहा कि अब बहुजन एक होने वाले हैं। किसी बात को बार-बार कहा जाए तो लोग सच मानने लगते हैं। दूसरी तरफ करीब 50त्न ओबीसी जिसे मण्डल कमीशन के साथ खड़ा होना था,वह जाकर कमंडल से जुड़ गया। मण्डल के विरुद्ध में कमंडल को जबरदस्त समर्थन के पीछे पिछड़े ही थे। ऐसे में कैसे आरक्षण,शिक्षा,जमीन जैसे सवाल को नजरअंदाज करके सत्ता प्राप्ति के सपने के लिए सारी ताकत झोंक दिया। जो पिछड़ा अपने विरोधी के साथ खड़ा होने में गर्व कर रहा था,उसका झूठा भरोसा दिखाकर दलित वर्ग के मध्यम वर्ग को मूर्ख बनाकर खूब समर्थन बटोरा। होना तो यह चाहिए था कि सत्ता प्राप्ति की लड़ाई चलती रहती लेकिन जो हिस्सेदारी मिल रही थी,उन मुद्दों को सड़क से संसद तक उठाया जाता रहता।डॉ. अंबेडकर के विचार को सुविधानुसार ग्रहण किया, जातियों के संगठन खड़े करने लगे और सबको कहा कि अपनी-अपनी जाति को संगठित करो। डॉ.अंबेडकर ने जातिविहीन समाज की बात की थी और ये जाति की दीवार मजबूत करने में लगे रहे। बढ़ती हिस्सेदारी रुक गई और यह कहना ज़्यादा उचित होगा कि खुद अपने विकास के रास्ते के अवरोधक बन गए। कल्याणकारी योजनाएं दम तोड़ती गईं और उसे बचाने में ताक़त लगाने के बजाय सिर्फ राजनीतिक सत्ता हासिल करने में जुटे रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

ट्रक सामने आने पर बिजली के खंभे से टकराकर दुकान में घुसी बस

लखनऊ। मोहनलालगंज में लखनऊ-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह प्राइवेट बस बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकराकर एक दुकान में घुस गई। हादसे में करीब 1 दर्जन यात्री घायल हुए। गलत दिशा से अचानक आए ट्रक की वजह से बस बेकाबू हुई और हादसा हो गया। बस में 60 से अधिक यात्री सवार थे। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने मोहनलाल सीएचसी में भर्ती कराया। कई यात्रियों की स्थिति गंभीर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। बस लखनऊ से उन्नाव जा रही थी। गोपालखेड़ा कट के पास बेकाबू होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान और बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे के समय दुकान बंद थी और अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

विद्युत ट्रांसफॉर्मर में लगी आग

लखनऊ। सरोजनी नगर में विद्युत ट्रांसफॉर्मर में गुरुवार सुबह आग लग गई। घटना बद्री नगर क्षेत्र स्थित सूरज इंडस्ट्रीज के ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग फैक्ट्री में हुई। घटना के समय मरम्मत के बाद ट्रांसफॉर्मर को हीट किया जा रहा था। छत पर सो रहे दो लोगों ने कूदकर जान बचाई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। फैक्ट्री चिल्लावां के रघुनंदन रावत की है। गुरुवार को उसमें एक ट्रांसफॉर्मर को हीट किया जा रहा था। इस दौरान शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के लोग गए। फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। सरोजनी नगर फायर स्टेशन के एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर बिग्रेड कर्मियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कोई जनहानि नहीं हुई।

फैजुल्लागंज, विकासनगर व अबरार नगर में कल बिजली गुल रहेगी

लखनऊ। फैजुल्लागंज उपकेंद्र के गायत्री नगर फीडर से शुक्रवार सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली बंद रहेगी। विकासनगर उपकेंद्र के गांधीनगर, रिंग रोड, खुर्रमनगर, पंतनगर में सुबह 11 से शाम चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। जानकीपुरम सेक्टर-सात, आठ व नौ में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली बाधित रहेगी। जानकीपुरम सेक्टर-आई उपकेंद्र के मड़ियांव गांव, यादव टोला में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक आंशिक बिजली बाधित रहेगी। इंदिरानगर सेक्टर-25 उपकेंद्र के अंतर्गत अबरार नगर व शिवानी नगर में सुबह नौ से शाम पांच बजे तक आंशिक बिजली बंद रहेगी।

गोल्फ क्लब के पास आत्मदाह का प्रयास करने पर मुकदमा

लखनऊ। गोल्फ क्लब चौराहे के पास आठ अप्रैल को एक परिवार ने आत्मदाह का प्रयास किया था। जिसके कारण सुरक्षा खतरे में पड़ गई। यातायात भी बाधित हुआ। इस आरोप में गौतमपल्ली कोतवाली में दरोगा ने आत्मदाह का प्रयास करने वाले दम्पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आठ अप्रैल की सुबह दरोगा सुभाष चंद्र गोल्फ क्लब के पास ड्यूटी पर थे। इस बीच एक पुरुष, महिला और तीन बच्चे गोल्फ क्लब के पास लगे बैरियर के पास पहुंचे। पुरुष ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डाल लिया। जिसे सिपाहियों ने दौड़ा कर पकड़ा। वहीं, महिला सिपाही ने पुरुष के साथ आई महिला और बच्चों को किसी तरह से रोका। पकड़े जाने पर आत्मदाह का प्रयास कर रहे पुरुष ने गाली गलौज की। मना करने पर उग्र हो गया। पूछताछ में आत्मदाह का प्रयास करने वाले की पहचान गोण्डा निवासी निर्भय राम उपाध्याय के तौर पर हुई। उसके साथ पत्नी गायत्री, तीन बेटियां और रिश्तेदार पवन भी था। निर्भय राम उपाध्याय का जमीन को लेकर कुछ लोगों से विवाद है। जिसकी सुनवाई नहीं होते देख निर्भय परिवार संग आत्मदाह करने के लिए लखनऊ आया था।

रिटायर होमगार्ड ने की हवाई फायरिंग, गिरफ्तार

लखनऊ। काकोरी घुरघुरी तालाब के पास गुरुवार दोपहर शराब के नशे में रिटायर होमगार्ड ने दो राउंड हवाई फायरिंग की। गोली चलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लाइसेंसी बंदूक जब्त की है। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि गौरी निवासी रिटायर होमगार्ड देशराज यादव का एक मकान सकरा रोड पर है। गुरुवार दोपहर वह लाइसेंसी बंदूक लेकर सकरा मोड़ गया था। सामने ही शराब का ठेका है। जहां देशराज ने शराब पी। नशे में धुत होने के बाद आरोपित ने दो राउंड हवाई फायरिंग की। दिनदहाड़े गोली चलने से भगदड़ मच गई। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर आरोपी देशराज को गिरफ्तार किया गया।

बारिश से गुल हुई बिजली

मोहनलालगंज। गुरुवार की सुबह बारिश के साथ ही पीजीआई से मोहनलालगंज उपकेन्द्र को आने वाली लाइन में ब्रेक डाउन होने के चलते क्षेत्र में बिजली गुल हो गई। पांच- छह घंटे बाद सप्लाई दुरुस्त हो सकी। बारिश के साथ ही मोहनलालगंज कस्बे से लेकर गौरा, फत्तेखेड़ा, सिसेंडी क्षेत्र के साथ इंड्रस्ट्रियल लाइन ठप्प हो गई। जो दोपहर एक बजे के बाद दुरुस्त हो सकी। गौरा, फत्तेखेड़ा व इंड्रस्ट्रियल सप्लाई दोपहर लगभग दो बजे बहाल हो सकी। जेई सतेन्द्र ने बताया कि 33 ब्रेक डाउन होने से सप्लाई बंद हुई थी जिसे दुरुस्त कर सप्लाई चालू कर दी गई।

तीमारदारों का बिस्तर, सामान सब भीगा

लखनऊ। बेमौसम बारिश ने तीमारदारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अस्पतालों में तीमारदारों की संख्या के हिसाब से रैन बसेरे की कमी है। नतीजतन बारिश में तीमारदार परेशान रहे। बहुत से तीमारदारों का खाने पीने का सामान व बिस्तर आदि भीग गया। केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर परिसर में तीमारदारों के ठहरने का इंतजाम नाकाफी है। टिन शेड के नीचे दो रैन बसेरे बने हैं। लेकिन तीमारदारों की भीड़ के हिसाब से दोनों रैन बसेरे छोटे हैं। नतीजतन लोग खुले आसमान के नीचे रहकर अपनों का इलाज करा रहे हैं। गुरुवार को बारिश की वजह से तीमारदारों का काफी सामान भीड़ गया। इसमें बिस्तर व खाने-पीने का सामान शामिल है। सिविल अस्पताल में बारिश की वजह से तीमारदार इमरजेंसी भवन में आ गए। यहां सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बाहर खदेड़ दिया। किसी तरह तीमारदार बारिश से बचने की जद्दोजहद में जुटे रहे। लोहिया संस्थान का भी यही हाल रहा। यहां भी काफी तीमारदार खुले में रहने को मजबूर हैं। बारिश से बचने के लिए तीमारदार एक से दूसरी जगह भटकते रहे। बलरामपुर अस्पताल व डफरिन में भी मरीजों को खासी जद्दोजहद झेलनी पड़ी। डफरिन अस्पताल के बाहर की सड़क पर पानी भर गया। नाली का पानी अस्पताल के भीतर तक पहुंचने लगा। इसकी वजह से गर्भवती महिला व उनके तीमारदारों को आने-जाने में खासी जद्दोजहद झेलनी पड़ी।

आंधी-बारिश से दो फ्लाइटें डायवर्ट और कई लेट

लखनऊ। सुबह आंधी-बारिश का असर फ्लाइटों के संचालन पर पड़ा। तेज सतही हवा के झोंकों की वजह से अहमदाबाद से लखनऊ और बेंगलुरु से लखनऊ फ्लाइटों को डायवर्ट कर दिया गया। कई फ्लाइटें तय समय से लेट हुईं। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 244 सुबह अहमदाबाद से 6:55 बजे रवाना हुई थी। तय समय 8:50 बजे यह लखनऊ तक पहुंच भी गई लेकिन उस वक्त यहां मौसम खराब था। तेज हवा के झोंको के बीच विमान उतारना खतरनाक हो सकता था। नतीजतन फ्लाइट को अयोध्या डायवर्ट कर दिया गया जहां यह 9:00 बजे उतरी। बाद में मौसम ठीक होने के बाद यह फ्लाइट 11:45 बजे लखनऊ वापस आई। इसी तरह बेंगलुरु से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 2701 सुबह 6:05 बजे रवाना हुई थी। यह विमान भी यहां उसी समय पहुंचा जब मौसम खराब था। एटीसी ने इस फ्लाट को वाराणसी डायवर्ट कर दिया जहां यह 9:02 बजे उतरा। मौसम ठीक होने के बाद यह फ्लाइट 11:10 बजे लखनऊ वापस पहुंची। वहीं, सुबह विमानों का परिचालन प्रभावित होने की वजह से हैदराबाद, दिल्ली मुम्बई की फ्लाइटें लेट हुईं। इनके अलावा अन्तरराष्ट्रीय उड़ानें एके 015, आईएक्स 105 भी लेट फ्लाइटों में शामिल हैं।

ठक-ठक गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार, कार का शीशा ठोंककर बातों में उलझाते

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ की गौतमपल्ली पुलिस ने ठक-ठक गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिग्नल पर रुकी गाड़ियों में टक्कर मारते फिर बातचीत के लिए शीशा खुलवा लेते। बातों में उलझाकर मोबाइल, पर्स और कीमती चीज गायब कर देते। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि रवीन्द्र कुमार, रिजवान, रिज्जू उर्फरिजवान और अजीम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपियों से गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। सेक्टर-आई एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड निवासी संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8रू30 बजे अपनी कार से ऑफिस से आशियाना घर जा रहे थे।

लोरेटो स्कूल के गेट नंबर- 3 के सामने ट्रैफिक के बीच एक लड़का पैदल रोड क्रॉस करने लगा, जिसे बचाने के लिए कार का ब्रेक लगाया। उस लड़के ने पीछे के दरवाजे में जोर से लात मारी। इस पर संतोष ने गाड़ी रोक दी, तभी दूसरी तरफ से एक लड़का शीशा पीटने लगा। उससे बात करने के लिए शीशा खोला, तभी दूसरी तरफ से दूसरे युवक ने शीशा पीटना शुरू कर दिया। बातचीत में उलझाकर दोनों लड़कों ने कार की सीट पर रखा सैमसंग का मोबाइल और पर्स गायब कर दिया था। डीसीपी ने बताया वारदात के बाद आरोपियों की तलाश के लिए टीम का गठन किया गया। इस दौरान घटनास्थल के आसपास के करीब 125 सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए। सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार सफेद कार की जानकारी हुई। चेकिंग के दौरान 5 विक्रमादित्य के सामने अंधेरे में एक सफेद रंग की होंडा सिटी गाड़ी दिखाई दी। जिसे रोककर 4 लड़कों को हिरासत में लिया गया। कार की तलाशी लेने पर 23 मोबाइल मिले। उन्होंने बताया सभी आरोपी मेरठ के रहने वाले हैं। गैंग का सरगना रिजवान है। सभी आरोपी मेरठ में फेरी लगाने का काम करते हैं। वहीं टप्पेबाजी का गैंग बनाया। इसके बाद अलग-अलग शहरों में टप्पेबाजी शुरू कर दी। टप्पेबाजी करने के लिए मेरठ के सलेमपुर से 80 हजार रुपए में होंडा सिटी कार खरीदी। इसी कार से घूमकर रेकी करते थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीन दिन पहले लखनऊ आए हैं। सीतापुर रोड पर एक होटल में रुकते थे। इसके बाद गौतमपल्ली में पहली घटना की। आरोपियों का कहना है कि सभी मोबाइल लखनऊ में ही टप्पेबाजी करके मिले हैं। हालांकि पुलिस मोबाइल के जरिए मालिकों का पता कर रही है।

पुराना आरटीओ भवन टूटेगा बनेगी मल्टी लेवल पार्किंग

करण वाणी

लखनऊ। कपूरथला स्थित पुराने आरटीओ कार्यालय के जर्जर भवन को तोड़ कर वहां पर मल्टी लेवल पार्किंग बनाई जाएगी। अभी तक वहां पर नगर निगम का जोन-3 का जोनल कार्यालय था, जो कि अलीगंज थाना के पास बने नए भवन में शिफ्ट हो गया है।

पार्किंग बनाने के लिए नगर निगम की ओर से एलडीए को प्रस्ताव भेजा जाएगा। सहमति मिलने के बाद अगले महीने से पार्किंग बनाने की दिशा में कार्य शुरू कर दिया जाएगा। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह का कहना है कि एलडीए से सहमति मिलते ही जर्जर भवन को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इससे पहले नीचे बनी दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा। कहा कि बरसात के मौसम में जर्जर भवन गिरने का खतरा बना हुआ है। इसीलिए प्रयास रहेगा कि बारिश का सीजन शुरू होने से पहले जर्जर भवन को तोड़ दिया जाए। पुराना आरटीओ भवन 80 के दशक में बना हुआ है। उचित रख-रखाव न होने के कारण ही यह भवन अब जर्जर अवस्था में आ गया है।

कपूरथला में कोई पार्किंग स्थल नहीं होने से यहां आने वाले अपने वाहनों को दुकानों और कार्यालयों के सामने सड़क पर ही पार्क करते हैं, जिससे कई बार जाम की स्थित बन जाती है। नावल्टी सिनेमा हाल रोड पर यह समस्या सबसे ज्यादा है। मल्टी लेवल पार्किंग बनने के बाद सड़कों पर वाहनों के पार्क करने की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। आसपास बने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों को भी राहत मिलेगी। उनकी दुकानों के सामने लोग वाहन पार्क नहीं करेंगे।

न्यायाधीश के प्रवास में लगा दी आयुष डॉक्टरों की ड्यूटी

लखनऊ। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय का लखनऊ आगमन, प्रवास और भ्रमण प्रस्तावित है। शुक्रवार को चीफ जस्टिस के लखनऊ से तक कारकेड के साथ चिकित्सा व्यवस्था की गई है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह की ओर से काकोरी के अधीक्षक को चीफ जस्टिस के लिए डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ आदि की ड्यूटी के लिए निर्देशित किया गया।

इस पर अधीक्षक ने चीफ जस्टिस के प्रवास में आयुष डॉक्टरों को तैनात कर दिया है। काकोरी सीएचसी के अधीक्षक ने नौ अप्रैल को सीएमओ के निर्देश पर ड्यूटी रोस्टर जारी किया है। उसमें पत्रांक में मु. चि. अ./ माननीय न्यायाधीश भ्रमण/2025/5196-11 दिनांक नौ अप्रैल के निर्देशानुसार ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 11 अप्रैल की सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक होम्योपैथिक डॉ. अनिल कुमार और 12 अप्रैल की सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक यूनानी डॉ. सै. अहमद अली अहमद की ड्यूटी लगाई है।

कालोनियों में जल निकासी की व्यवस्था पर पास होंगे नक्शे

करण वाणी

लखनऊ। राज्य सरकार शहरों को जल निकासी से राहत दिलाने के लिए नक्शा पास करने की मनमानी पर रोक लगाने जा रही है। शहरी क्षेत्रों में बनने वाली निजी कालोनियों में जल निकासी की स्वयं व्यवस्था करानी होगी। इसके लिए उन्हें नक्शे में प्रावधान करना होगा। विकास प्राधिकरणों द्वारा इसके आधार पर ही नक्शा पास कराने की व्यवस्था होगी। इस संबंध में जल्द ही निर्देश जारी करने की तैयारी है।

शहरी क्षेत्रों में बाढ़ बड़ी समस्या बन गई है। बारिश के दौरान सड़कों के साथ ही घरों में भी पानी भर जाता है। इससे विकास प्राधिकरणों और नगर विकास विभाग को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शहरों में जल निकासी के लिए आईआईटी कानपुर से अध्ययन रिपोर्ट तैयार कराते हुए इसके कारणों को चिह्नित किया गया है। आईआईटी विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां अपनी रिपोर्ट दी है। इसके आधार पर ही कुछ जरूरी व्यवस्थाएं लागू करने की तैयारी है, जिससे शहरों को जलभराव से निजात दिलाया जा सके।

उच्च स्तर पर तय किया गया है कि निजी कालोनियों का नक्शा पास करते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाए। खासकर जलभराव की क्या व्यवस्था की गई है। कालोनी में कितने मकान और व्यवसायिक प्रतिष्ठान बनाए जा रहे हैं। यहां से निकलने वाले कचरे और पानी को कैसे निस्तारित किया जाएगा। बारिश के समय अगर जलभराव की स्थिति आती है, तो कैसे बचाव किया जाएगा। इसके आधार पर ही यह तय किया गया है कि कालोनी बसाने के साथ ही जल निकासी के भी इंतजाम करने होंगे। नक्शा पास कराते समय यह बताना होगा कि प्रतिदिन उनके यहां से कितनी जल निकासी होगी।

हरौनी में पुलिस का सघन चेकिंग अभियान

20 वाहनों की जांच, 3 के खिलाफ चालान, रात में भी जारी रही कार्रवाई

करण वाणी

बंथरा। दक्षिण जोन के डीसीपी निपुण अग्रवाल, एडीसीपी अमित कुमावत, एसीपी विकास पाण्डेय और बंथरा प्रभारी निरीक्षक अजय नारायण सिंह के निर्देशन में हरौनी क्षेत्र में पुलिस ने एक सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना था।

अभियान में हरौनी चौकी प्रभारी अर्जुन राजपूत के नेतृत्व में एक टीम तैनात की गई, जिसमें सब-इंस्पेक्टर अरविंद यादव, उपनिरीक्षक हरिशंकर पाठक, मुख्य आरक्षी उदय प्रताप सिंह, आरक्षी अजय कुमार, आरक्षी देवेंद्र कुमार, महिला आरक्षी राम गुड़िया और सावित्री शामिल रहीं।इस चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने करीब 20 वाहनों की गहन जांच की। जांच के क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी अर्जुन राजपूत ने बताया कि यह अभियान केवल दिन के समय तक सीमित नहीं है, बल्कि रात्रि में भी नियमित रूप से चेकिंग की जा रही है।

उन्होंने कहा, हम रात के समय भी गश्त और चेकिंग अभियान को लगातार जारी रखे हुए हैं। संदिग्ध वाहनों को रोककर उनकी पूरी जांच की जा रही है ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई हो सके। यह अभियान स्थानीय लोगों के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत करने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे ताकि हरौनी और आसपास के क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था कायम रहे। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की है और इसे क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और नियम पालन के लिए एक प्रभावी कदम बताया है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ड्रग्स की तस्करी कर रही विदेशी महिला

करण वाणी

लखनऊ। एक विशेष खुफिया सूचना के आधार पर राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ मिलकर 05.04.2025 को युगांडा से दुबई होते हुए लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संख्या स्नं443 से पहुंची महिला यात्री को रोका। पूछताछ के दौरान महिला यात्री ने कैप्सूल के रूप में मादक पदार्थ निगलने की बात स्वीकार की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल, लखनऊ में की गई प्रारंभिक चिकित्सा जांच में महिला के पेट में कैप्सूल के आकार की कई वस्तुओं की मौजूदगी का पता चला। उक्त यात्री को आगे की चिकित्सा सलाह के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ रेफर किया गया। मेडिकल टीम की एवं डी.आर.आई. अधिकारियों की निगरानी में 05.04.2025 से 08.04.2025 तक 4 दिनों की अवधि में यात्री से कुल 34 कैप्सूल बरामद हुए, जिनमें एक सफेद पाउडर भरा पाया गया, इस पाउडर के मेथाक्वालोन होने की पुष्टि की गई। बरामद कैप्सूलों से लगभग 500 ग्राम मेथाक्वालोन मिला, जिसकी कीमत अवैध बाजार में 25 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। सभी कैप्सूल बरामद होने के उपरान्त ष्ठक्रढ्ढ के अधिकारियों द्वारा आगे की कानूनी कार्यवाही की गई और यात्री को हृष्ठक्क्र अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत 09.04.2025 को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने पैर में मारी गोली

गायों का काटता था, 25 हजार का इनामी

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ के रहीमाबाद इलाके में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। आरोपी गोवंश काटने के मामले में कई दिनों ने फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर बुधवार रात 11.40 बजे पुलिस ने सैफुल्लपुर के पास घेराबंदी की थी। पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में उसके दाएं पैर में गोली लगी। पूछताछ में आरोपी की पहचान रशीद उर्फ पप्पू के रूप में हुई। पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि रहीमाबाद के बंजारन खेड़ा गांव का रहने वाला रशीद मार्च महीने में मलिहाबाद में एक गोकशी के मामले में आरोपी था। बुधवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली की आरोपी सैफुल्लपुर के पास अपने एक दोस्त के साथ देखा गया है। उन्होंने बताया इलाके की घेराबंदी की गई। इस दौरान एक बाइक से दो युवक आते दिखाई दिए। उनको रुकने के लिए बोला गया तो आरोपियों ने फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी को गोली लगी, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। डीसीपी ने बताया रशीद उर्फ पप्पू रहीमाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है। आरोपी पर 10 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। वहीं 25 हजार का इनाम है। घायल को मलिहाबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया है। उससे दूसरे साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। मुठभेड़ में अंधेरे का फायदा उठाकर फरार आरोपी इस्लाम पुत्र हुसैन मोहम्मद की आधी रात के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह मुठभेड़ वाली जगह से 200 मीटर की दूरी पर पानी की टंकी के पास छिपा था। पुलिस को उसके पास पशुओं को बांधने वाली दो डोरी, तीन चाकू, एक कुल्हाड़ी, चापड़, तिरपाल और बोरा मिला।

विकास नगर लूट में फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी एसटीएफऔर विकास नगर पुलिस द्वारा विकासनगर में कारोबारी के साथ लूट करने वाले गिरोह के एक सदस्य 25 हजार के इनामी विपिन यादव को टेढ़ी पुलिया चौराहे के पास लखनऊ से गिरफ्तार किया। वहीं मुख्य साजिशकर्ता प्रेम बहादुर सिंह व उसके साथी सोनेन्द्र सिंह व गौरव मिश्रा को एसटीएफ टीम द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं एक लाख के इनामी सुशील मिश्र को प्रयागराज और एक लाख के पुरस्कार घोषित अभियुक्त वैभव सिंह को थाना क्षेत्र पीजीआई अन्तर्गत हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ मे बताया विपिन यादव निवासी प्रयागराज भी शामिल था। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही की टीम को सूचना मिली विपिन यादव टेढ़ी पुलिया चौराहे के पास मिलने आया है। जिसको घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त विपिन यादव ने पूछताछ पर बताया कि वर्ष 2018 में वसीम रजा की हत्या करने के मामले में वह लगभग 4 साल नैनी जेल में बंद था। जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती सुशील मिश्रा उर्फ रज्जन, अनुज मौर्या, मोहित यादव, सतीश सिंह से हुई थी। जेल से छूटने के बाद लूट की योजना बनाई। गिरफ्तार अभियुक्त को थाना विकासनगर में दर्ज दाखिल कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बारिश के बाद बिजली संकट

कई इलाकों में पेड़ों-खंभों पर उतरा करंट, पोल टूटकर गिरे

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह तेज आंधी-बारिश से बिजली व्यवस्था धड़ाम हो गई। पेड़ गिरने से बिजली के खंभे और तार टूट गए। कई इलाकों की बिजली घंटों गुल रही। कई जगह करंट उतरने की शिकायत भी आई।

शिकायतों के चलते विभाग को सुरक्षा को देखते हुए आपूर्ति बंद करनी पड़ी। इससे करीब पांच लाख की आबादी को परेशानी झेलनी पड़ी। गोलागंज फीडर स्थित चार बत्ती चौराहे के पास तेज हवाओं से तार टूट गए थे। जिस समय तार टूटा था उस समय बिजली सप्लाई चालू थी। स्थानीय लोगो ने इसकी जानकारी बिजली विभाग को दी जिसके बाद कनेक्शन काटा गया।

वहीं, केसरबाग में करंट आने की जानकारी मिलने पर एहतियातन उसे भी बंद कर दिया गया। बारिश के चलते विधानसभा से नया गांव, नजरबाग, फूलबाग और आस-पास के इलाकों में भी सप्लाई प्रभावित हुई है। कई जगह खंभों में करंट आने की सूचना मिलने से सावधानी के तौर पर सप्लाई रोक दी गई है। ओल्ड बालागंज फीडर में बारिश के बाद अचानक ब्रेकडाउन हो गया। इसके चलते झंडेवाला

चौराहे के पास एक डिस्क इंसुलेटर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, आजादनगर उपकेंद्र से जुड़ा 11 केवी ब्रौरा फीडर भी खराबी के कारण बंद है। इससे इलाके की बिजली गुल हो गई। साथ ही सीतापुर रोड योजना (सेक्टर-ए) सहित आसपास के कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। इन क्षेत्रों में करीब 3 घंटे से विद्युत आपूर्ति बाधित है। मोहन लालगंज के ओल्ड और न्यू सबस्टेशन से जुड़ी पीजीआई और खुजेहटा 33 केवी लाइन भी सुबह से ब्रेकडाउन में है, जिससे पचास हजार से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

फसलों को भारी नुकसान, डीएम ने तलब की रिपोर्ट

करण वाणी

लखनऊ। झमाझम बारिश किसानों के लिए आफत बनकर आई। तेज हवाओं और मूसलधार बारिश के चलते खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है। गेहूं के साथ सब्जियों की फसल को नुकसान की बात सामने आयी है। जिले के कई ग्रामीण इलाकों से फसलें गिरने और जलभराव की खबरें भी सामने आ रही हैं। डीएम के निर्देश के बाद जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने एडीओ कृषि व अन्य कर्मचारियों को फसलों के नुकसान के सर्वे का निर्देश दिया है। तीन दिनों के भीतर नुकसान की रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा। कृषि अधिकारी ने खुद कुछ जगहों का निरीक्षण किया। कृषि विभाग के कुछ अन्य अधिकारियों के मुताबिक, खासकर मोहनलालगंज, मलिहाबाद, सरोजनीनगर और बक्शी का तालाब क्षेत्रों में तेज हवाओं से गेहूं की पकी हुई बालियां गिरी हैं। जिससे कटाई में कठिनाई और उपज में गिरावट हो सकती है। वहीं कुछ जगहों पर खेतों में पानी भरने से फसल सड़ने का खतरा भी बना हुआ है। हालांकि दोबारा बारिश नहीं होने से किसानों को कुछ राहत मिली है। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि अगर निचले खेतों में जहां पानी भरा हो किसानों को तत्काल खेत से पानी निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बारिश से फसल की गुण्वत्ता पर कोई खास असर नहीं पड़ता है। डीएम ने दिए तत्काल सर्वे के निर्देश

> फसलों को हुए नुकसान के सर्वे का निर्देश दिया गया है। तीन दिन का समय दिया गया है। लखनऊ में ओलावृष्टि नहीं हुई। इससे फसलों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। गेंहू पक चुके थे इसलिए इनकी फसलें गिरी भी नहीं हैं। रिपोर्ट आने के बाद सही तस्वीर सामने आएगी। बीमा कराने वाले वाले किसान टोलफ्री नम्बर पर 72 घंटे में अपनी शिकायत दर्ज कराएं।
>
> **तेग बहादुर सिंह**
> **जिला कृषि अधिकारी**

जिलाधिकारी विशाख जी ने कृषि और राजस्व विभाग को नुकसान का तत्काल सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि किसानों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। नुकसान का सही आंकलन कर मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बारिश व आंधी के बाद सुबह ही फसलों का बीमा करने वाली कम्पनियों को सक्रिय कर दिया। इसकी सूचना कम्पनियों को दे दी है। इसी के साथ उन्होंने फसल बीमा कराने वाले किसानों से भी कहा है कि वह टोल फ्री नम्बर 14447 पर फोनकर 72 घंटे के भीतर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। जिनका बीमा नहीं है वह किसान राजस्व विभाग की टीम के पास अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। तीन दिनों में इसकी रिपोर्ट सामने आएगी। सभी टीमें लग गयी हैं। यह लगातार सर्वे करेंगी। अभी अधिकारी दो से तीन प्रतिशत नुकसान की बात कह रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

सपा की मासिक बैठक में पांच लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

अमेठी। जिले के समाजवादी पार्टी गौरीगंज स्थित जिला कार्यालय पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने की। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने व पार्टी की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने के साथ आगामी चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पांच लोगों ने सदस्यता ग्रहण की। सोमवार को आयोजित बैठक में श्याम लाल कोरी (ब्लाक), राजेश यादव (प्रधान), राजवीर मौर्य, राजेंद्र यादव एवं राम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सभी नवागत सदस्यों का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि पार्टी का विस्तार निचले स्तर तक तभी संभव है। जब सभी कार्यकर्ता समर्पण भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी समाज के सभी वर्गों की आवाज़ है। जो लोग हमारे विचारों से प्रेरित होकर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उनका हम खुले दिल से स्वागत करते हैं। हमारा लक्ष्य संगठन को गांव-गांव, बूथ-बूथ तक मजबूत करना है। समाजवादी पार्टी आने वाले चुनावों में एकजुट होकर जनहित के मुद्दों पर निर्णायक भूमिका निभाएगी। बैठक में अरशद अहमद (जिला महासचिव), चन्द्र शेखर यादव, अजय तिवारी, गुंजन सिंह (जिला अध्यक्ष महिला सभा), अवधेश मिश्रा, मनीराम वर्मा, राजेश प्रधान, धर्मराज पाल, शारदा प्रजापति, कैलाश यादव, सुनील, अशोक, राकेश कोहार, जगनाथ सरोज, धर्मेंद्र पासी, पड़ोही गुप्ता, उदय सिंह, दीपू, मनीष, अनिल सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसकी जानकारी समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेश मिश्र ने दी।

आर्यावर्त ग्रामीण बैंक रामनगर के मैनेजर की कार्यशैली से उपभोक्ता आहत

रामनगर। आर्यावर्त बैंक शाखा रामनगर के शाखा प्रबंधक के कार्य व्यवहार से बैंक आने वाले ग्राहक काफी परेशान है। बैंक के कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और शिकायत पर मैनेजर उल्टा ग्राहकों पर ही भड़कते हैं। ग्राहक एस पी शुक्ला ने बताया कि बैंक में खातों से बगैर ग्राहक की जानकारी के रुपए उड़ा देने का काम इस बैंक में किया जाता है।उनका खाता मां वैष्णो बैटरी एंड साउंड सर्विस फर्म के नाम से खुला है जिस खाते से 1180 रुपए बिना बताए काटे गए । जब उन्होंने शिकायत की तो मैनेजर और उखड़ गए। इस बैंक में इसी तरह से बिना बताए केसीसी खाता धारक सीसी खाता धारक व अन्य खातों से रकम काट ली जाती है जिससे खाता धारक काफी आहत है। आखिर इस तरह की लूटमारी जैसे काम आर्यावर्त बैंक शाखा रामनगर में कब तक चलेंगे यह बड़ा सवाल बना है।

चोरी की बाइक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

मसौली बाराबंकी। चार दिन पूर्व बांसा मेले से चोरी हुई बाईक को मसौली पुलिस ने बड़ागांव से बरामद कर अभियुक्त को जेल भेज दिया है। बताते चले कि गत 3 अप्रैल की धाम को बांसा मेले मे बैंक के सामने खड़ी सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर कटरा निवासी अनवार पुत्र अब्दुल हमीद की मोटरसाइकिल नम्बर यूपी क जी बी 5387 चोरी हो गयी थी जिसकी रिपोर्ट थाना मसौली मे दर्ज की गयी थी सोमवार की भोर उपनिरीक्षक शिवकुमार ने कस्बा सहादतगंज के मोहल्ला पकड़िया निवासी मो0 उस्मान पुत्र इस्लाम को गिरफ्तार उसके पास से चोरी की बाईक बरामद की।

फर्जी बैंक व पुलिस अधिकारी बनकर धोखाधड़ी में दो पीड़ितों को 1.19 लाख रुपए हुए वापस

बाराबंकी। साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए, साइबर ठगी के दो मामलों में पीड़ितों के 1,19,635 रुपए वापस कराए हैं। पहले मामले में मोहसंड थाना कोतवाली के रहने वाले आजम पुत्र मोहम्मद वसीम से साइबर अपराधियों ने बैंक केवाईसी अपडेट के नाम पर एक लाख रुपए ठग लिए थे। दूसरे मामले में जहांगीराबाद की एक महिला से फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर धमकी देते हुए 19,635 रुपए की ठगी की गई थी। दोनों पीड़ितों ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम थाने की टीम ने तकनीकी जानकारी का उपयोग कर संबंधित मर्चेंट से संपर्क किया। इसके बाद दोनों पीड़ितों की पूरी रकम उनके खातों में वापस करा दी गई।

मां की शिकायत पर केस दर्ज, आरोपी युवक फरार

बाराबंकी। कोठी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के बहला फुसलाकर अगवा करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर कोठी इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। शिकायत के मुताबिक, उनकी 13 वर्षीय बेटी 10 मार्च की शाम करीब 7 बजे से लापता है। परिवार ने तात रिश्तेदार में तलाश की। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया। जांच में पता चला है कि उनकी पुत्री को रायबरेली जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र के लालबहादुर पुरवा चौकी लाही निवासी आरोपी सुनील पुत्र टिनिया ने अगवा कर लिया है।पुलिस केस दर्ज मामले की जांच कर रही है।

पीआरवी 112 टीम ने परिजनों से मिलाया

बाराबंकी। सफदरगंज थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से कमजोर बच्चे को उसके परिवार से मिलाने में यूपी-112 की पीआरवी टीम ने अहम भूमिका निभाई। 6 अप्रैल 2025 को पीआरवी 5491 को सूचना मिली कि मुस्कीनगर गांव में एक 8 वर्षीय बच्चा पिछले 2-3 दिनों से भटक रहा है। सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पीआरवी टीम ने बच्चे को चॉकलेट और चिप्स देकर उससे बातचीत की। मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण बच्चा अपने बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाया। टीम में शामिल कमांडर हेड कांस्टेबल सोनू तिवारी, सब कमांडर कांस्टेबल महिपाल और पायलट हेड कांस्टेबल रामदेव यादव ने लगातार प्रयास किया। जांच में पता चला कि बच्चा थाना सफदरगंज क्षेत्र के दरियाबं गांव का रहने वाला है।

महिला ने निगला जहर,जिला अस्पताल पहुंचते ही मौत

बांगरमऊ,उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आलमपुर रेतवा निवासिनी एक महिला ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन उसे यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। किंतु जिला अस्पताल पहुंचते ही महिला ने दम तोड़ दिया। ग्राम आलमपुर रेतवा निवासिनी माया देवी 45 वर्ष के पति धनीराम की करीब छः साल पहले मौत हो चुकी है। बीते रविवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते माया देवी ने कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया।

विधायक ने चतुर्थ विद्युत वितरण खण्ड का किया उद्घाटन, दिव्यांगजनों को बांटी ट्राईसाइकिल

करण वाणी

बांगरमऊ,उन्नाव। क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार ने सोमवार को स्थानीय विद्युत वितरण खण्ड चतुर्थ में नए लखनऊ रोड फीडर का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने करीब पांच दर्जन दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल भी वितरित किया।

उद्घाटन अवसर पर विधायक श्री कटियार ने कहा कि गर्मी चालू होते ही आए दिन फाल्ट होती रहती थी।इसीलिए उन्होंने उच्च अधिकारियों से मिलकर इस समस्या के समाधान को कहा था। अब नया फीडर बन जाने से करीब 4 हजार बिजली उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से राहत मिलेगी। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता राजनाथ यादव, विद्युत उपखण्ड अधिकारी राम इकबाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा आदि मौजूद रहे। फीडर उद्घाटन के बाद विधायक श्री कटियार दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नगर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने करीब पांच दर्जन दिव्यांग जनों को माला पहनाकर ट्राई साइकिल वितरित की।

इसी गेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन का भी आयोजन हुआ।जिसमें विधायक श्री कटियार ने मुख्य अतिथि स्नातक एम.एल.सी अरुण पाठक, पार्टी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सम्मेलन में जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, बांगरमऊ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अर्जुनलाल दिवाकर, फतेहपुर चौरासी ब्लाक प्रमुख मनोज निषाद, क्षेत्रीय संयोजक नमामि गंगे सरोज सिंह चौहान, मण्डल अध्यक्ष गोविन्द कुशवाहा, जगजीत राजपूत, अजय द्विवेदी, संदीप सिंह, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश पाल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बालराव गुप्ता व नीरज गुप्ता आदि पार्टी कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

धरातल पर उतरने के साथ चंद कदम चलते ही हांफ रही अमृत सरोवर योजना

- 12 अमृत सरोवरों पर नहीं शुरू हो सका निर्माण कार्य
- कहीं ऐसा तो नहीं,सरकार को गुमराह कर रहे अधिकारी
- बजट मिलने के बाद कार्य पूरा हो सकेगा। इस संबंध में डीसी मनरेगा शेर बहादुर ने कहा कि जल्द ही जिन अमृत सरोवरों का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

करण वाणी

अमेठी। भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए वर्ष 2022 में अमृत सरोवर नाम से तालाब का निर्माण कराने का आदेश शासन द्वारा दिया गया था। जिसके तहत 280 तालाबों का चयन किया गया है। जिसमें से 55 का काम अधूरा है। वहीं 12 पर अभी काम तक शुरू नहीं हो सका है। सरकार ने जल संरक्षण के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक तालाब का निर्माण कराने का निर्देश दिया था। बाद में वर्ष 2022 में इन तालाबों का नाम अमृत सरोवर कर दिया। जिसके निर्माण को लेकर प्रारंभ में खूब ढिंढोरा पीटा गया। निर्माण की शुरुआत में 280 ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर निर्माण के लिए स्थान का चयन किया गया। इसमें से 225 सरोवरों का निर्माण अब तक पूरा कराया गया है। बाकी 55 में से 43 पर निर्माण कार्य जारी होने का दावा विभाग द्वारा किया जा रहा है। वहीं 12 अमृत सरोवरों पर अभी तक निर्माण कार्य शुरू भी नहीं हो सका है। विभागीय लोगों की मानें तो बजट के अभाव में निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। बजट मिलने के बाद कार्य पूरा हो सकेगा। इस संबंध में डीसी मनरेगा शेर बहादुर ने कहा कि जल्द ही जिन अमृत सरोवरों का निर्माण शुरू नहीं हुआ है। उन पर काम शुरू कराया जाएगा। अधूरे अमृत सरोवरों का कार्य भी जल्द पूर्ण कराया जाएगा। गौर करने वाली बात यह है कि सरकार की योजना का जनपद में क्या हाल है अभी तक अमृत सरोवर बनकर तैयार ही नहीं हो सके ,, और अधूरे भी है निर्माण अमृतसर सरोवरों की क्या दशा है इसे देखने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है, आखिर,सरकार को गुमराह करने का काम क्यों कर रहे हैं।

मजदूर की संदिग्ध मौत, कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

अमेठी। औद्योगिक जगदीशपुर क्षेत्र में स्थित वाइप कंपनी में कार्यरत मजदूर रमन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी के दौरान कंपनी में करंट लगने से रमन की मौत हुई थी। परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही और घटना छिपाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सुबह से रमन के पास फोन किया जा रहा था, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। जब परिजन कंपनी पहुंचे, तो भी उन्हें रमन की मौत की जानकारी नहीं दी गई। देर रात्रि को कंपनी के लोगों ने परिजनों को बुलाकर रमन की मौत की जानकारी दी। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यह मामला कमरौली थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और कंपनी प्रबंधन से पूछताछ कर रही है।

शिक्षक द्वारा लिखित किताब का हुआ विमोचन

करण वाणी

बीघापुर,उन्नाव। नगर पंचायत स्थित कमलापति इंटर कॉलेज के सहायक शिक्षक, साहित्यकार एवं कवि अनुज कुमार तिवारी द्वारा लिखित कथा लोक संग्रह के प्रथम भाग में संग्रहित 16 कहानियों पर चर्चा तथा पुस्तक का वितरण कार्यक्रम विद्यालय में आयोजित गोष्ठी में किया गया। साहित्यकार एवं कवि अनुज तिवारी द्वारा लिखित कथालोक के प्रथम भाग में संग्रहित 16 कथाओं पर चर्चा करते हुए, प्रधानाचार्य राजेंद्र दीक्षित ने कहा कि अनुज तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक निश्चित ही अंतर्मन को छूने वाली है परधानी और इंसानियत जैसी कथाएं निश्चित ही लंबे समय तक लोगों को प्रेरणा देती रहेंगी। विद्यालय प्रवक्ता डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहा कि तिरस्कार और परित्यकता जैसी कहानियां समाज के लिए आईना है।प्रवक्ता प्रमोद वर्मा, अरविंद मिश्रा, अनिल मिश्रा, नन्हेंलाल सरोज ने कहा कि अनुज तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक कथालोक में संग्रहीत कथाएं उनके प्रतिभा का प्रतिबिंब है। विद्यालय अध्यक्ष आर सी वाजपेई ने कहा कि तिवारी द्वारा लंबे समय से साहित्य जगत में रहकर काव्य निकुंज व प्रेमावलंबन जैसी पत्रिकाओं के संपादन में उनका विशेष सहयोग रहा है।

खेल मैदान के लिए मनरेगा से समतलीकरण हुआ मगर जिम्मेदारों की लापरवाही से फिर हो गया कब्जा

- निजामपुर खेल मैदान में लगा पुआल व पाथे जा रहे उपले

करण वाणी

रामनगर, बाराबंकी। पिछले साल मनरेगा से खेल मैदान समतलीकरण कराया गया तब लगा था कि इसका उपयोग गाँव के लोग खेल कूद के लिए कर सकेंगे मगर जिम्मेदारों की लापरवाही से उसमे उपले पाथे जा रहे और पुआल लगा हुआ है। ब्लॉक रामनगर के निजाम पुर में पिछले साल मनरेगा से लाखों खर्च कर खेल मैदान समतल किया गया व खाई बंधी उस समय भी यह अवैध कब्जे में था जिसे बड़ी मुश्किल से खाली कराया गया था मगर समतलीकरण के बात उसकी बेरीकेटिंग नहीं हुई जिसका नतीजा रहा कि धीरे धीरे लोग फिर उस पर कब्जा कर लिए।वहां के सचिव व प्रधान ने कब्जा हटवाकर तार की ही बाउंड्री यदि बनवा दी होती तो गाँव के युवाओं व बच्चों के लिए जरूरी यह खेलने का मैदान आज खाली होता। जिम्मेदार सचिव भी अपने कर्तव्यो के प्रति उदासीन् रहे और लोगो ने फिर से कब्जा जमा लिया। रोड साइड इस कीमती जमीन परअब इस समय उपले पाथे जा रहे व पुआल लगा है।ग्राम प्रधान से लेकर सचिव तक इस तरफ से नजरें फेरे है। समतलीकरण व खाई बनाने में जो सरकारी धन जिस कार्य के लिए उपयोग हुआ वह कार्य आम जन के काम नहीं आ रहा।अभी भी खेल मैदान से कब्जा हटवाने के लिए प्रयास नहीं हो रहा।

रोडवेज बस में मजदूर जहरखुरानी गिरोह का शिकार, स्वास्थ्य केन्द्र ने गम्भीर हालत के चलते जिला अस्पताल रिफर किया

- स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा गंभीर हालत में मजदूर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया

करण वाणी

बांगरमऊ,उन्नाव। फरीदाबाद से रोडवेज बस के जरिए अपने घर आ रहा एक मजदूर रास्ते में जहर खुरानी गिरोह का शिकार हो गया। बस के चालक व परिचालक मजदूर के भाई को घटना की सूचना देने के बाद उसे नगर के नानामऊ तिराहे पर उतार कर चले गए। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा गंभीर हालत में मजदूर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुशराज पुर अंतर्गत मजरा बाजी पुरवा निवासी मुकेश 27 वर्ष पुत्र सोबरन फरीदाबाद में रहकर मजदूरी करता है। वह बीते रविवार की शाम रोडवेज बस से अपने घर के लिए रवाना हुआ था। किंतु रास्ते में ही वह अज्ञात जहर खुरानी गिरोह का शिकार हो गया। बस के बांगरमऊ आने पर परिचालक को मुकेश बेहोशी की हालत में अपनी सीट पर मिला। तब परिचालक ने उसके मोबाइल से घटना की सूचना उसके भाई श्यामसुंदर को दी। चालक और परिचालक युवक को बेहोशी की हालत में नगर के नानामऊ मार्ग तिराहा पर उतारकर चलते बने। तभी उसका भाई आ पहुंचा और उसने आनन-फानन अपने भाई मुकेश को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सरकार चला रही स्कूल चलो अभियान

- किताबो में चल रहा कमीशन का खेल, कार्रवाई के नाम पर शिक्षा विभाग मौन

करण वाणी

अमेठी। जिले में प्राइवेट स्कूल वालो ने शिक्षा को व्यवसाय बना दिया,अब आम आदमी बच्चों को कैसे ऐसी स्थिति में कैसे शिक्षा दिला पाएगा,पढ़ाना बहुत कठिन हो गया है, जहां एक तरफ तो मंहगाई और ऊपर से स्कूलों की मन मानी! प्रदेश सरकार भले ही नई शिक्षा नीति से तमाम परिवर्तन का ढिंढोरा पीट रही हो, लेकिन निजी स्कूलों की निगरानी का कोई तंत्र नहीं है!ज्यादातर जगहों पर अभिभावकों को किताबें स्कूल के अंदर से या मनचाही दुकानों पर उपलब्ध कराई जा रही है,अब किताबें बेचने के तरीकों में थोड़ा बदलाव किया गया है।अब यह किताबें मिलने का स्थान स्कूल प्रबंधक खुद बता रहे है।अभिभावक जब बच्चों को दाखिला दिलाने आते है तो दुकान की जानकारी दे दी जाती है।ये काम ज्यादातर उन स्कूलों में हो रहा है, जो अपने आप को इंग्लिश मीडियम से मान्यता प्राप्त बताते हैं, जबकि 80% विद्यालयों की मान्यताएं यूपी बोर्ड द्वारा ही दी गई है,प्राइवेट स्कूलों की मनमानी तो यह है कि यह हर वर्ष नए सिलेबस की किताबें लगा रहे है।ऐसे में अगर किसी का बच्चा दूसरी कक्षा में पढ़ता है तो पहली कक्षा वाले बच्चे के काम यह किताबें नही आएंगी वहीं एक अप्रैल से स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है।स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया भी जोरों पर चल रहा है।परन्तु अभी तक शिक्षा विभाग ने किसी भी निजी स्कूल पर कार्रवाई नहीं की है! जबकि अधिकारियों को स्कूल में जाकर छापेमारी करनी चाहिए उन्हें किताबों के ढेर मिल जाएंगे! तो वहीं दूसरी तरफ स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता के कोई मानक तय नहीं है!यहां कम शैक्षिक योग्यता वाले अप्रशिक्षित युवक-युवतियों को शिक्षण कार्य में लगाया जाता है!इससे इस तरह के शिक्षकों को कम वेतन देकर अधिक मुनाफा कमा लेते हैं! इस कारण इस पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। किताबो में चल रहे कमीशन के खेल पर कार्रवाई के नाम पर शिक्षा विभाग फेल नज़र आ रहा है,शिक्षा माफियाओं ने अभिभावकों की जेबों पर डाका डालना शुरू कर दिया है,निजी स्कूलों द्वारा उनके मनचाहे प्रकाशकों की कापी किताबें लेने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया जा रहा है।इनमें जिले के अधिकांश स्कूल शामिल है।जिन स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें लगानी चाहिए, वहां निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ने को मजबूर कर रहे है! क्योंकि प्रकाशकों की ओर से स्कूलों को मोटा कमीशन दिया जा रहा है। यह कमीशन 30से 50 प्रतिशत होता है। किताबें कौन से प्रकाशक की लगेगी यह भी कमीशन पर निर्भर है।बल्कि स्कूल में बच्चों को जो किताब 50 रुपये में मिलनी चाहिए।

अनियंत्रित ऑटो पेड़ से टकराया दो घायल

मसौली बाराबंकी। बाराबंकी रामनगर हाईवे पर ज्योली मोड़ के निकट ओवर स्पीड के तहत अनियंत्रित होकर ऑटो हाईवे के किनारे पेड़ से टकरा गया। जिसमें चालक सहित दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भर्ती कराया। थाना मसौली अंतर्गत बाराबंकी रामनगर हाईवे के ज्योली मोड़ के निकट सोमवार की सुबह करीब 11 बजे ऑटो क्र32.ह 32 24 आटों जा रहा था कि अचानक मोटरसाइकिल आ जाने से बाइक को बचाने के चक्कर में आटों अनियंत्रित होकर हाइवे के किनारे लगे पेड़ से जा टकराई।जिसमें ऑटो चालक मुकेश सैनी निवासी दल सराय थाना रामनगर को घायल हो गया। मसौली पुलिस ने एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। चालक के आलावा एक पैसेंजर को हल्की चोट आई है।

विचार गोष्ठी के रूप में अम्बेडकर जयंती मनाएगी बसपा

- 14अप्रैल को जिले में एक दर्जन स्थानों पर निकलेगा झांकियों का जुलूस, धूमधाम से समारोह की तैयारी में लगे हुए है अम्बेडकरवादी संगठन
- कोरारी गिरधरशाह में हुआ अम्बेडकर सेवा समिति की इकाई का गठन

करण वाणी

अमेठी। संविधान निर्माता बोधिसत्व बाबा साहब डॉ अम्बेडकर की 134वीं जयंती जिले की सभी तहसीलों में धूमधाम से मनाई जाएगी। अमेठी, गौरीगंज, मुसाफिर खाना,जायस और भादर में झांकियो के जुलूस के बाद समारोह और सभा का आयोजन किया गया है। बहुजन समाज पार्टी की ओर से कान्हा मैरिज लान गौरीगंज में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। बहुजन समाज पार्टी की ओर से विचार गोष्ठी का विषय बाबा साहब डॉ अम्बेडकर का जीवन दर्शन और सामाजिक परिवर्तन के मूवमेंट की वर्तमान स्थिति निर्धारित है। बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार ने बताया कि जयंती का कार्यक्रम सुबह 11बजे से है। उन्होंने बामसेफ और बसपा से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं से साथ बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के सभी अनुयायियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

रामलीला मैदान अमेठी में आयोजित किया जाएगा भव्य समारोहः अम्बेडकर सेवा समिति की ओर से 14अप्रैल को झांकियो का जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस का समापन रामलीला मैदान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष उदय राज रावं, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय कुमार और कोषाध्यक्ष राजेश अकेला ने बताया कि तैयारी बैठकें रोज आयोजित की जा रही हैं।इस बार जुलूस में कई नई झांकियां शामिल होंगी।

ऐतिहासिक होगी डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 134 वीं जयन्तीः अम्बेडकर कल्याण समिति के जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र अम्बेडकर ने बताया कि संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती जनपद में बहुत हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाए जाने के लिए समिति ने एडी -चोटी का जोर लगा रही है। समिति का कार्यक्रम स्थल प्राथमिक विद्यालय तेजी का पुरवा, मिश्रौली सामने का मैदान निकट बाईपास गौरीगंज है। उधर अम्बेडकर महासभा और संत गाडगे यूथ ब्रिगेड की ओर से रणंजय इंटर कालेज के मैदान में समारोह आयोजित किया गया है। कार्यक्रम संयोजक संजय कनौजिया ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11बजे से शुरू होगा। दोपहर बाद भंडारे का भी आयोजन है। जायस में डा अम्बेडकर सेवा ट्रस्ट की ओर से समारोह आयोजित किया गया है।

हरिकेश भारती, अध्यक्ष, बृजेश सचिव बनाए गएः कोरारी गिरधरशाह में हुआ अम्बेडकर सेवा समिति की इकाई का गठन रविवार की शाम कोरारीगिरधरशाह में बैठक में अम्बेडकर सेवा समिति की इकाई का गठन किया गया। हरिकेश भारती को अध्यक्ष,हरी लाल बौद्ध को उपाध्यक्ष, अशोक कुमार सीटू को कोषाध्यक्ष, बृजेश कुमार को सचिव,राम मिलन को मंत्री मनोनीत किया गया है। शिक्षक संतोष कुमार गौतम को संरक्षक बनाया गया है। एडवोकेट कुल रोशन राव ने मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 14अप्रैल सर्वसमाज का महापर्व है।

एक को 3 साल की सजा और 5000 रुपए जुर्माना, दूसरे को जेल में बिताए समय की सजा और 3000 का जुर्माना

बाराबंकी। थाना सतरिख क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले में दो आरोपियों को अदालत ने दोषी करार दिया है। अपर जिला सत्र एवं न्यायाधीश कोर्ट नंबर-10 बाराबंकी ने अपने फैसले में राजस्थान के बूंदी जिले के गिरिराज गौतम को 3 साल का कठोर कारावास और 5000 रुपए का जुर्माना सुनाया है। दूसरे आरोपी शत्रोहन को जेल में बिताई गई अवधि की सजा के साथ 3000 रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। यह मामला 17 अप्रैल 2021 का है। उप निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने दोनों आरोपियों के पास से 200 ग्राम अवैध मॉर्फिन, क्रूड पाउडर और 27 किलोग्राम तरल पदार्थ बरामद किया था। इस मामले में थाना सतरिख में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29ए/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी ने वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य जुटाए और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया।

मेले से मिटते हैं आपसी गिले-शिकवे, जीवित रहती है पुरानी संस्कृतिः सपा विधायक गौरव

करण वाणी

मसौली, बाराबंकी। बांसा शरीफ में हजरत सैयद शाह अब्दुल रज्जाक की याद में आयोजित आठ दिवसीय मेले का समापन हुआ। विधायक गौरव कुमार रावत ने मजार पर चादर चढ़ाई। विधायक रावत ने कहा कि मेले लोगों को एक-दूसरे से मिलने और आपसी मतभेद मिटाने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों से पुरानी संस्कृति जीवित रहती है। सूफी संतों ने समाज में एकता का संदेश दिया और बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज ने मेला कमेटी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस मेले में देश भर से श्रद्धालु आते हैं। यहां लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं। मेला कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों का मेले में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कामिल अली, जमील अंसारी, मोहम्मद एखलाक अंसारी, मोहम्मद आमिन खादिम, मोहम्मद सलमान, मोहम्मद गुफरान खादिम, मोहम्मद नियाज खादिम, लल्ला यादव, जैशराम, संजय यादव और नितिन मौर्या सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यूक्रेन के साथ आए यूरोपीय देश

अरबों यूरो की देंगे सैन्य मदद

एजेंसी

ब्रुसेल्स। अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन तो अमेरिका का प्रस्ताव मानने के लिए तैयार हो गया है। मगर रूस ने अब तक सहमति नहीं जताई। वह यूक्रेन पर लगातार हमले कर रहा है। अब यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन के समर्थन में उतर आए हैं।

अमेरिका की मध्यस्थता के बावजूद रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम समझौता नहीं हो पा रहा है। रूस की तरफ अमेरिका के बढ़ते झुकाव को देखते हुए यूरोपीय देश यूक्रेन के समर्थन में उतर आए हैं। यूरोपीय देशों ने रूस का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन को सैन्य सहायता देने की तैयारी की है।शुक्रवार को ब्रुसेल्स में हुई बैठक में यूरोपीय देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए 21 अरब यूरो की सैन्य सहायता देने का एलान किया। उधर, अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने युद्ध विराम को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यूरोपीय सरकारों ने पुतिन पर युद्ध विराम के अपने कदम पीछे खींचने का आरोप लगाया है।यूक्रेन समर्थित देशों की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा कि कुल 21 बिलियन यूरो (. 24 बिलियन) से अधिक हैं। यह यूक्रेन के लिए सैन्य निधि में एक रिकॉर्ड वृद्धि है। हम समर्थन को अग्रिम पंक्ति की लड़ाई में भी बढ़ा रहे हैं। हालांकि यूक्रेन ने कहा कि पहले भी कुछ देश ऐसे सम्मेलनों में पुराने प्रस्तावों को दोहरा चुके हैं, लेकिन वादे के अनुसार हथियार और गोला-बारूद नहीं देते। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने पिछले सप्ताह कहा था कि यूक्रेन के समर्थकों ने इस वर्ष के पहले तीन महीनों में अब तक लगभग 21 बिलियन डॉलर प्रदान किए हैं।

अमेरिका को बेवकूफ बना रहे, चीन से उनकी मिलीभगत

मेटा की पूर्व अधिकारी का जुकरबर्ग पर आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन। मेटा की पूर्व कार्यकारी अधिकारी साराह व्यान-विलियम्स ने कहा कि मैंने मेटा के अधिकारियों को कई बार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करते और अमेरिकी मूल्यों के साथ विश्वासघात करते देखा है। हालांकि मेटा ने पूर्व अधिकारी के दावों का खंडन किया है। मेटा के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग पर उनकी ही कंपनी की एक पूर्व कार्यकारी अधिकारी ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेटा ने चीन में अपनी व्यावसायिक उपस्थिति के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया। मार्क जुकरबर्ग अमेरिकियों को बेवकूफ बना रहे हैं। जबकि चीन से उनकी मिलीभगत है।उन्होंने कहा कि मेटा के

अधिकारियों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को अमेरिकियों समेत तमाम यूजर्स के डाटा तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति दी। अपराध और आतंकवाद निरोध पर सीनेट न्यायपालिका उपसमिति के सीनेटर जोश हॉले के नेतृत्व में की गई सुनवाई के दौरान साराह व्यान-विलियम्स ने मार्क जुकरबर्ग पर कई आरोप लगाए।

मीडिया रिपोर्ट में सीबीएस न्यूज के हवाले से कहा गया कि सुनवाई के दौरान साराह व्यान-विलियम्स ने बयान दिया कि मैंने मेटा के अधिकारियों को कई बार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करते और अमेरिकी मूल्यों के साथ विश्वासघात करते देखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेटा ने चीन की सरकार के लिए कस्टम सेंसरशिप टूल बनाए। इससे कंटेट मॉडरेशन पर व्यापक नियंत्रण हुआ। व्यान विलियम्स ने कहा कि मेटा ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के आलोचकों को चुप कराने के लिए बीजिंग के साथ मिलकर काम किया।

मेटा ने किया दावों का खंडन

मेटा ने व्यान विलियम्स की गवाही का खंडन किया है। मेटा ने कहा कि उनकी गवाही वास्तविकता से अलग है। उनके दावे झूठे हैं। कंपनी के प्रवक्ता रयान डेनियल्स ने कहा कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कई बार चीन में अपनी सेवाएं देने में कंपनी की रुचि के बारे में सार्वजनिक रूप से कहा है। हम आज भी चीन में अपनी सेवाएं संचालित नहीं करते हैं।

व्यान विलियम्स को रोकने की कोशिश की गई

सीनेटर ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि मेटा ने व्यान विलियम्स को गवाही देने से रोकने की कोशिश की। ऐसा क्या है जो फेसबुक गवाह को बताने से रोकना चाहती है? उन्होंने कहा कि मार्क जुकरबर्ग ने सबसे बड़ी चाल चली। उन्होंने खुद पर अमेरिकी झंडा लपेट लिया और खुद को देशभक्त बताया। जुकरबर्ग कहते हैं कि वे चीन में अपनी सेवाएं नहीं देते, जबकि उन्होंने पिछले एक दशक में वहां 18 बिलियन डॉलर का कारोबार खड़ा किया है।

डोनाल्ड ट्रंप और सरकारी अधिकारियों की हत्या की दी धमकी

एजेंसी

वॉशिंगटन। मिस्टर सैटन नाक खाते से पोस्ट किए गए वीडियो में कहा गया कि हमें बस लोगों को मारना शुरू करना होगा। ट्रंप, एलन, ट्रंप द्वारा नियुक्त सभी एजेंसियों के प्रमुखों और जो भी इस काम में बाधा बन रहा है। वीडियो का आईपी एड्रेस चेक किया गया तो वह शॉन मोनपर के घर का निकला। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का लगातार विरोध हो रहा है। इस बीच एक युवक ने ऑनलाइन वीडियो और संदेश पोस्ट करके ट्रंप और सरकारी अधिकारियों को हत्या करने की धमकी दे दी।

न्याय विभाग ने कहा कि युवक पर लगे आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी 32 वर्षीय शॉन मोनपर को हिरासत में ले लिया है।

न्याय विभाग ने कहा कि एफबीआई को एक यूजर की ओर से पोस्ट की गई धमकियों के बारे में संदेश मिला। मिस्टर सैटन नामक खाते से पोस्ट किए गए वीडियो का आईपी एड्रेस चेक किया गया तो वह शॉन मोनपर का घर निकला। शॉन मोनपर पेंसिलवेनिया का रहने वाला है, जहां चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप पर हमला किया गया था। जांच में सामने आया कि ट्रंप के शपथ लेने के बाद मोनपर ने एक कमेंट किया कि उसने शस्त्र लाइसेंस प्राप्त कर लिया है। उसने कई बंदूकें खरीद लीं हैं और वह गोला-बारूद जमा कर रहा है।

इसके बाद 17 फरवरी को उसने पोस्ट किया कि हमें बस लोगों को मारना शुरू करना होगा। ट्रंप, एलन, ट्रंप द्वारा नियुक्त सभी एजेंसियों के प्रमुखों और जो भी इस काम में बाधा बन रहा है। याद रखें, हम बहुसंख्यक हैं। एमएजीए देश में अल्पसंख्यक है और जब तक कदम उठाने का समय आएगा, तब तक वे कमजोर हो चुके होंगे। कई लोग इन नीतियों से कुचले जा चुके होंगे, और वे भी बदला लेना चाहेंगे। चार मार्च को युट्यूब पर लाइव में उसने कहा कि वह खुद ट्रंप की हत्या करने जा रहा है। अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा कि लोग आश्वस्त रहें कि जब भी और जहां भी हत्या या सामूहिक हिंसा की धमकी होगी, न्याय विभाग संदिग्ध को ढूंढेगा, गिरफ्तार करेगा और कानून की पूरी सीमा तक मुकदमा चलाएगा तथा अधिकतम उचित सजा की मांग करेगा।

सिंगापुर सरकार ने 4 भारतीयों को किया सम्मानित

जान जोखिम में डालकर बचाई थी बच्चों-वयस्कों की जिंदगी

एजेंसी

सिंगापुर। सिंगापुर में जलती इमारत से बच्चों और वयस्कों की जान बचाने वाले चार भारतीय कामगारों को सम्मानित किया गया। सरकार ने उनकी बहादुरी के लिए उन्हें फ्रेंड्स ऑफ एसीई पुरस्कार से सम्मानित किया। हादसे में 22 लोग फंसे थे, जिनमें एक बच्ची की मौत हो गई।सिंगापुर सरकार ने चार भारतीय प्रवासी कामगारों को आग से जलते एक शॉपहाउश से बच्चों और वयस्कों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। इस हादसे में कुल 16 बच्चे और छह वयस्क फंसे हुए थे। ये चार बहादुर भारतीय इंदरजीत सिंह, सुब्रमण्यन शरणनराज, नागराजन अंबरासन और सिवासामी विजयाराज हैं। इन सभी को सिंगापुर के श्रम मंत्रालय के एसीई (आश्वासन, देखभाल और सहभागिता) ग्रुप की ओर से फ्रेंड्स ऑफ एसीई सम्मान दिया गया, जो प्रवासी कामगारों की भलाई के लिए काम करता है।तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन शरणराज ने कहा, हमारे भी बच्चे हैं। अगर हमारे बच्चे फंसे होते तो क्या हम चुपचाप देखते रहते? उनके साथी नागराजन अंबरासन ने भी कहा,जब बच्चों को तकलीफ में देखा तो हमसे सहन नहीं हुआ।

क्या हुआ था?

आठ अप्रैल की सुबह जब इन कामगारों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। यह शॉपहाउस बच्चों के लिए कुकिंग कैंप चलाता है।

किस तरह बचाया?

कामगारों ने बच्चों को खिड़की के बाहर की मुंडेर पर खड़ा किया गया। इसके बाद मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों को एक-एक कर नीचे सुरक्षित उतारा। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना सुरक्षा उपकरण के ही उन्हें बचाया। सिर्फ 10 मिनट में उन्होंने सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स (एससीडीएफ) के पहुंचने से पहले ही 10 बच्चों की जान बचा ली थी।

तुर्किये की चेतावनी पर ईयू ने जताई नाराजगी

एजेंसी

निकोसिया। साइप्रस के राष्ट्रपति ने दावा किया कि यूरोपीय संघ ने तुर्किये की उस चेतावनी पर नाराजगी जताई है जिसमें उसने ग्रीस और साइप्रस के बीच बिजली केबल परियोजना में बाधा डालने की बात कही थी। यह परियोजना यूरोप, साइप्रस और इस्राइल के लिए रणनीतिक रूप से अहम है और इससे उन्हें ऊर्जा संकट में राहत मिलने की उम्मीद है।यूरोपीय संघ (ईयू) ने तुर्किये की इस चेतावनी को लेकर गहरी नाराजगी जताई है कि वह ग्रीस और साइप्रस के बीच बिजली केबल लिंक को स्थापित करने में बाधा डालने की कोशिश करेगा। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि तुर्किये के अधिकारियों के साथ वार्ता में ईयू का

आक्रोश साफ तौर पर दिखा। इस वार्ता में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और भूमध्यसागर मामलों की आयुक्त डबरावका सुइका भी शामिल थीं।

ईयू ने ग्रेट सीज इंटरकनेक्टर (जीएसआई) नामक परियोजना में करीब 800 मिलियन यूरो (908 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश किया है, जो ग्रीस और साइप्रस को जोड़ने के साथ-साथ भविष्य में इस्राइल के पावर ग्रिड से भी जुड़ जाएगा। यह केबल ग्रीस से इस्राइल तक कुल 1,208 किलोमीटर लंबी होगी।

अपील करेगा इस्राइल विरोधी महमूद खलील

एजेंसी

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है। 8 मार्च को खलील को पुलिस ने यूनिवर्सिटी परिसर से ही हिरासत में लिया था। बीते साल कोलंबिया विश्वविद्यालय में इस्राइल विरोधी और फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले महमूद खलील को निर्वासित करने का आदेश दे दिया गया है। अब महमूद खलील के वकील ने कहा है कि वे इस आदेश को चुनौती देंगे। संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने बीते महीने महमूद खलील को हिरासत में लिया था। उल्लेखनीय है कि महमूद खलील अमेरिका का नागरिक है और उसकी पत्नी, जो गर्भवती है, वह भी अमेरिकी नागरिक है। हिरासत में लिए जाने के बाद महमूद खलील को कोलंबिया से हजारों मील दूर लुइसियाना के जेना में स्थित हिरासत केंद्र में रखा गया है।

खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों का छात्र है। बीते साल जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी में गाजा के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए तो महमूद खलील ने ही इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ब्लॉक पर कब्जा कर लिया था। जिसके चलते खासा हंगामा हुआ था और पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी थी। प्रदर्शन के दौरान महमूद खलील ने अपना चेहरा नहीं छिपाया और मीडिया से भी बात की, जिससे वह ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ गया। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है। 8 मार्च को खलील को पुलिस ने यूनिवर्सिटी परिसर से ही हिरासत में लिया था।

खलील पर किसी कानून के उल्लंघन का नहीं आरोप

खलील पर किसी कानून के उल्लंघन का आरोप नहीं है। यही वजह है कि खलील के वकील ने उसे हिरासत में रखने के आदेश को चुनौती दी है। वकील का कहना है कि अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन में जो प्रावधान हैं, वे खलील के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हैं। इसी आधार पर खलील के निर्वासन के आदेश को चुनौती देने की तैयारी है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि हमास समर्थक, यहूदी विरोधी विरोध प्रदर्शनों में शामिल गैर अमेरिकी नागरिकों को निर्वासित किया जाएगा। खलील के बाद कई छात्रों को निर्वासित कर भी दिया गया है।

यूएस की जगह नहीं ले सकेगा चीन

टैरिफ के खिलाफ वैश्विक मोर्चेबंदी की जिनपिंग की कोशिशों पर फ्रांस

एजेंसी

बीजिंग। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने कहा है कि यह सोचना भोलापन और खतरनाक है कि चीन एक व्यापार भागीदार के रूप में अमेरिका की जगह ले सकता है। उन्होंने चीन से दोस्ती को खतरनाक बताते हुए यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्यों से वैश्विक व्यापार तनाव के मौजूदा माहौल में एक साथ रहने का आग्रह किया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन पर भारी टैरिफ लगाने के बाद उसने कई देशों के साथ मिलकर वैश्विक मोर्चाबंदी की शुरुआत कर दी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग न सिर्फ अगले हफ्ते दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देशों की यात्रा करेंगे बल्कि उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) से अमेरिका की एकतरफा धौंस का विरोध करने का आह्वान भी किया। उधर, ईयू ब्लॉक से जुड़े फ्रांस ने कहा कि चीन एक व्यापार भागीदार के रूप में अमेरिका की जगह नहीं ले सकेगा।अमेरिका के खिलाफ मोर्चाबंदी के लिए चीनी राष्ट्रपति अगले सप्ताह की शुरुआत दक्षिण-पूर्व एशिया के वियतनाम, मलयेशिया और कंबोडिया की यात्रा से करने वाले हैं, जो चीन पर 145त्न अमेरिकी टैरिफ के बाद उनका पहला विदेश दौरा होगा। उधर, नए टैरिफ से 90 दिनों की छूट के बाद भी भविष्य की चिंता को लेकर ईयू के प्रमुख हिस्सेदार और स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज शुक्रवार को चीन पहुंचे। उन्होंने शी जिनपिंग से मुलाकात की। शी ने अपनी पहली टिप्पणी में कहा, टैरिफ युद्ध में कोई जीतेगा नहीं और दुनिया के खिलाफ जाने से अलगाव होगा। उन्होंने अमेरिका की एकतरफा धौंस का साझा विरोध कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार वातावरण के लिए मिलकर काम करने का आव्हान किया। इस पर फ्रांसीसी पीएम फ्रेंकोइस बायरू ने कहा, चीन किसी भी तरह अमेरिका का स्थान नहीं ले सकता है।

चीन से दोस्ती खतरनाक

फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने कहा है कि यह सोचना भोलापन और खतरनाक है कि चीन एक व्यापार भागीदार के रूप में अमेरिका की जगह ले सकता है। उन्होंने चीन से दोस्ती को खतरनाक बताते हुए यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्यों से वैश्विक व्यापार तनाव के मौजूदा माहौल में एक साथ रहने का आग्रह किया। बायरू ने शुक्रवार को यह टिप्पणी बीजिंग में शी जिनपिंग और स्पेन के पीएम की मुलाकात के बाद की। उन्होंने ऐसे मौके पर एकजुटता को जरूरी बताया।

आनंद शाह पर जुआ-सट्टेबाजी गिरोह चलाने का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन। जांच के दौरान ही पुलिस ने 9 अप्रैल को टोटोवा, गारफील्ड और वुडलैंड पार्क में चार पोकर क्लबों की तलाशी ली गई, जिसमें इस अपराध का खुलासा हुआ।

भारतीय मूल के एक अमेरिकी नेता पर जुए और सट्टेबाजी का गिरोह चलाने का आरोप लगा है। इसके चलते भारतवंशी नेता समेत कुल 39 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि इन लोगों ने जुए और सट्टेबाजी से 30 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की कमाई की है। न्यूजर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि आनंद शाह (42 वर्षीय) प्रॉस्पेक्ट पार्क, न्यू जर्सी के पार्षद और व्यवसायी हैं। आरोप है कि आनंद शाह ने संगठित अपराध गिरोह के साथ मिलकर अवैध पोकर गेम और ऑनलाइन स्पोर्ट्सबुक का अवैध धंधा संचालित किया।

पुलिस ने बताया कि आनंद शाह ही जुआ गतिविधियों का पूरा प्रबंधन और देखरेख करता था और इसके बदले उसे अपराध से हुई आय का एक हिस्सा मिलता था। गिरोह के सदस्यों ने जुए से होने वाली अवैध कमाई को छिपाने के लिए कई शेल कंपनियां बनाई हुईं थी। यही वजह है कि पुलिस इस मामले की मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से भी जांच कर रही है।

शाह समेत 39 लोगों पर आरोप

शाह समेत 39 लोगों पर इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी जर्सी में 12 स्थानों पर रैकेट चलाने, जुआ अपराध, धन शोधन और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। आरोपियों में फ्लोरिडा के लॉन्गवुड के भारतीय मूल के समीर नादकर्णी (48 वर्षीय) भी शामिल हैं। पुलिस संगठित अपराध गिरोह चलाने वाले लुचेसी अपराध परिवार की जांच कर रही थी। इस जांच के दौरान ही पुलिस ने 9 अप्रैल को टोटोवा, गारफील्ड और वुडलैंड पार्क में चार पोकर क्लबों की तलाशी ली गई, जिसमें इस अपराध का खुलासा हुआ।

ढाका में बैशाख मंगल शोभायात्रा से पहले फूंका गया फासीवाद का मुखौटा, तनाव

ढाका। यूनेस्को से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्य बैशाख मंगल शोभायात्रा निकलने से पहले फासीवाद का मुखौटा (प्रतीकात्मक चित्र) आगे के हवाले कर दिया गया। यह शोभायात्रा 14 अप्रैल को निकलनी थी। इससे ढाका विश्वविद्यालय में तनाव है। इसे ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (चारुकोला) ने बनाया था।ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर एसोसिएट प्रोफेसर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि यह घटना आज सुबह हुई। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रॉक्टर ने बताया कि फासीवाद के मुखौटे के साथ कबूतर की तस्वीर भी जलाई गई। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग किसने लगाई।

उपराष्ट्रपति वेंस और एनएसए वाल्ट्ज 21 को आ सकते हैं भारत

पीएम मोदी की सऊदी यात्रा से पहले करेंगे मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ को लेकर दुनिया भर में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति और एनएसए माइकल वाल्ट्ज भारत दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि वे दोनों एलग-एलग दौरे पर रहेंगे।

वहीं कहा जा रहा है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा समेत अन्य रणनीतिक व सामरिक संबंधों पर चर्चा कर सकते हैं। व्यापार समझौते की बातचीत के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज के 21 अप्रैल को भारत के दौरे पर आने की उम्मीद है।

भारत सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने शुक्रवार देर रात बताया कि वेंस और वाल्ज अलग-अलग दौरे पर आएंगे। सूत्रों ने बताया कि वाल्ट्ज की यात्रा पूरी तरह से व्यावसायिक यात्रा होगी। वह अपने भारतीय वार्ताकारों के साथ हिंद-प्रशांत में सुरक्षा सहित कई प्रमुख मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे।

22 अप्रैल से सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाने से पहले वेंस और वाल्ट्ज दोनों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। कयास लगाया जा रहा है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा समेत अन्य रणनीतिक व सामरिक संबंधों पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि अमेरिकी एनएसए उच्च प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और निर्यात नियंत्रण के क्षेत्रों में सहयोग के लिए पहल का अनावरण करने के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं। वाल्ट्ज को भारत-अमेरिका के मजबूत संबंधों के समर्थक के रूप में जाना जाता है।

हमलावरों को मिलना चाहिए निशान-ए-हैदर

एजेंसी

वॉशिंगटन। 2008 के मुंबई आतंकी हमले में 166 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इस हमले में कई पुलिसकर्मी शहीद हुए थे, जिसमें मुंबई पुलिस के तीन बड़े अधिकारी भी शामिल थे। पाकिस्तान से आए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने इस भीषण हमले को अंजाम दिया था। तहव्वुर राणा इस साजिश के मुख्य षड्यंत्रकारियों में से एक है। इनमें से एक आतंकी अजमल कसाब को जिंदा भी पकड़ा गया था, जिसे साल 2012 में फांसी दे दी गई।

अमेरिकी न्याय विभाग ने खुलासा किया कि आतंकी राणा ने 26/11 आतंकी हमले के तुरंत बाद मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली से कहा था कि भारतीय इसी के लायक थे। उसने मुंबई हमलों में सुरक्षाबलों के हाथों मारे गए लश्कर-ए-ताइबा के नौ आतंकियों की तारीफ की थी। कहा था, सभी को पाकिस्तान का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार निशान-ए-हैदर दिया जाना चाहिए।न्याय विभाग ने कहा, दो साल से अधिक समय तक हेडली शिकागो में राणा से बार-बार मिला और लश्कर की गतिविधियों, मुंबई हमले की साजिशों पर बातचीत की। अमेरिकी न्याय विभाग ने राणा की हेडली के साथ इंटरसेप्ट की गई बातचीत के हवाले से यह खुलासा किया है।हमने मुंबई हमले की साजिश रचने के आरोपों का सामना करने के लिए राणा को भारत प्रत्यर्पित किया है।

कई राज उगलवाने बाकी

आतंकी राणा ने हमले से पहले जिन शहरों का दौरा किया था, जांच एजेंसी उसे उन्हीं स्थानों पर ले जाकर पूछताछ करेगी। उम्मीद है इससे अहम सुराग मिलेंगे।राणा 13 से 21 नवंबर, 2008 के बीच पत्नी समराज अख्तर के साथ उत्तर प्रदेश के हापुड़ व आगरा, दिल्ली, कोच्चि, अहमदाबाद और मुंबई गया था। शक है कि इसके पीछे देश के अन्य स्थानों को भी निशाना बनाने की साजिश थी।राणा से पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा और आईएसआई के साथ संबंधों पर भी पूछताछ होगी।

जांच में सहयोग नहीं कर रहा राणा

एनआईए ने शुक्रवार को राणा से नई दिल्ली स्थित मुख्यालय पर पूछताछ की। एजेंसी के अनुसार राणा सहयोग नहीं कर रहा है। हिरासत के दौरान एजेंसी रोजाना राणा से पूछताछ की डायरी तैयार करेगी। अंतिम चरण की पूछताछ के बाद इसे पूरे मामले के खुलासे के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा।

फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में 24 घंटे के अंदर दूसरा विमान हादसा हुआ है। न्यूयॉर्क के बाद फ्लोरिडा में एक छोटे विमान (सेसना 310 आर) के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क के विमान हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय अधिकारियों और अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार सुबह फ्लोरिडा के बोका रैटन में हुआ।एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, बोका फायर रेस्क्यू के सहायक अग्निशमन प्रमुख माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में स्पष्ट रूप से कुछ यांत्रिक समस्याएं थीं और यह मिलिट्री ट्रेल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आसमान से गिरने पर यह सबसे पहले कार से टकराया। इसके बाद उसमें आग लग गई। आग के कारण वह पेड़ से टकरा गया।अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सेसना 310 आर ने सुबह 10~15 बजे बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पांच कानूनी कंपनियों के साथ किए समझौते

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पांच प्रमुख कानूनी कंपनियों के साथ समझौते किए हैं, जिसके तहत ये कंपनियां ट्रंप प्रशासन के समर्थन वाले कामों के लिए मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करेंगी, बदले में इन कंपनियों को व्हाइट हाउस की सजा से बचने का मौका मिलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पांच बड़ी कानूनी कंपनियों के साथ समझौते किए। इन समझौतों के तहत कंपनियों को ट्रंप प्रशासन के समर्थन वाले कामों के लिए लाखों डॉलर की मुफ्त कानूनी सेवाएं देनी होंगी। इसके बदले में इन कंपनियों को दंडात्मक कार्यकारी आदेशों से बचने का मौका मिलेगा। यह समझौता दिखाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप लगातार प्रमुख कानूनी कंपनियों को अपने पक्ष में लाने में सफल हो रहे हैं।

ये कानूनी कंपनियां ट्रंप प्रशासन के साथ समझौते करने की कोशिश कर रही हैं, ताकि वह व्हाइट हाउस के निशाने के निशाने पर न आ सकें। व्हाइट हाउस से जिन पांच कानूनी कंपनियों ने समझौते किए हैं, उनमें कैडवालेडर, विकरशम एंड टैफ्ट; कर्कलैंड एंड इलिस; ऐलन ओवरी शियरमैन स्टर्लिंग यूएस; सिम्पसन थैचर एंड बार्टलेट; और लेथम एंड वाटकिंस शामिल हैं। पिछले दो महीनों में कानूनी समुदाय और प्रमुख कानूनी कंपनियों के खिलाफ जारी किए गए कई कार्यकारी आदेश ट्रंप की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा रहे हैं, जिसका मकसद नागरिक समाज को फिर से आकार देना और उन संस्थाओं से रियायतें हासिल करना है, जिनके काम का वह विरोध करते हैं।

इन आदेशों में कानूनी कंपनियों के रोजमर्रा के कामकाज को प्रभावित करने की धमकी दी गई। इनमें उनके वकीलों की सुरक्षा मंजूरी छीनना, उनके कर्मचारियों को संघीय इमारतों तक पहुंच से रोकना और कंपनियों या उनके ग्राहकों द्वारा किए गए संघीय ठेकों को समाप्त करना शामिल थे।

पीएम मोदी के अभियान को बताया कचरा

साल 1989 में तेलुगु इंडस्ट्री में एक 26 साल का लड़का अपनी सिविल इंजीनियर की नौकरी छोड़ फिल्म बनाता है। अपनी पहली ही फिल्म 'शिवा' से बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड जीतता है। कमाल की तकनीक और साउंड डिजाइन के लिए फिल्म को तारीफें मिलती हैं।फिर वही लड़का बॉलीवुड का रुख करता है और ऑडियंस के लिए फिल्म 'रंगीला' लेकर आता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए रिकॉर्ड बनाती है। 41वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में फिल्म को 14 नॉमिनेशन मिले, जिसमें 7 जीते भी।उस लड़के का नाम राम गोपाल वर्मा है। जिन्हें इंडस्ट्री में प्यार से रामू या ऋन्ङ्क भी कहा जाता है। रामू आज 63 साल के हो गए हैं। फिलहाल अपने अनफिल्टर्ड नेचर और अजीब हरकतों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले रामू की छवि हमेशा से ऐसी नहीं थी। इंडस्ट्री में उनकी पहचान एक ऐसे डायरेक्टर की थी, जो फिल्मों के साथ एक्सपेरिमेंट करता है। बॉलीवुड को जिसने साउंड डिजाइन, कैमरा एंगल, नई तकनीक से रूबरू कराया। जिसने इंडस्ट्री को पहली बार स्टेडीकैम से इंट्रोड्यूस कराया।

90 के दशक में जब बॉलीवुड में प्यार-मोहब्बत वाली फिल्में बन रही थीं, उस समय उन्होंने दर्शकों को अंडरवर्ल्ड की कहानियां दिखाईं। ये एक तरह का एक्सपेरिमेंट था और वो उसमें सफल भी हुए। कभी वो बिना गानों की फिल्म बनाते, तो कभी भूतिया फिल्म बनाने लगते तो कभी गैंगस्टर की दुनिया दिखाते।

लेकिन अब के राम गोपाल वर्मा अपने कंट्रोवर्शियल ट्वीट के लिए जाने जाते हैं। अपने ट्वीट में वो राजनेता, धर्म, इंडस्ट्री किसी को नहीं छोड़ते। अपने ऊपर लगे आरोपों पर उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो हमेशा से ही इतने बेबाक थे। अब क्योंकि सोशल मीडिया का जमाना है इसलिए लोगों को लगता है कि मैं अब ऐसा हूं।आज डायरेक्टर के जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनके कुछ बेबाक फैसले और ट्वीट के बारे में बताएंगे, जिनकी वजह से बवाल मच चुका है।

पीएम मोदी के स्वच्छता अभियान ऐड को बताया बेकार:रामू सोशल मीडिया पर पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान की आलोचना कर चुके हैं। साल 2016 में सरकार के स्वच्छ भारत अभियान ऐड पर तंज कसते हुए उन्होंने पीएम मोदी के लिए मैसेज भी दिया था। उन्होंने ट्वीट किया, फिल्म्स डिवीजन का स्वच्छ भारत विज्ञापन 'आग' से भी बदतर है। किसी को श्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि इस तरह के विज्ञापन भारत को और भी गंदा बना देंगे। उनके इस ट्वीट से काफी हंगामा मचा। पीएम मोदी के समर्थकों ने डायरेक्टर को खूब खरी-खोटी सुनाई थी।

जांघों की वजह से श्रीदेवी बनीं सुपरस्टार: श्रीदेवी को लेकर रामू का पागलपन 80 के दशक से जारी है। उनके फिल्मों में आने की एक वजह श्रीदेवी भी हैं। कई बार पब्लिकली उन्होंने एक्ट्रेस को लेकर अपना प्यार जाहिर किया है। श्रीदेवी को लेकर वो बोनी कपूर से लड़ते-भिड़ते रहे हैं। साल 2015 के नवंबर में वो गन्स एंड थाइज- द स्टोरी ऑफ माई लाइफ नाम से बुक लेकर आए।इस बुक में अंडरवर्ल्ड और बॉलीवुड के किस्से छपे थे। इस किताब में उन्होंने श्रीदेवी को एक पूरा चैप्टर डेडिकेट किया था। उन्होंने श्रीदेवी को हाउसवाइफ बनाने के लिए बोनी कपूर को जमकर लताड़ा भी था।फिर साल 2022 में उन्होंने एक्ट्रेस को लेकर कई ट्वीट किए, जिस पर बवाल मचा। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा था, 'मैं श्रीदेवी की उनकी जांघों, स्माइल, एक्टिंग, सेंसटिविटी, व्यक्तित्व के लिए बहुत इज्जत करता हूं। इससे भी ज्यादा मैं बोनी कपूर के लिए उनके प्यार का सम्मान करता हूं। अगर सिर्फ एक्टिंग टैलेंट ही स्टारडम का पैमाना है, फिर स्मिता पाटिल श्रीदेवी से बड़ी स्टार क्यों नहीं हैं? थंडर थाइज ने फर्क पैदा कर दिया।'रामू ने अपने करियर की दूसरी फिल्म क्षण-क्षणम श्रीदेवी को लेकर बनाई थी। इस फिल्म को वो एक्ट्रेस के लिए अपना लव लेटर बताते हैं।रामू ने अपने करियर की दूसरी फिल्म क्षण-क्षणम श्रीदेवी को लेकर बनाई थी। इस फिल्म को वो एक्ट्रेस के लिए अपना लव लेटर बताते हैं।

गणेश चतुर्थी पर भक्तों को कहा मूर्ख:साल 2014 में गणेश चतुर्थी के मौके पर रामू ने एक्स (पहले ट्विटर) पर भक्तों से पंगा लिया। अपने टिपिकल स्टाइल में उन्होंने गणेश चतुर्थी पर कई सारे ट्वीट किए। पहले सबको विश करते हुए उन्हें लिखा- 'जो अपना सिर नहीं बचा सके, वो दूसरों की क्या रक्षा करेंगे? फिर भी मूर्खों को गणेश चतुर्थी की बधाई। कोई मुझे बताएगा कि आज गणेश का जन्‍म हुआ था या उनके पिता ने उनका सिर काटा था। भगवान गणेश अपने हाथ से खाते हैं या सूंड से?'सोशल मीडिया पर उनके इस ट्वीट को लेकर काफी नाराजगी जताई गई। धार्मिक संगठनों ने भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई। जयपुर में लोग सड़कों पर उतर विरोध-प्रदर्शन करने लगे। विवाद बढ़ता देख उन्होंने बाद में माफी मांग ली।

सलमान और लॉरेंस बिश्नोई मामले में मजाकिया पोस्ट:काले हिरण मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक्टर सलमान खान के पीछे हाथ धोकर पड़ा हुआ है। लॉरेंस बिश्नोई एक्टर को जान से मारकर काले हिरण का बदला लेना चाहता है। साल 2024 में लॉरेंस के शूटर ने सलमान के घर के बाहर फायरिंग की थी। तब रामू ने पूरी घटना को लेकर एक्स पर पोस्ट किया।अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- '1998 में जब हिरण मारा गया था, तब लॉरेंस बिश्नोई 5 साल का था। 25 साल से वो अपने अंदर गुस्सा पाल के बैठा है। आज 30 साल की उम्र में उसका एक ही लक्ष्य है, सलमान को मारना। क्या ये जानवरों के प्रति प्यार है या भगवान कोई मजाक कर रहा है।'एक इंटरव्यू में इस ट्वीट पर बात करते हुए रामू कहते हैं कि मेरे एक्स पर 6.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। मेरी इस पोस्ट को उतने ही व्यूज मिले हैं। ये अपने आप में क्रेजी बात है।जैसा कि हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि रामू अपने एक्सपेरिमेंटल वर्क के लिए जाने जाते हैं। इसी एक्सपेरिमेंट की कड़ी में उन्होंने साल 2018 में 'गॉड सेक्स एंड ट्रुथ' नाम से शॉर्ट मोनोलॉग डॉक्यूमेंट्री बनाई। इसमें उन्होंने अमेरिकन पोर्न स्टार मिया माल्कोवा को कास्ट किया।

मानवता की नई जरूरत या भविष्य का दुश्मन?

शिप्रा सिंह

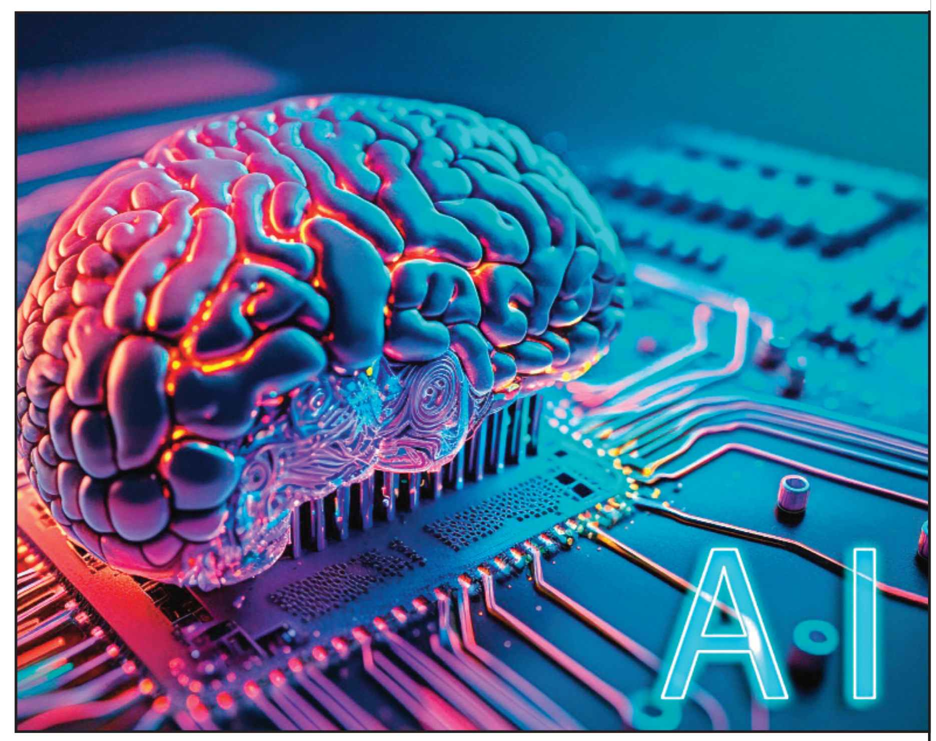

21वीं सदी में तकनीकी विकास ने जिस रफ्तार से अपनी जगह बनाई है, उसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। आज हम एक ऐसे दौर में खड़े हैं जहाँ मशीनें सोच सकती हैं, निर्णय ले सकती हैं और यहाँ तक कि भावनात्मक प्रतिक्रिया भी दे सकती हैं। लेकिन सवाल उठता है - क्या यह तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाने वाली सहयोगी है या धीरे-धीरे हमारे अस्तित्व को चुनौती देने वाली एक दुश्मन शक्ति बनती जा रही है?

AI: संभावनाओं की नई दुनिया

ढ्ढ ने ऐसे कार्यों को संभव बना दिया है, जो कुछ साल पहले तक केवल विज्ञान कल्पनाओं का हिस्सा हुआ करते थे। स्वास्थ्य सेवाओं में इसका उपयोग रोगों की शीघ्र पहचान, सटीक उपचार और रोबोटिक सर्जरी जैसे कार्यों में हो रहा है। शिक्षा क्षेत्र में AI आधारित टूल्स बच्चों की सीखने की गति के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। ग्राहक सेवा, बैंकिंग, परिवहन, कृषि और मनोरंजन - हर क्षेत्र में AI ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

कृषि में सेंसर आधारित तकनीक से फसल की स्थिति की निगरानी हो रही है। शिक्षा में छात्रों को उनके स्तर के अनुसार कंटेंट मिल रहा है। ट्रैफिक नियंत्रण में ढ्ढ आधारित कैमरे और डेटा एनालिसिस ट्रैफिक जाम कम कर रहे हैं।

जरूरत क्यों है AI की?

तेजी से बढ़ती जनसंख्या, संसाधनों की सीमितता और कार्य की गति में वृद्धि की आवश्यकता ने इंसान को ऐसे समाधानों की तलाश में डाला जो तेज, सटीक और लगातार कार्य कर सकें। यहीं पर AI ने अपने कदम रखे। मानवीय त्रुटियों की संभावना कम करने के लिए, डेटा के विशाल विश्लेषण को सेकंडों में करने के लिए, और रूटीन कार्यों को स्वचालित करने के लिए ढ्ढ एक बेहतरीन समाधान के रूप में सामने आया।

लेकिन क्या हर तकनीक वरदान होती है?

जहाँ AI ने जीवन को सरल बनाया है, वहीं यह नई समस्याओं को भी जन्म दे रहा है। सबसे पहला खतरा है - बेरोजगारी। ऑटोमेशन और मशीन लर्निंग के कारण बहुत से ऐसे कार्य जो पहले इंसान करते थे, अब मशीनें कर रही हैं। इससे कम कुशल और मैनुअल कार्यबल को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है।

दूसरा बड़ा खतरा है - निजता का हनन। AI के लिए आवश्यक डेटा अक्सर व्यक्तिगत जानकारियों से भरपूर होता है। इस डेटा का गलत इस्तेमाल या लीक होना व्यक्तिगत और सामूहिक सुरक्षा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

क्या AI मानवीय संवेदनाओं को समझ सकता है?

AI चाहे जितना भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और सहानुभूति की जगह नहीं ले सकता। निर्णय लेना केवल तर्क पर आधारित नहीं होता - उसमें भावना, अनुभव और सामाजिक दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब न्यायिक या मानवीय निर्णय मशीनों द्वारा लिए जाने लगते हैं, तो एक खतरा यह भी होता है कि वे निर्णय यांत्रिक और अमानवीय हो सकते हैं।

AI के खतरनाक रूप

AI का सबसे खतरनाक रूप है - स्वायत्त हथियार प्रणाली, जो बिना मानव नियंत्रण के निर्णय लेकर तबाही मचा सकती है। साथ ही स्रद्गद्गश्चद्धड्डद्मद्ग तकनीक, जिससे झूठे वीडियो और ऑडियो तैयार कर के लोगों की छवि खराब की जा सकती है। इससे न केवल व्यक्तिगत बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी खतरा मंडराता है।

सोशल मीडिया में AI एल्गोरिद्म के जरिए हमें केवल वही जानकारी दिखाई जाती है जो हमारी सोच के अनुकूल हो, जिससे हम एक विचारधारा के बुलबुले में कैद हो जाते हैं - जिसे echo chamber कहा जाता है। यह सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देता है।

समाधान की ओर

AI को दुश्मन बनने से रोकने के लिए हमें इसके उपयोग पर नियंत्रण, दिशा और नैतिक मानकों की आवश्यकता है। दुनिया भर में ढ्ढ नीति और नियंत्रण पर बहस हो रही है। भारत भी इस दिशा में प्रयास कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में ढ्ढ को शामिल कर नई पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा, ताकि वे इस तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें।

साथ ही, AI के विकास में मानवता का मूलभाव बना रहे, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि नीति निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ, शिक्षाविद और आम जनता - सभी इस संवाद में भाग लें।

निष्कर्ष

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसा औजार है, जो हमारे हाथ में है। यह हमारे सोचने, समझने और कार्य करने के ढंग को बदल सकता है। लेकिन यह किस दिशा में जाएगा, इसका निर्णय हम पर निर्भर करता है। अगर हमने इसे विवेक, नैतिकता और जिम्मेदारी से प्रयोग किया, तो यह हमारे विकास का सबसे बड़ा साधन बन सकता है। लेकिन अगर यह बिना नियंत्रण और दृष्टिकोण के आगे बढ़ता रहा, तो वही तकनीक हमारे लिए सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है।

इसलिए यह समय है सोचने का, दिशा देने का औरढ्ढ को मानवता का मित्र बनाए रखने का - न कि उसे हमारा दुश्मन बनने देने का।

इतना घमंड किस बात का?

जया बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक महिला का हाथ झटकते हुए दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं, वीडियो बना रहे महिला के पति को भी जया ने डांट लगाई। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं।दरअसल, मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में 4 अप्रैल को निधन हो गया था। 5 अप्रैल को उनका अंतिम संस्कार किया गया। जबकि 6 अप्रैल को प्रेयर मीट रखी गई। इस दौरान बॉलीवुड जगत के कई सितारे पहुंचे थे।इस दौरान जया बच्चन भी सफेद रंग के सूट में नजर आईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वे खड़ी थीं, तभी एक महिला ने उनकी पीठ पर हाथ थपथपाया, जिससे वे चौंक कर मुड़ीं और तुरंत उस

महिला का हाथ पकड़कर जोर से झटक दिया। साथ ही वीडियो बना रहे महिला के पति को भी उन्होंने फटकार लगाई। इसके बाद दोनों ने हाथ जोड़ा और वहां से चले गए।अब जया बच्चन के इस वीडियो पर फैंस भी जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आखिर क्यों लोग जया बच्चन के साथ तस्वीर खिंचवाना चाहते हैं। वह बहुत ही घमंडी और गुस्से वाली लगती हैं। बेचारी ऐश्वर्या राय कैसे उन्हें संभालती होंगी।', दूसरे ने लिखा, 'इन्हें देखकर हमेशा मूड खराब हो जाता है।', तीसरे ने लिखा, 'ये बहुत ज्यादा घमंडी है।', इसके अलावा कई और लोगों ने उनकी आलोचना की है।

अक्सर वायरल होते हैं जया बच्चन के वीडियो:एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन अक्सर अपने तेवर के कारण सुर्खियों में छाई रहती हैं। कभी मीडिया पर भड़कती हैं तो कभी किसी को फटकार लगा देती हैं, जिस कारण सोशल मीडिया पर उनकी काफी आलोचना भी होती है।एक्टर-डायरेक्टर मनोज कुमार की प्रेयर मीट रविवार की शाम मुंबई के होटल में रखी गई।

चर्बी होगी गायब, रामबाण से कम नहीं है पुदीना

बढ़ते हुए वजन से आजकल सभी लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी अपना वजन को कम करना चाहती हैं, तो आप पुदीने को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। यह आपके पाचन और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। इसके अलावा वजन को कम करता है।

पुदीना एक ताजा जड़ी बूटी है जिसका आमतौर पर औषधीय रुप में उपयोग किया जाता है। पुदीना न केवल अपने ठंडे स्वाद के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जाना जाता है - खासकर जब वजन कंट्रोल की बात आती है। एंटीऑक्सीडेंट और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना फैट,मेटाबॉलिज्म और पाचन में सहायक भूमिका निभा सकता है। पुदीना पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है जो भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करने और फैट्स को इक्ट्ठा करने के बजाय उपयोग करने योग्य ऊर्जा में परिवर्तित करने में मदद करते हैं। जबकि पुदीना अकेले वजन घटाने के लिए एक चमत्कारी उपाय नहीं है बल्कि इसे संतुलित आहार और स्वस्थ लाइफस्टाइल में शामिल करने से शरीर की प्राकृतिक फैट्स-जलने की प्रक्रिया में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आप पुदीने को अपनी डाइट का

हिस्सा बनाएं। गर्मी के दिनों में पुदीना सिर्फ आपको ठंडक ही नहीं देता है, बल्कि यह वजन को कम करने में भी मदद करता है।

डाइजेशन होता है बूस्ट अप:अगर आप पुदीने को डाइट में शामिल करते हैं, तो यह डाइजेशन को बूस्टअप करता है। गौरतलब है कि पुदीना डाइजेस्टिव एंजाइमों को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। इसके सेवन से आपका पाचन सही तरह से काम करता है, तो आपका शरीर फैट और कार्बोहाइड्रेट को अधिक बेहतर तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे शरीर में अनावश्यक वसा जमा नहीं होता है। इतना ही नहीं, यह ब्लोटिंग को कम करने में मदद करता है, जिससे आप अधिक लाइट महसूस करते हैं।

अतिरिक्त भूख और क्रेविंग को कंट्रोल करता है:ज्यादातर लोगों को वजन इसलिए भी कम नहीं हो पता है कि क्योंकि उनको बार-बार अनहेल्दी फूड्स की क्रेविंग्स होने लगती है। इसलिए आप अपने आहार में पुदीना को जरुर शामिल करें। इसके सेवन से आपको भूख भी कम लगेगी और बार-बार खाने की इच्छा भी कंट्रोल रहेगी। पुदीने के पत्ते या पुदीन के फ्लेवर वाली ड्रिंक्स को अपनी डाइट में एड ऑन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर से जिद्दी चर्बी गायब होने लगेगी।

बॉडी को डिटॉक्स करता है:पुदीने के सेवन से आपको यह फायदा होगा कि आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी। दीना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है। यह आपकी बॉडी को अंदर से साफ और डिटॉक्स करता है। पाचन बेहतर रहता है और ब्लोटिंग भी नहीं होती है। इसके साथ ही यह फैट को बर्न करता है।

अच्छे लोग भी गलतियां करते हैं

नेहा कक्कड़ के भाई टोनी कक्कड़ ने हाल ही में अपना नया गाना रिलीज किया। इस गाने में उन्होंने यूट्यूबर समय रैना को सपोर्ट किया है। टोनी उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा टोनी ने अपनी बहन नेहा को भी सपोर्ट किया है। नेहा मेलबर्न कॉन्सर्ट में तीन घंटे देरी से पहुंची थीं।सिंगर टोनी कक्कड़ ने कुछ दिन पहले 100त्न (शत प्रतिशत) नाम का एक नया म्यूजिक वीडियो रिलीज किया था।

अब यह सॉन्ग सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। क्योंकि टोनी के इस ट्रैक में स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना और टोनी की बहन नेहा कक्कड़ को सपोर्ट किया गया।

समय रैना की आवाज से शुरू होता है सॉन्ग:इस सॉन्ग की शुरुआत में बैकग्राउंड में समय रैना की आवाज है। सॉन्ग बैकग्राउंड में चल रही समय की आवाज से शुरू होता है। इसमें यूट्यूबर, टोनी को थैंक्यू बोलते हैं। टोनी, समय के शो %इंडियाज गॉट लेटेंट% में शामिल हुए थे, जिसके लिए समय थैंक्यू बोलते नजर आ रहे हैं। समय रैना कहते हैं, %टोनी भाई, गुड मॉर्निंग, मैंने तो आपको ऐसे ही कॉल किया था हाल चाल पूछने के लिए। और आपको बहुत दिल से थैंक्यू बोलना था कि आप मेरे शो पर आए। मुझे नहीं लगता कि आपको कोई आइडिया है, लेकिन जब आप लोग आते हो तो मुझे दिल से खुशी होती है।'

समय ने आगे कहा, कल को अगर मैं भी बड़ा आदमी बनता हूं और आप लोगों की तरह फेमस होता हूं तो मैं भी किसी ऐसे ही लोगों को सपोर्ट करूंगा। दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद और मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। टोनी ने नेहा के मेलबर्न कॉन्सर्ट का भी जिक्र किया

इस सॉन्ग में समय की आवाज खत्म होते ही टोनी की आवाज शुरू होती है और वह कहते हैं, मेरे भाई, अब शुरू करते हैं और यहां से गाने की शुरुआत होती है। टोनी के इस सॉन्ग में यह बताया जा रहा है कि अच्छे लोग भी कभी-कभी गलतियां करते हैं। इस गाने के लिरिक्स में जमाने को नकली बताया गया और कहा गया कि जो अच्छे हैं उनसे भी पाप होते हैं।गाने के बीच में बैकग्राउंड में एक न्यूज की आवाज आ रही है। इसमें नेहा के कॉन्सर्ट विवाद को लेकर बोला गया- नेहा कक्कड़ अपने मेलबर्न कॉन्सर्ट पर तीन घंटे देर पहुंची थी, जिस कारण जनता का गुस्सा फूटा।

पहले भी टोनी ने किया बहन नेहा को सपोर्ट:बता दें, टोनी की बहन नेहा कक्कड़ अपने मेलबर्न कॉन्सर्ट में तीन घंटे लेट पहुंची थीं। सिंगर की लेटलतीफी के कारण फैंस बुरी तरह भड़क गए थे। फैंस को भड़कता देख नेहा कक्कड़ स्टेज पर ही बुरी तरह रोने लगी थीं। जिसके बाद भाई टोनी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर मैनेजमेंट पर आरोप लगाए थे और नेहा को सपोर्ट किया था।

नेहा पर लेटलतीफी के अलावा भी कई आरोप:नेहा पर लेटलतीफी के अलावा भी कई सवाल उठाए गए। आरोप था कि नेहा कक्कड़ 10 बजे के करीब मंच पर पहुंचीं और एक घंटे से कम समय में चंद परफॉर्मेंस देकर वहां से निकल गईं। और समय रैना पर आरोप थे कि उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट में महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का यूज किया गया।

समय के शो में महिलाओं के लिए गलत शब्द का यूज हुआ:वहीं, यूट्यूबर समय रैना पर आरोप है कि उन्होंने अपने शो इंडियाज गॉट लेटेंट में महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसके चलते उनके देश में कई शोज भी कैंसिल किए गए और उनके यूट्यूब चैनल पर रोक लगा दी गई थी।

घर की गंदी दीवारों को खीरे और सिरके से चमकाएं

हम सभी के घरों पर दीवारें बहुत जल्द गंदी हो जाती है। कई बार तो घर के छोटे बच्चे दीवारों को खराब कर देते हैं, जिससे दीवारें गंदी नजर आने लगती है। यदि आपके घर की दीवारें गंदी हो गई हैं और आप उन्हें आसान तरीके से साफ करना चाहती हैं तो ऐसे में खीरे और सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं।हम सभी को घर पर दीवारों की सफाई करना एक कठिन काम लगता है, लेकिन सही घरेलू क्लिनिंग हैक्स के साथ यह आसान और किफायती दोनों हो सकता है। चाहे आप उंगलियों के निशान, धूल या जिद्दी दागों को हटाने की कोशिश कर रहे हों, तो सिरका, बेकिंग सोडा और एसेंशियल ऑयल जैसे प्राकृतिक तत्व आपको केमिकल के उपयोग के बिना बेदाग फिनिश पाने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको दीवारों की सफाई के लिए कुछ सरल और प्रभावी ष्ठढ्ढङ्घ टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको अपने घर को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल रखने में मदद करेगा। आइए इन आसान घरेलू टिप्स के बारे में आपको बताते हैं जो आपकी दीवारों को चमका सकते हैं। बस खीरे और सिरके की मदद से अपने घर की

दीवारों को चकाचक चमका लें।

दीवार को साफ करने के लिए आपको क्या चाहिए

- 1 ताजा खीरा
- आधा कप सफेद सिरका
- 1 कप पानी
- स्प्रे बोतल

दीवारों को कैसे साफ करें

- इसके लिए आपको सबसे पहले खीरे को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें।
- अब सिरका, खीरे का रस और एक कप पानी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।- इसे आप एक स्प्रे बोतल में डालें लीजिए, जिससे आप आसानी से दीवारों पर छिड़क सकें।
- इस्तेमाल करने से पहले आप किसी कोने में छोटे हिस्से पर स्प्रे करें और 5-10 मिनट के बाद देखें तो आपको दिखेगा कि रंग या पेंट पर कोई असर नहीं पड़ता है।
- यदि आपको कोई बदलाव न दिखे, तो आप अपनी घर की दीवारों को आसानी से साफ कर सकते हैं। ध्यान रखे कि दीवारों पर हल्का-हल्का स्प्रे करें और 1-2 मिनट इंतजार करें ताकि गंदगी ढीली हो जाए।
- अब किसी कपड़ा या माइक्रोफाइबर और स्पंज की मदद से हल्के हाथों से दीवारों को साफ कर सकते हैं।
- एक साफ और हल्का गीला कपड़ा लें और दीवार पर बचा हुआ घोल पोंछ दें। दीवार को सूखे कपड़े से थपथपा कर सुखा लें ताकि पानी के दाग न पड़ें।

इन टिप्स को भी फॉलो करें

- यदि आपको दीवार पर जिद्दी दाग दिख रहे हैं,तो आप मिश्रण में एक चुटकी बेकिंग सोडा डालें और हल्के हाथों से रगड़े।
- इसके अलावा आप खुशबू बढ़ाने के लिए कुछ बूंदें नींबू का रस या लैवेंडर या टी ट्री एसेंशियल ऑयल डालें।- वॉलपेपर वाली दीवारों पर स्प्रे करने की बजाय, हल्के गीले कपड़े से भी साफ कर सकते हैं। ज्यादा नमी न रखें, इससे वॉलपेपर खराब कर सकते हैं।